



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 38] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 18, 1976 (भाद्रपद 27, 1898)
No. 38] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 18, 1976 (BHADRA 27, 1898)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अगस्त 1976

सं० ए० 12011/1/74-प्रशा० II—डाक तार महा-निदेशालय के कार्यालय के स्थानापन्न अनुभाग अधिकारी श्री के० एन० वोहरा, जो इस समय संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर अनुसन्धान अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं, की सेवाएं 31 अगस्त, 1976 के अपराह्न से डाक-तार महा-निदेशालय को सौंपी जाती हैं।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011 दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० ए० 35017/1/73-प्रशा० II—महालेखाकार, उड़ीसा के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी श्री वी० रामचन्द्रन को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में सामान्य केन्द्रीय सेवा में राज-पत्रित ग्रुप ख के पद पर 13 जुलाई, 1976 के पूर्वान्त से 3 वर्ष की अवधि के लिए, या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, लेखा

अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी
अवर सचिव,
कृते सचिव
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 13 अगस्त 1976

सं० ए० 12025 (ii)/1/75-प्रशासन III—मंत्रिमंडल सचि-वालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) के का० शा० सं० 5/3/76-सी० एस० (1) दिनांक 19 जुलाई, 1976 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों को 2 अगस्त, 1976 के पूर्वान्त से, आगामी आदेशों तक, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के उसी संवर्ग में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम
1.	श्री एस० डी० शर्मा
2.	श्री एस० पी० गुप्त

दिनांक 20 अगस्त 1976

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (1)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-6-1976 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० एन० संगमेश्वरन को राष्ट्रपति द्वारा 1-8-76 से 31-8-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (2)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 21-6-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० बी० दास शर्मा को राष्ट्रपति द्वारा 1-8-76 से 31-8-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (3)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 2-8-1976 से 16-9-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (4)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 15-7-76 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्त को राष्ट्रपति द्वारा 1-8-76 से 23-8-76 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (5)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० डी० श्रीवास्तव को राष्ट्रपति द्वारा 2-8-1976 से 16-9-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशासन III (6)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को राष्ट्रपति द्वारा 17-8-76 से 1-10-76 तक 46 दिन की अवधि के लिए अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० ए० 12025/(ii)/3/74-प्रशासन-(III)—कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के का० जा० सं० 9/2/76 सी० एस० (1) दिनांक 1 मई, 1976 तथा 9 जून, 1976 द्वारा

भा० प्र० से० आदि परीक्षा, 1974 के आधार पर नामित किए जाने पर राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित उम्मीदवारों को 1 जुलाई, 1976 के पूर्वार्द्ध से संघ लोक सेवा आयोग में के० से० के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में परिवर्द्धाधीन नियुक्त किया जाता है तथा उसी तारीख से सं० प्रणि० एवं प्रबन्ध संस्थान, आर० के० पुरम, नई दिल्ली में प्रशिक्षण पर रखा जाता है।

क्र० सं०	नाम
1.	श्री मुकुंद बिहारी रे
2.	श्री कृष्ण कुमार झा

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

मंत्रिमंडल सचिवालय
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० ए-19028/1/76-प्रशा०-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता श्री जी० एस० गोपालकृष्णन को दिनांक 11 अगस्त, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (विशेष पुलिस स्थापना), नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर कार्यपालक अभियंता नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 अगस्त 1976

सं० ए-31013/2/76-प्रशासन-1—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री मूलचन्द माथुर, स्थानापन्न तकनीकी अधिकारी (लेखा), केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 29-5-74 (पूर्वार्द्ध) से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में मूल रूप से तकनीकी अधिकारी (लेखा) नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 1/6/76-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयोग एतद्-द्वारा श्री श्याम लाल गर्ग, केन्द्रीय सतर्कता आयोग के स्थाई निजी सहायक को आयोग में 16 अगस्त 1976 (पूर्वार्द्ध) से अगले आदेश तक, स्थानापन्न रूप से बरिष्ठ निजी सहायक नियुक्त करते हैं।

सी० नारायणारामास्वामी,
उप-सचिव

गृह मन्त्रालय

दिनांक 23 अगस्त 1976

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० O.II-1047/76-स्थापना—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल डाक्टर रामेश्वर शाह की तदर्थ रूप में केवल 3 माह के लिए केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर उनकी 13-8-76 पूर्वाह्न से नियुक्ति करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक
(प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 17 अगस्त 1976

सं० ई-38013 (3)/14/76-सा० प्रशा०-II—श्री एच० बी० चतुर्वेदी, जबकि वे भिलाई में कैम्प पर थे, ने दिनांक 21-7-76 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० प्रशिक्षण कालेज, आसूचना स्कन्ध, के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारीख से श्री जे० डी० शर्मा के स्थान पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। नई दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर श्री जे० डी० शर्मा ने उक्त पद का कार्यभार दिनांक 21-7-76 के अपराह्न से छोड़ा।

सं० ई-38013 (3)/14/76-सा० प्रशा० II—श्री एच० एस० पन्ना, जबकि वे राउरकेला में कैम्प पर थे, ने दिनांक 17-7-76 के अपराह्न से के० श्री० सु० ब० प्रशिक्षण कालेज, हैदराबाद, आसूचना स्कन्ध के पुलिस उपाधीक्षक पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी तारीख से श्री पी० एस० नन्दल, सहायक कमांडेंट के स्थान पर के० श्री० सु० ब० यूनिट, राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। स्थानान्तरित होने पर श्री पी० एस० नन्दल ने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार छोड़ा।

दिनांक 20 अगस्त 1976

सं० ई-38013 (3)/14/76-कार्मिक—के० श्री० सु० ब० यूनिट, भिलाई इस्पात सन्त्यन्त्र, भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री जगदत्त शर्मा, सहायक कमांडेंट ने दिनांक 31 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से सहायक कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० यूनिट, बम्बई हवाई पत्तन, के पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० ई-38013 (3)/14/76-कार्मिक—के० श्री० सु० ब० यूनिट अलॉय स्टील प्लांट, दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर श्री पी० के० लहिरी सहायक कमांडेंट ने दिनांक 26 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-16014(1)/6/74-कार्मिक—प्रत्यावर्तित होने पर, मणिपुर राज्य के पुलिस उपाधीक्षक श्री आई० एन० वोहरा, ने दिनांक 11 जून, 1976 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट भारत उर्वरक निगम, बरौनी के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० ई-38013(3)/14/76-कार्मिक—स्थानान्तरित होने पर, श्री पी० एस० नन्दल, सहायक कमांडेंट के० श्री० सु० ब० यूनिट राउरकेला स्टील प्लांट, राउरकेला ने दिनांक 28 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० रिजर्व बल मुख्यालय के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

के० श्री० सु० ब० यूनिट गुजरात रिफाइनरी, बड़ौदा को स्थानान्तरित होने पर श्री पी० एस० नन्दल, सहायक कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० रिजर्व बल मुख्यालय, नई दिल्ली, ने बड़ौदा में नया नियत काम लेने पर दिनांक 31-7-76 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/14/76-कार्मिक—के० श्री० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी०, रांची, में सहायक कमांडेंट के रूप में स्थानान्तरित होने पर, श्री डी० एस० बड़वाल, पुलिस उपाधीक्षक, ने दिनांक 5 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/14/76-कार्मिक—राष्ट्रपति, निरीक्षक ए० एस० खतूरिया को दिनांक 31 जुलाई 1976 के अपराह्न से आगामी आदेश जारी होने तक के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली, में स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट (क० प्र० अ०) नियुक्त करते हैं और उन्होंने उसी तारीख से उक्त पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/14/76-कार्मिक—स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एस० सम्पाल, सहायक कमांडेंट, के० श्री० सु० ब० यूनिट दुर्गापुर स्टील प्लांट दुर्गापुर, ने दिनांक 20 जुलाई, 1976 के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने दिनांक 28 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली, के सहायक कमांडेंट, पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

ली० सि० बिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अगस्त 1976

सं० 10/19/75-म० पं० (प्रशा० एक)—इस कार्यालय की तारीख 15 जुलाई, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक

श्री ए० के० बिश्वास को 10 अगस्त, 1976 से 31 अगस्त, 1976 तक 22 दिनों की और अवधि के लिए या अगले आदेशों तक, जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर अनुसंधान अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री ए० के० बिश्वास का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं० पी०/आर० (46)-प्रशा० एक—इस कार्यालय की तारीख 14 जून, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकार के कार्यालय में अन्वेषक श्री बी० पी० रस्तोगी को 25 जुलाई, 1976 से 31 अगस्त, 1976 तक 38 दिनों की और अवधि के लिए या अगले आदेशों, तक, जो भी समय पहले हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री बी० पी० रस्तोगी का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

रा० भ० चारी,
भारत के महापंजीकार
और पदेन संयुक्त सचिव

नई दिल्ली-110011, दिनांक 28 अगस्त 1976

सं० 11/4/76-मपं० (प्रशा० एक) (4)—राष्ट्रपति, असम में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री के० एस० डे को तारीख 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक सात महीने की अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, उसी कार्यालय में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री डे का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

सं० 11/4/76-मपं० (प्रशा० एक) (2)—इस कार्यालय की तारीख 10 मई, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, राजस्थान में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री आर० सी० भार्गव की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति को तारीख 8 अगस्त, 1976 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री भार्गव का मुख्यालय जयपुर में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-मपं० (प्रशा० एक) (1)—इस कार्यालय की तारीख 10 मई, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, तमिल नाडु में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एम० पंचापकेशन की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति को तारीख 8 अगस्त, 1976 से तारीख 28 फरवरी, 1977 तक की और अवधि के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाएगा, जो भी समय इनमें कम हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पंचापकेशन का मुख्यालय मद्रास में ही रहेगा।

सं० 11/4/76-मपं० (प्रशा० एक) (3)—इस कार्यालय की तारीख 10 मई, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति, पंजाब में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री जी० एस० पबला की उसी कार्यालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति को तारीख 8 अगस्त, 1976 से तारीख 14 सितम्बर, 1976 तक की और अवधि के लिए या अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पबला का मुख्यालय चण्डीगढ़ में ही रहेगा।

बद्री नाथ
भारत के उप-महापंजीकार
और पदेन उप-सचिव

सरदार वल्लभ भाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद-500252, दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० 41/5/76-स्थापना—श्री दुर्गादास बनर्जी, अतिरिक्त जिला जज, 24 परगना, ने पश्चिम बंगाल के न्यायिक विभाग से स्थानान्तरित होकर सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी हैदराबाद में सहायक निदेशक (विधि) के पद का कार्यभार 24 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न को संभाला।

पी० डी० मलवीय
उप निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो

(राजभाषा विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 26 अगस्त 1976

फा० सं० 11(1) 25/72-प्र०—केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो के वरिष्ठ अनुवादक कुमारी उर्मिल मल्होत्रा को दिनांक 13-8-76 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर अनुवाद अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

फा० सं० 11(1) 25/72-प्र०—कुमारी उर्मिल मल्होत्रा, अनुवाद अधिकारी को दिनांक 9-8-76 (अपराह्न) से वरिष्ठ अनुवादक के पद पर प्रत्यावर्तित किया जाता है।

गोविन्द मिश्र,
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवस्त, दिनांक 22 अगस्त 1976

नस्ती क्रमांक बी० एन० पी०/ई०/स्पेशल/34—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-7-76 के अनुक्रम में प्रतिनियुक्ति पर आयें श्री सी० एन० लक्ष्मणराव, सहायक अभियन्ता (वातानुकूलन) की नियुक्ति दिनांक 15-1-77 तक बैंक नोट मुद्रणालय में बढ़ाई जाती है।

डी० सी० मुखर्जी, महा-प्रबन्धक

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 अगस्त 1976

सं० 743 सी० ए० 1/38-76—अपर उप नियंत्रक महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को सहर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए की है और अन्य आदेश होने तक नीचे कालम 4 में उल्लिखित तिथियों से, कालम 3 में प्रत्येक नाम के सामने लिखे गए कार्यालयों में, इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।

अनुभाग अधिकारियों (वा०) का नाम	पदोन्नति पूर्व जिस कार्या- लय में कार्यरत थे	पदोन्नति पश्चात् जिस कार्यालय में स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थानापन्न लेखा- परीक्षा (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
1	2	3	4
सर्वश्री			
1. हरिहरप्रधान	महालेखाकार, केरल त्रिवेन्द्रम	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मद्रास	26-5-76 (पूर्वाह्न)
2. रमा शंकर द्विवेदी-I	भारत के नियंत्रक महालेखा- परीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	महालेखाकार-II बिहार, पटना	14-7-76 (पूर्वाह्न)
3. जगमोहन लाल गोयल	लौह श्रयस्क बोर्ड में प्रति- नियुक्ति पर	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़, शिमला	25-5-76 (पूर्वाह्न)
4. विनोद कुमार वर्मा	भारत के नियंत्रक महा- लेखापरीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	महालेखाकार, हिमाचल प्रदेश एवं चंडीगढ़, शिमला	13-7-76 (पूर्वाह्न)
5. राम सेवक सिंह	महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	31-5-76 (पूर्वाह्न)
6. रमा शंकर द्विवेदी-II	भारत के नियंत्रक महा- लेखापरीक्षक के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून	12-7-76 (पूर्वाह्न)
7. रथीस दास गुप्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	17-5-76 (पूर्वाह्न)
8. ई० सेल्वाराज	महालेखाकार-II तमिल नाडु, मद्रास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलौर	31-5-76 (पूर्वाह्न)
9. सचिन्द्र नाथ नास्कर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणि- ज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	महालेखाकार असम, शिलांग	25-6-76 (पूर्वाह्न)
10. श्रविताश चन्द्र सरकार	महालेखाकार पश्चिम बंगाल कलकत्ता	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची	25-6-76 (अपराह्न)

एस० डी० भट्टाचार्य,
उप निदेशक (वाणिज्यिक)

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 7 अगस्त 1976

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थाई, स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 9-8-76 या कार्यभार संभालने के दिनांक/दिनांकों से इस कार्यालय/महालेखाकार केन्द्रीय (सेन्ट्रल) में बहाली करने की कृपा की है।

सर्वश्री

1. रमेश चन्द्र भरद्वाज
2. विमल कुमार मुखर्जी ।
3. सुनील कुमार नाथ

कानून और न्याय मंत्रालय, नई दिल्ली से दिनांक 31-7-76 को विराम सेवा सुपुर्द कर श्री रमेश चन्द्र भरद्वाज कार्य ग्रहण अवधि पूरा करके और परमाणु शक्ति विभाग (एटमिक एनर्जी) से विराम सेवा पूरा कर श्री विमल कुमार मुखर्जी I, सहायक लेखा अधिकारी एस० ठाकुरता की विराम सेवा की जगह और मुअत्तल श्री बी० सी० मंडल लेखा अधिकारी के स्थायी रिक्त स्थान पर कार्य भार ग्रहण करने का प्रतिवेदन उप महालेखाकार (प्र०) को करें।

श्री सुनील कुमार नाथ इस कार्यालय के वरिष्ठ उप महालेखाकार (आर० ए०) से मुक्त होने पर वरिष्ठ उप महालेखाकार (वर्क्स) के रिक्त स्थान एन० सी० मुखर्जी I, लेखा अधिकारी के विराम सेवा की जगह पर प्रतिवेदन करें।

पारस्परिक वरिष्ठता लेखा अधिकारी के पद पर यथा-समय अंकित की जाएगी।

दिनांक 17 अगस्त 1976

महालेखाकार, पश्चिम बंगाल ने स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री सत्यनारायण घोष को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 18-8-76, पूर्वाह्न या तत्पश्चात् जिस दिन वास्तव में इस कार्यालय में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से या अगला आदेश जारी होने तक बहाली करने की कृपा की है। पारस्परिक वरिष्ठता लेखा अधिकारी के पद पर यथा-समय अंकित की जाएगी।

धनश्याम दास

वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०), पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 1 जुलाई 1976

सं० एल० ए०/16(प्रशासन)—महालेखाकार पश्चिम बंगाल ने श्री प्राण कृष्ण दास, अस्थायी अनुभाग अधिकारी को स्थानीय लेखा परीक्षक विभाग की स्थानापन्न सहायक स्थानीय लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर पहली जुलाई, 1976 पूर्वाह्न से या अगला आदेश जारी होने तक बहाल करने की कृपा की है।

ह० अपठनीय

स्थानीय लेखा परीक्षक, पश्चिम बंगाल

महालेखाकार बिहार का कार्यालय

रांची-2, दिनांक 17 अगस्त 1976

महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय के श्री सुभाष चन्द्र राय स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 20-7-76 के पूर्वाह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय के श्री जितेन्द्र नाथ भौमिक स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 12-7-76 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

महालेखाकार बिहार अपने कार्यालय के श्री लाला साधु शरण प्रसाद स्थायी अनुभाग अधिकारी को इसी कार्यालय में दिनांक 12-7-76 के अपराह्न से अगला आदेश होने तक स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं।

ह० अपठनीय

वरीय उप महालेखाकार (प्रशा०)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

गुवाहाटी-781011, दिनांक 31 जुलाई 1976

कार्यालय आदेश

एस० ओ० ओ० सं० 37—श्री एस० आर० सिंह, इस कार्यालय के स्थायी एस० आर० ए० एस० अनुभाग अधिकारी को, जो अभी कोयला खान भविष्य निधि संगठन, धनबाद में इतर सेवा पर सहायक वित्त अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं, दिनांक 26-4-76 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश जारी होने तक तन्निम्न नियम (नेक्स्ट बिलो रूल) के अंतर्गत 840-40-1000-ब० रो०-40-1200 ह० के वेतनमान में लेखा-परीक्षा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति दी जाती है।

2. श्री बी० सी० दत्त खान, इस कार्यालय के स्थायी एस० आर० ए० एस० अनुभाग अधिकारी को दिनांक 2-8-76 (अपराह्न) से आगे आदेश जारी होने तक लेखा-परीक्षा अधिकारी के पद पर प्रोन्नत किया जाता है। यह श्री एस० के० मुखर्जी, लेखा-परीक्षा अधिकारी को भारमुक्त करेंगे।

3. श्री एस० के० मुखर्जी, लेखापरीक्षा अधिकारी को इस कार्यालय से 2-8-76 (अपराह्न) से भारमुक्त किया जाएगा। उन्हें यह निदेश दिया जाता है कि वित्त अधिकारी, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ को रिपोर्ट करें।

ए० पी० घोष,

मुख्य लेखापरीक्षक

कार्यालय निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 30 अगस्त 1976

सं० ए०-प्रशासन/130/76—निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाओं निम्नलिखित अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्यों को उन

सामने अंकित तिथि से लेखा परीक्षा अधिकारी के स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 26 अगस्त 1976

क्र० नाम कार्यालय जहाँ नियुक्ति नियुक्ति तिथि
सं० की गई है

सर्वश्री

- | | | |
|------------------|--|---------|
| 1. बी० आर० खन्ना | निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, नई दिल्ली | 14-7-76 |
| 2. आर० रामचन्द्र | वरिष्ठ उपनिदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं, दक्षिणी कमान, पुणे | 5-8-76 |

सं० 68012-ए०(3)/76-प्रशा०-II-राष्ट्रपति, श्री आर० विजय राघवन, स्थायी लेखा अधिकारी को, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के नियमित संवर्ग के कनिष्ठ समयमान में, स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए 10 अगस्त 1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० 10015/प्रशा०-ii—58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक अधिकारी, श्री वेद कुमार (वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) के रक्षा प्रभाग में, वित्तीय उप सलाहकार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर) को पेंशन स्थापना को अन्तर्-रित कर दिया जाएगा और उनका नाम 31-8-76 (अपराह्न) से, विभाग की नफरी से निकाल दिया जाएगा।

के० बी० वास भौमिक,

वरिष्ठ उपनिदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

पी० के० रामानुजम,

रक्षा लेखा अपर महा-नियन्त्रक (प्रशा०)

नई दिल्ली-22, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० 40011(2)/76-प्रशा० ए०—(1) बाध्यक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया गया/जाएगा।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना की अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	ए० टी० डे (पी०/3)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (फैमट्रीज) कलकत्ता
2.	आर० रामस्वामी (पी०/114)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना). बम्बई।
3.	आर० जी० वाक्कणकर (पी०/456)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
4.	मदन मोहन दत्ता (पी०/561)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-77	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) उत्तर, मेरठ।
5.	के० बी० अखामुदन (पी०/563)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
6.	एस० एस० सङ्गोपन (पी०/599)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।
7.	टी० एम० अब्राहम (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-7-76	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पूना।
8.	राम सिंह रूपरो (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-11-76	रक्षा लेखा नियंत्रक उत्तरी कमान, जम्मू।

ए० टी० डे०, स्थायी लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 3-4-76 से 31-7-76 तक 120 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी।

श्री रामसिंह रूपरो, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 11-8-76 से 30-11-76 तक 112 दिन की छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) रक्षा लेखा महा नियन्त्रक, श्री डी० श्रीनिवासन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर संख्या ओ०/374) जो कि रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना के संगठन में सेवारत थे, के 22-6-76 को हुए निधन को खेद के साथ अधिमूर्च्छित करते हैं।

तदनुसार, श्री डी० श्रीनिवासन को 23-6-76 (पूर्वाह्न) से विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

एस० बी० सुब्रह्मण्यन

रक्षा लेखा उप महा नियंत्रक (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय
महानिदेशालय आर्डनेन्स फैक्टरियां
भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा

कलकत्ता, दिनांक 19 अगस्त 1976

सं० 61/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न प्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

श्री आर० सी० गुप्ता, स्थायी उप-प्रबन्धक—पहली नवम्बर 1975।

सं० 62/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न उप-प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री टी० एस० ग्रेवाल, स्थायी सहायक प्रबन्धक—18 अगस्त 1975।

2. श्री टी० एस० कोहली, स्थायी सहायक प्रबन्धक—16 अगस्त 1975।

सं० 63/76/जी०—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

1. श्री बी० डी० कपूर, स्थायी फोरमैन—16 अगस्त, 1975।

2. श्री जी० आर० भट्ट, स्थायी फोरमैन—18 अगस्त 1975।

सं० 64/जी/76—राष्ट्रपति, निम्नलिखित अधिकारी को स्थानापन्न उप-महाप्रबन्धक के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश न होने तक, नियुक्त करते हैं :—

श्री एम० आर० सभापति, स्थायी प्रबन्धक—31 मई, 1976।

दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० 65/76/जी०—सेवा-निवृत्ति-पूर्व अवकाश की समाप्ति पर, श्री पी० सोमसुन्दरम्, स्थानापन्न उप प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी फोरमैन) दिनांक 31 मई, 1976 (अप्रराह्ण) से सेवा निवृत्त हुए।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक, आर्डनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक अगस्त 1976

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1146/76/प्रशा० (राज०)/5491—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासकीय सेवा तथा मिजोराम के भूतपूर्व उप-राज्यपाल के सचिव, श्री एस० पी० अग्रवाल को इस कार्यालय में दिनांक

17-8-76 के दोपहर पूर्व से उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 6/1149/76-प्रशा० (राज०)/5532—राष्ट्रपति, श्री स्वरन सिंह को जो इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के वर्ग-2 के स्थायी आणुलिपिक हैं, 7 अगस्त, 1976 के दोपहर पूर्व से आगे के आदेश होने तक, इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय आणुलिपिक सेवा के वरिष्ठ निजी सहायक (वर्ग-I) के रूप में स्थापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ए० एस० गिल,
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 25 अगस्त 1967

सं० सी० ई० आर०/1/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक 2 मई 1968 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ 1 में मद (i) के नीचे निम्न-लिखित 'टिप्पणी' के रूप में जोड़ दिया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पणी—उपर्युक्त मद (i) के उपबंध कताई कारखाना न रखनेवाले विनिर्माता द्वारा उत्पादित नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी, नियंत्रित लांग क्लाथ, नियंत्रित शर्टिंग और नियंत्रित ड्रिल पर लागू होंगे जो उसने किसी कताई कारखाना रखने वाले विनिर्माता या ऐसे विनिर्माताओं के समूह के लिए उक्त आदेश के खंड 21 ए के अन्तर्गत उसकी या उनकी निर्धारित बाध्यता (आब्लिगेशन) को पूरा करने के हेतु कताई कारखाना रखने-वाले विनिर्माताओं के लिए या उनकी ओर से उत्पादित किए हों।"

सं० सी० ई० आर०/3/76—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खंड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्-द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ तीन की मद (3) में "कताई कारखाना न रखने वाले" इन शब्दों के बाद "वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68 दिनांक 2 मई 1968 के पैराग्राफ 1 की मद (i) के नीचे की टिप्पणी में उल्लिखित वस्त्र को छोड़कर" ये शब्द अंतःस्थापित किए जाएंगे।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

बम्बई-20, दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० ई० एस० टी० 1-2 (631)—वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक द्वितीय श्रेणी (नानटेकनीकल) श्री चा० वै० रामनाथन सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

कां० रा० नीलकंठन
उपनिदेशक

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 20 अगस्त 1976

सं० ई०-11(7)—इस विभाग की अधिसूचना सं० ई०-11 (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में श्रेणी 2 के अधीन-नावट्रेट मिक्सचर, "अल्काडाईन" के प्रविष्टि में संख्या और शब्द "31 अगस्त 1976" के स्थान पर संख्या और शब्द "30 सितम्बर 1977" प्रतिस्थापित की जाएगी।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

पूर्ति और पुनर्वासि मन्त्रालय
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन शाखा-1)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जुलाई 1976

सं० प्र०-1/42 (35)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, मद्रास में स्थायी सहायक निदेशक प्रशासन (ग्रेड-II) और स्थानापन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-I) श्री राजा राम राऊ को दिनांक 8-2-74 से सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-I) के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 जुलाई 1976

सं० प्र-15/28(616)/76—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी श्री एस० एस० खत्री को दिनांक 9 जुलाई 1976 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में विशेष कार्य अधिकारी (प्रशिक्षण) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० प्र०-1/1(1053) महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद् द्वारा निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक (अधीक्षण स्तर-II) श्री पी० के० बसु को दिनांक 3-8-76 (पूर्वाह्न) से श्री पी० एस० के० डे सरकार के स्थान पर पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, कलकत्ता में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० प्र०-1/1(494)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थायी अवर प्रगति अधिकारी तथा स्थानापन्न सहायक

2-266 G1/76

निदेशक, ग्रेड-II श्री एस० के० सरमा दिनांक 31 जुलाई, 1976 के अपराह्न से निवर्तन आयु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० प्र०-8/प्र०-4/1(02)—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप नियम (I) के अनुसरण में मैं एतद्द्वारा पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में अपरासी के पद पर कार्य कर रहे श्री ओम प्रकाश तिवारी सुपुत्र श्री सोमनाथ तिवारी को नोटिस देता हूँ कि इस नोटिस के मिलने की तारीख अथवा इस नोटिस के राजपत्र में छपने के एक मास की अवधि बीतने की तारीख को जो भी पहले होगी, उनकी सेवाएं समाप्त हो जाएंगी।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 21 जुलाई 1976

सं० ए-17011/96/76-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा मद्रास निरीक्षण मंडल में भण्डार परीक्षक (इन्जीनियरी) श्री के० सी० स्वामीनाथन को दिनांक 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी मंडल में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जीनियरी) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और और खान मंत्रालय
(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-16, दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० 7/76/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कलाकार श्री टी० सी० मुखर्जी को उसी विभाग में कलाकार (रिप्रोग्राफी धारा) के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, आगामी आदेश होने तक, 30-7-1976 के पूर्वाह्न से महा निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 8/76/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक (डी० ओ०) श्री बेचाराम मुखर्जी को उसी विभाग में कलाकार (भूवैज्ञानिक ड्राफ्ट्समैन धारा) के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर, आगामी

आदेश होने तक, महा निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा 31-7-1976 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जाता है।

एस० बी० पी० आर्यांगर
उप महानिदेशक (मुख्यालय)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
केन्द्रीय कार्यालय

हावड़ा-711103, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० बी० एस० आई० 66/104/76-इस्टे—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण डा० महेशचन्द्र जयन्तीलाल कोठारी की नियुक्ति पश्चिमी परिमंडल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के असुरक्षित बोटानिस्ट पद, जो श्री एम० वाई० ई० अन्सारी की पदोन्नति (तदर्थ आधार पर सिस्टमेटिक बोटानिस्ट पद पर नियुक्त) के फलस्वरूप रिक्त हुआ है पर, 650 रु० वेतन पर, वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-इ०बी०-35-880-40-1000-40-1200 एवं नियमानुसार सामान्य भत्ते में 8 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से, पुनः आदेश होने तक करते हैं।

डी०जी० मुखर्जी,
वरिष्ठ प्रशासकीय अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० 6(83)/63-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एम० बी० शेषाचला, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, बंगलौर को 23 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी मंगलौर में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप में, नियुक्त करते हैं।

सं० 6(118)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जी० ए० थिर्यागराज, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, तिरुचिरापल्ली को 16 जुलाई, 1976 से अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, मद्रास में, अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, नियुक्त करते हैं।

सं० 6(122)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री आर० एन० सिंह, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, गोरखपुर को 8 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी, गोरखपुर में अस्थायी रूप में, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, नियुक्त करते हैं।

सं० 6(64)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० एल० सरीन, प्रसारण निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू को 3 जुलाई, 1976 से अगले आदेश होने तक, रेडियो, कश्मीर, जम्मू में अस्थायी रूप में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5(61)/67-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० बी० सक्सेना, प्रसारण निष्पादक, रेडियो कश्मीर, जम्मू को 5 अगस्त, 1976 से अगले आदेश होने तक, तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6(62)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री सी० वी० राघवन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, पोर्टब्लेयर को 4 अगस्त, 1976 से अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी, कालीकट में अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 6(120)/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० बी० कार, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, गौहाटी को 3 जुलाई, 1976 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, गौहाटी में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से, तदर्थ आधार पर, नियुक्त करते हैं।

सं० 6(123)/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री एस० एम० पाठक, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अहमदाबाद को 2 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बड़ौदा में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी आधार पर, तदर्थ रूप में, नियुक्त करते हैं।

सं० 6/116/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री पी० के० भट्टाचार्य, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, गौहाटी को 3 जुलाई, 1976 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी, गौहाटी में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर, अस्थायी रूप से, नियुक्त करते हैं।

सं० 6/121/63-एस-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० डी० चटर्जी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, कलकत्ता को 3 जुलाई, 1976 से अग्रेतर आदेशों तक आकाशवाणी कलकत्ता में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 5(36)/67-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री डी० एन० बनर्जी, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर को 6 जुलाई, 1976 से आगामी आदेश होने तक, आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर में, अस्थायी रूप से, कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त करते हैं।

सं० 6(112)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री वी० आर० म्हास्के, प्रसारण निष्पादक, केन्द्रीय विक्रय एकक, आकाशवाणी, बम्बई को 30 जुलाई, 1976 से आकाशवाणी, पणजी में अस्थायी रूप से कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० 5(92)/67-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री मोतिया अहमद, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसा-

रण सेवा, आकाशवाणी, पटना को 3 जुलाई, 1976 से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, पटना में अस्थायी रूप से कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त करते हैं।

सं० 6(119)/63-स्टाफ-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एस० सी० उप्पिन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, पुणे को 28 जुलाई, 1976 से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी रतनागिरि में अस्थायी रूप से तदर्थ आधार पर कार्यक्रम निष्पादक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 23 अगस्त 1976

सं० 10/3/76-स्टाफ-3—महानिदेशक, आकाशवाणी एतद्वारा श्री एस० सारंगराजन, वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, आकाशवाणी, कुड्डलूर को 27-7-76 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, अमरतला में सहायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

प्रेम कुमार सिन्हा,
प्रशासन उप निदेशक,
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 12/7/75-विज०/एस-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्रीमती आजी एन० परिमल, प्रशिक्षण अधिकारी (महिला), कृषक प्रशिक्षक और शिक्षा केन्द्र, कुडिगे, जिला कुर्ग को 26-7-76 (पूर्वाह्न) से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी महानिदेशालय में कृषि रेडियो अधिकारी (गृह) (महिला) के पद पर, अस्थायी रूप से, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त, 1976

सं० 12/8/75-सतर्कता/स्टाफ-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री मनिकुमार डांग, उपमंडल कृषि अधिकारी, कुरसियांग, जिला दारजीलिंग को 22-6-76 से अगले आदेश होने तक आकाशवाणी, कुरसियांग में फार्म रेडियो अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० शेषादरी,
कार्यक्रम उप-निदेशक (मुख्यालय)
कृते महानिदेशक

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 16 अगस्त 1976

सं० 8/33/50-सिबन्दी-I—श्री एस० चंद्रन नायर सहायक प्रशासकीय अनिवार्य छुट्टी पर जाने के कारण फिल्म प्रभाग के अतिरिक्त प्रमुख निर्माता ने श्री व्ही० आर० पेसवानी, स्थानापन्न

अधीक्षक को, सानापक सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर दिनांक 9-8-1976 से नियुक्त किया है।

एम० के० जैन,
प्रशासकीय अधिकारी
कृते प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० 31014/1/73-स्थापना-2—विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक श्री रामपत चौधरी को इस निदेशालय में दिनांक 2 अगस्त, 1976 से असिस्टेंट इंजीनियर (माडल्स) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० देवासर,
उपनिदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० ए-31014/5/75-स्थापना—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री पी० आर० कोहली को 26 अगस्त, 1976 से इस निदेशालय में लेखा अधिकारी के ग्रेड में स्थायी नियुक्त करते हैं।

एस० एल० भारद्वाज (श्रीमती),
अनुभाग अधिकारी
विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक की ओर से

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 20 जुलाई 1976

सं० ए०-22012/1/76-सी० जी० एच० एस० 1—निम्न-लिखित चिकित्सा अधिकारियों ने केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, मेरठ, से अपने तबादले के फलस्वरूप निम्नांकित तारीख से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली, में अपने पद का कार्य-भार ग्रहण कर लिया :

क्रमांक	चिकित्सा अधिकारी का नाम	के० स० स्वा० यो० मेरठ में कार्यभार छोड़ने की तारीख	के० स० स्वा० यो० दिल्ली में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	डा० (श्रीमती) डी० साहिरी जी० डी० ओ० ग्रेड 1	1-6-76	3-6-76 (जी० डी० ओ० ग्रेड 1)
2.	डा० ए० के० साहिरी जी० डी० ओ० ग्रेड 1	1-6-76	7-6-76 (जी० डी० ओ० ग्रेड 1)

दिनांक 30 अगस्त 1976

सं० 20-88/74-सी० जी० एच० एस० 1—अपनी तदर्थ नियुक्ति की अवधि की समाप्ति पर, जी० डी० ओ० ग्रेड-2 डा० (श्रीमती) वसन्ता नाथ, 28-2-1975 से भारत सरकार के अधीन सेवा में नहीं रही।

दिनांक 31 अगस्त 1976

सं० 20/6 (2)/75-सी० जी० एच० एस०-1—त्यागपत्र मंजूर हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली, के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (तदर्थ) डा० के० बी० शाह ने 21 अक्टूबर 1975 (अपराह्न) को कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 1 सितम्बर 1976

सं० 20/1 (26)/75-सी० जी० एच० एस० 1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एम० डी० गोस्वामी को 12 अगस्त 1976 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, पटना, में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

राजकुमार जिन्दल,
उप निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली, दिनांक 20 अगस्त 1976

सं० ए० 12023/8/76 (सी० एच० ई० बी०) एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री बी० आर० शंकर सिंह को 26 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी (क्षेत्रीय अध्ययन एवं प्रदर्शन केन्द्र) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए-12025/9/76 (सी० जी० एच० एस०)/एडमिन०-1—डा० (श्रीमती) रमा भाटिया ने 9 अगस्त 1976 के अपराह्न को सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में, दन्त चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 26-17/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली, के अनुसन्धान अधिकारी (पशु-चिकित्सा) डा० ए० के० चक्रवर्ती को 21 जुलाई, 1976 में पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के पटना स्थित कला-अञ्जर यूनिट में सहायक निदेशक (नान-मैडिकल) (पशु चिकित्सक) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान के पटना स्थित कला-अञ्जर यूनिट के सहायक निदेशक (नान-मैडिकल) (पशु-चिकित्सक) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप डा० ए० के० चक्रवर्ती ने 12 जुलाई, 1976 के अपराह्न से राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली, में अनुसन्धान अधिकारी (पशु-चिकित्सा) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० ए-12025/4/76-डी०—राष्ट्रपति ने सहायक औषध नियन्त्रक (भारत); बम्बई के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी श्री आर० पी० हिमरिया को 12 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उप औषध नियन्त्रक (भारत) औषध निरीक्षकों के प्रशिक्षण की योजना, बम्बई, के पद पर नियुक्त किया है।

उप औषध नियन्त्रक (भारत) औषध निरीक्षकों के प्रशिक्षण की योजना, बम्बई, के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री आर० पी० हिमरिया ने 12 जुलाई 1976 के पूर्वाह्न को सहायक औषध नियन्त्रक (भारत), बम्बई के कार्यालय में तकनीकी अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 27-3/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, दिल्ली, के भूतपूर्व उप निदेशक डा० रजिन्द्र पाल को (जो सहायक निदेशक (एन्ट) के पद पर स्थायी थे एफ० आर० 56 (क) के अधीन 50 वर्ष की आयु का हो जाने पर 9 अक्टूबर 1969 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति दी है।

दिनांक 26 अगस्त 1976

सं० ए०-22013/1/76-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने श्री आर० श्रीनिवासन वरिष्ठ निजी सहायक, (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का ग्रेड 1) को दो अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

2. श्री आर० श्रीनिवासन ने, अनुभाग अधिकारी के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप दो अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न को वरिष्ठ निजी सहायक (केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का ग्रेड 1) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 28 अगस्त 1976

सं० ए० 32013/7/76 (एच० ओ०) एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली, के वास्तुकार श्री डी० आर० शर्मा को, श्री आर० एन० पवार के स्थान पर जो छुट्टी पर हैं, 14 जुलाई, 1976 से 30 अगस्त, 1976 तक उसी निदेशालय में वरिष्ठ वास्तुकार के पद पर नियुक्त किया है।

वरिष्ठ वास्तुकार के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री डी० आर० शर्मा ने 14 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न को इस निदेशालय में वास्तुकार के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 अगस्त 1976

दिनांक 27 मई 1975

सं० ए० 22013/19/76-सी० एच० एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य के जी० डी० ओ० ग्रेड-2 के एक अधिकारी डा० टी० कृष्णमूर्ति ने 12 जुलाई, 1976 के अपराह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, बम्बई में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 19 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, हैदराबाद, में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (के० स्वा० से० का जी० डी० ओ० ग्रेड-2) के पद का कार्यभार संभाल लिया।

पी० एल० जोशी,
उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 2(11)/71-स्थापना (1)—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (प्रथम ग्रेड) ग्रुप 'बी' राजपत्रित के पद पर स्थानापन्न तदर्थ रूप से कार्य कर रहे श्री पी० सी० चौधरी ने 5 जुलाई, 76 के पूर्वाह्न से अपना कार्य भार छोड़ दिया है।

विश्व मित्र कौलाण
उपनिदेशक प्रशासन
कृते प्रशासन निदेशक

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-8, दिनांक 25 जून 1976

सं० 5-1/75-स्थापना (विशेष) —श्री के० बी० एल० भटनागर, दिल्ली दुग्ध योजना में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 13-3-72 (पूर्वाह्न) से मूलतः पारी परिवहन इंजीनियर के स्थायी पद पर नियुक्त किए जाते हैं।

अनन्द मोहन लाल
अध्यक्ष

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई 400 085, दिनांक 13 मई 1976

सं० पी० ए/81(130)-75-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के स्थानापन्न फोरमन श्री धिनयकुमार विष्णुपंत मत्स्थंकर को 1 फरवरी 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से इसी अनुसंधान केन्द्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस बी नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए/81 (42)/76-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई वैज्ञानिक सहायक 'बी' और स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री प्रभाकर विष्णु नसूरकर को 1 फरवरी, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेशों तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी एस बी नियुक्त करते हैं।

पी० उद्दीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी-(भ)

बम्बई 400085, दिनांक 25 अगस्त 1976

इस अनुसंधान केन्द्र की 29 मई, 1976 को अधिसूचना सं० V /415/चिकित्सा/स्था- IV के क्रम में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई सहायक मैट्रन श्रीमती तारा रामचन्द्र बालसंगकर को मैट्रन श्रीमती चको, जिनको और अधिक छुट्टी प्रदान की गई है के स्थान पर 6-6-76 से 21-6-76 तक और अधिक काल के लिए स्थानापन्न मैट्रन नियुक्त करते हैं।

एम० के० एस० सुब्रमणियन
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई 400085, दिनांक 26 अगस्त 1976

सं० बी० 620/लेखा/स्था० सा/1646—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री शंकर विष्णु भावे को छुट्टी के कारण रिक्त स्थानों पर निम्नलिखित काल के लिए स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं।

1. 15 अक्तूबर 1975 से 27 जनवरी, 1976
2. 16 फरवरी, 1976 से 26 मार्च, 1976

एस० रंगनाथन,
उप स्थापनाधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग
तारापुर परमाणु बिजलीघर

महाराष्ट्र, दिनांक 31 जुलाई 1976

सं० टी० ए० पी० एस०/प्रशासन/947—परमाणु ऊर्जा विभाग के तारापुर परमाणु बिजलीघर के मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री के० गोपाल

को, उनकी तैनाती काइर प्राधिकारी द्वारा की जाने पर उसी बिजलीघर में 29 जुलाई, 1976 के अपराह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं। उन्होंने 29-1-1976 के अपराह्न से सहायक लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वी० सेतुमाधवन
मुख्य प्रशासन अधिकारी

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 12 अगस्त 1976।

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/76-प्रशासन/9904—
इस प्रभाग के स्थायी सेलेक्शन ग्रेड क्लर्क श्री एन० टी० बरवानी ने, जिन्हें इस कार्यालय की दिनांक 3 फरवरी, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना द्वारा 4 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से तदर्थ आधार पर सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त किया गया था, छुट्टी पर जाने से पूर्व 30 मार्च, 1976 के अपराह्न से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 24 अगस्त 1976

शुद्धिपत्र

सं० पी० पी० ई० डी०/3(235)/76-प्रशासन-10262—
इस प्रभाग की दिनांक 12 अगस्त, 1976 की समसंख्यक अधिसूचना में लिखे शब्दों “छुट्टी पर जाने से पहले” को निकाला गया माना जाए।

एन० जी० पेरुलेकर, प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 23 अगस्त, 1976

सं० पी० ए० आर०/1704/1523—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, औद्योगिक स्थायी आशुलिपिक (वरिष्ठ) तथा स्थानापन्न सहायक श्री वी० आर० विजयन को 21-7-1976 से आगामी आदेशों तक के लिए स्टेनलेस स्टील सीमलेस ट्यूब प्लांट, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री प० म्हात्रे, वरिष्ठ प्रशासनिक
अधिकारी।

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई, 400 085, दिनांक 19 अगस्त 1976

संदर्भ सं० भापापएं/स्था०/वे-22/5186—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, भारी पानी परियोजनाएं

(मुख्य कार्यालय) के श्री अचूत मुकुन्द वैद्या, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को, भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में श्री आर० बी० कुलकर्णी, लेखा अधिकारी II जो छुट्टी पर गये हैं, के स्थान पर अप्रैल 19, 1976 (पूर्वाह्न) से मई 23, 1976 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

संदर्भ सं० भापापएं/स्था०/1/ध०-3/5187—भारी पानी परियोजनाओं के, विशेष कार्य अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्री किशोरचन्द्र मथुरादास धंधा, स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक जो अब भारी पानी परियोजनाओं (मुख्य कार्यालय), में स्थानापन्न लेखापाल हैं, को भारी पानी परियोजना (बड़ौदा), में श्री सी० आर० वालिया, सहायक लेखा अधिकारी, जो० ता०फ० दि० केन्द्र को वापिस भेज दिये गये हैं, के स्थान पर जनवरी 31, 1976 (पूर्वाह्न) से अप्रैल 14 (अपराह्न) 1976 तक के लिए सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं। यह प्रकाशन इस कार्यालय की अधिसूचना सं० भापापएं/स्था०/ध०-3/1057, दिनांक 10 फरवरी, 1976 के आंशिक संशोधन हेतु है।

टी० सी० सत्याकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मद्रास क्षेत्रीय क्रय यूनिट

मद्रास, दिनांक 21 जून 1976

सं० एम० आर० पी० यू०/200(14)/76-प्रशासन—
निदेशक, क्रय एवं भंडार, क्रय तथा भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री एच० गणपति को 6 मई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक क्रय तथा भंडार निदेशालय की मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना, कलपक्कन के केन्द्रीय भंडार यूनिट में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त हैं।

दिनांक 16 अगस्त 1976

सं० एम० आर० पी० यू०/200(105)/76-प्रशा०—
निदेशक, क्रय तथा भंडार, क्रय एवं भंडार निदेशालय के स्थानापन्न भंडारी श्री के० उनीकुमार को 12-7-1976 से 13-8-1976 (अपराह्न) तक क्रय तथा भंडार निदेशालय के मद्रास कार्मिक क्रय यूनिट के परिवहन तथा निकासी पक्ष में स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगाचारी, क्रय अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

अणुशक्ति, बाया कोटा राजस्थान, दिनांक 26 अगस्त 1976

सं० रापविप/भर्ती/9(12)/76/883—विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना के एक स्थायिवत् उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सेलेक्शन ग्रेड क्लर्क श्री वी० राज गोपालन को राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना में दिनांक 16-8-1976 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी

आदेश जारी होने तक के लिये अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह, प्रशासन अधिकारी

रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र

कलकत्ता, दिनांक 8 अगस्त 1976

सं० आर० आर० सी-II-1(25)/72-9628—रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी आणुलिपिक प्रड-II तथा इस केन्द्र के स्थानापन्न वरिष्ठ आणुलिपिक श्री अय्यास्वामी अय्यर सुब्रह्मण्यन को, उनका चुनाव परमाणु ऊर्जा विभाग में सहायक कार्मिक अधिकारियों/सहायक प्रशासन अधिकारियों के केन्द्रित संवर्ग में होने पर 8 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक रिएक्टर अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलोर, दिनांक 6 अगस्त 1976

सं० 10/3(13)/76-सि० ई० प्र० (एच०)—अन्तरिक्ष विभाग में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, तमिलनाडु जलपूर्ति और जल निकास बोर्ड, मद्रास के श्री ए० एस० पायस को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एस० बी० के पद पर दिनांक 1 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से प्रतिनियुक्ति पर स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

पी० आई० यू० नम्बियार, प्रशासन अधिकारी-II
कृते मुख्य अभियन्ता

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० ई० (I) 04348—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री डी० आर० मलिक को 6-8-76 के पूर्वाह्न से 2-11-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री मलिक, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04212—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अधीन विशाखा-पट्टणम सी० डब्ल्यू० सी० में व्यावसायिक सहायक श्री आर०

वी० सुब्रह्मण्यन को 21-7-1976 के पूर्वाह्न से 17-10-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री सुब्रह्मण्यन, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी प्रादेशिक मौसम केन्द्र, मद्रास कार्यालय के अधीन विशाखापट्टणम सी० डब्ल्यू० सी० में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 07161—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री ओंकारी प्रसाद को 9-8-1976 के पूर्वाह्न से 5-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री ओंकारी प्रसाद, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05132—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में श्री एम० एल० घोष को जिन्हें स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के रूप में 17-8-76 तक नियुक्त किया गया था 18-8-76 के पूर्वाह्न से 31-8-76 तक 14 दिनों की अवधि के लिए स्थानापन्न मौसम विज्ञानी के रूप और आगे नियुक्त करते हैं।

श्री घोष, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० ई० (I) 06059—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एस० सी० गुप्ता को 17-8-76 के पूर्वाह्न से 13-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्ता, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 03745—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, पटना में व्यावसायिक सहायक श्री एस० आर० विश्वास को 15-7-1976 के पूर्वाह्न से 12-9-76 तक साठ दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री विश्वास, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र, पटना में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04267—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री पी० के० ई० राजा को 16-8-76 के पूर्वाह्न से 12-11-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री राजा, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के उप महानिदेशक (पूर्वानुमान), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 30 अगस्त 1976

सं० ई० (I) 06280.—वेधशालाओं के महानिदेशक, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र श्रीनगर में व्यावसायिक सहायक श्री भवानी दत्त को 22-7-1976 के पूर्वाह्न से 18-10-1976 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भवानी दत्त, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली कार्यालय के अधीन मौसम केन्द्र श्रीनगर में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04318.—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के उप महानिदेशक (जल वायु विज्ञान तथा भू-भौतिकी) पूना के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री एच० आर० गणेशन को 16-8-76 के पूर्वाह्न से 12-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री एच० आर० गणेशन स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के उप महानिदेशक (जल-वायु विज्ञान तथा भू-भौतिकी), पूना के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 04296.—वेधशालाओं के महानिदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में व्यावसायिक सहायक श्री आर० एन० सेन को 9-8-76 के पूर्वाह्न से 5-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री आर० एन० सेन स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (I) 05868.—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री चन्द्र प्रकाश को 19-8-76 के पूर्वाह्न से 15-11-76 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री चन्द्र प्रकाश, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन, मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० ए०-38012/1/75-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास के कार्यालय के श्री बी० श्रीनिवासन, तकनीकी अधिकारी

ने 31 जुलाई, 1976 (अपराह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

हरबंस लाल कोहली, उप-निदेशक
प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 19 अगस्त 1976

सं० ए०-32013/3/76-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री बी० हाजरा, नियंत्रक विमान क्षेत्र, कलकत्ता को श्री एस० डी० बहल, क्षेत्रीय निदेशक (दिल्ली क्षेत्र) के स्थान पर, जोकि संयुक्त राज्य अमरीका में अन्तर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन फैलोशिप में भाग ले रहे थे, 11 जून, 1976 से 31 जुलाई, 1976 (अपराह्न) तक बिल्कुल तदर्थ आधार पर क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र नियुक्त किया है।

टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक
प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सीमा शुल्क

समाहर्ता-कार्यालय

इलाहाबाद, दिनांक 13 अगस्त 1976

सं० 52/1976—श्री सी० बी० शर्मा, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ब०' केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क संभल के पद पर तैनात थे। उन्होंने अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, संभल के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 30-6-76 को दोपहर के बाद श्री आर० सी० माथुर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, समेकित मण्डल कार्यालय, मुरादाबाद को सौंप दिया और उसी तारीख और समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये। श्री आर० सी० माथुर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, अधीक्षक, संभल के कार्यालय का अतिरिक्त कार्यभार आगामी आदेश जारी होने तक संभालेंगे।

दिनांक 19 अगस्त 1976

सं० 67/1976—समेकित मण्डल कार्यालय बरेली में तैनात केन्द्रीय उत्पादन शुल्क वर्ग 'ख' के स्थानापन्न अधीक्षक श्री वीरेन्द्र पाल सिन्हा अपनी 2-2-1976 से 31-5-1976 तक की सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी (एल० पी० आर०) समाप्त होने पर दिनांक 31-5-1976 (दोपहर बाद) से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास, समाहर्ता

शिलांग, दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० 3/76—केन्द्रीय आवकारी क्लक्वेट्रेट शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री ब्रजेन्द्र चन्द्र भट्टाचार्य के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आवकारी अधीक्षक (श्रेणी ख) नियुक्त किया गया। श्री ब्रजेन्द्र चन्द्र भट्टाचार्य ने केन्द्रीय आवकारी अधीक्षक के रूप में दिनांक 30-7-76 (पूर्वाह्न) में धुबड़ी में कार्यभार संभाला।

सं० 4/76—केन्द्रीय आबगारी कलक्टर गिलांग के स्थायी निरीक्षक (चूनाव ग्रेड) श्री आताउर रहमान हाजारिका को अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबगारी अधीक्षक (श्रेणी ख) नियुक्त किया गया। श्री आताउर रहमान हाजारिका ने केन्द्रीय आबगारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 30-7-1976 (पूर्वाह्न) में तिनसुकिया-II रेन्ज में कार्यभार संभाला।

के० एस० साहा,
कलक्टर

कानपुर, दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 80/76—श्री एच० सी० टायल, अधीक्षक समूह 'ब' केन्द्रीय उत्पाद शुल्क हरिद्वार ने अपना कार्यभार दिनांक 31-3-76 अपराह्न को श्री ओम प्रकाश मोहन को सौंप दिया और दिनांक 31-3-76 अपराह्न से अधिबाबंता पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

कु० श्री दलीपसिंह जी,
समाहर्ता

निरीक्षण निदेशालय

सीमा शुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क
नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त 1976

सी० सं० 1041/47/76—श्री जे० एन० गोड ने, जो पहले दिल्ली समाहर्तालय में अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ग्रुप बी०, के रूप में काम कर रहे थे, नयी दिल्ली स्थित निरीक्षण निदेशालय सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मुख्यालय में दिनांक 11-8-76 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण अधिकारी, (सीमा शुल्क व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) श्रेणी II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

(ह०) अपठनीय
निरीक्षण निदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० क०-19012/607/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एस० के० जैन, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियन्ता के पद पर पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 19 जुलाई, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

श्री एस० के० जैन ने केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अनुसंधान अधिकारी/सहायक अभियन्ता का कार्यभार उपर्युक्त दिनांक एवं समय से ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 24 अगस्त 1976

सं० क०-12017/3/76-प्रशासन पांच—इस आयोग की अधिसूचना संख्या क०-12017/3/76-प्रशा-पांच दिनांक 18 मार्च, 1976 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्द्वारा श्री च० भुजंगराव को केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान-3—246GI/76

शाला, पूना में सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 31-12-1976 तक की आगामी अवधि अथवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 अगस्त 1976

सं० क०-19012/613/76-प्रशा० 5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग ने अपने प्रसाद से श्री जी० एस० नैयर, अभिकल्प सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 4 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से, आगामी आदेश होने तक पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री जी० एस० नैयर ने उपर्युक्त दिनांक एवं समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

दिनांक 30 अगस्त 1976

सं० क०-19012/617/76-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बूटा सिंह, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 2 अगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक पूर्णतया अस्थाई तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री बूटा सिंह ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है।

जसवन्त सिंह,
अवर सचिव

कृते अध्यक्ष केन्द्रीय जल आयोग

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 27 अगस्त 1976

सं० 74/आर० ई०/161/1—रेलवे लाईन तथा परिसरों के सभी उपभोक्ताओं को अधिसूचित किया जाता है कि नये यमुना पुल (रहित) से तुंगलकाबाद याई (सहित) जी० ए० एल० हो कर (संरचना नं० कि० मी० 1533/जी० ए० एल०-6 और जी० ए० एल० 7 से संरचना नं० की० मी० 1520/टी० 1) तथा बदरपुर थर्मल पावर हाउस साईडिंग (संरचना नं० कि० मी० 4/1081 तक) के खण्ड में सिरोंपर कर्षण के तार दिनांक 1-9-76 या उसके बाद किसी भी दिन 25000 वी० ए० सी० पर चालू कर दिये जायेंगे तथा उसी तारीख से सिरोंपर कर्षण तारों को सभी समय के लिये करंट युक्त माना जाएगा तथा किसी भी अनधिकृत व्यक्ति को उसके समीप नहीं जाना चाहिए और न ही कोई कार्य करना चाहिये।

बी० माहन्ती,
सचिव, रेलवे बोर्ड

सवारी डिब्बा कारखाना
महा-प्रबन्धक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/शेल

मद्रास-38, दिनांक 30 अगस्त 1976

सं० का० शा०/रा० सा०/9/विविध II—श्री एस० शंकरलिंगम,
स्थानापन्न कारखाना प्रबन्धक/बिजली (ब० मा०) (तदर्थ)
को 10-7-1976 के अपराह्न से अस्थाई सहायक बिजली इंजीनियर/
अनुरक्षण के पद पर प्रत्यावर्तित किया गया है।

श्री आर० शारंगराजन ने, स्थानापन्न अपर वित्त सलाहकार
और मुख्य लेखा अधिकारी उत्तर रेलवे से इस प्रशासन को
स्थानान्तरित होने पर श्री एम० बी० जगन्नाथ के 46 दिन अवकाश
प्रदान करने के कारण 19-7-1976 के अपराह्न से न० प्र०
स्तर II ग्रेड में वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी के
पद का प्रभार लिया।

श्री जे० नटराजन, कार्यालय अधीक्षक/ग्रेड I (श्रेणी III सेवा)
को सहायक भंडार नियंत्रक/डिपो/शेल (श्रेणी II) तदर्थ आधार
पर स्थानापन्न करने 21-7-1976 से पदोन्नत किया गया है।

श्री ए० के० गणेश, स्थानापन्न शाप अधीक्षक (श्रेणी III)
को सहायक उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/शेल (श्रेणी II) के रूप में
स्थानापन्न करने तदर्थ आधार पर 22-7-1976 के अपराह्न से
पदोन्नत किया गया।

एस० सुब्रमणियन,
उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, कृते महा-प्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
महा-प्रबन्धक का कार्यालय
(कार्मिक शाखा)

पाण्डू, दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० ई०/55/III/92(0)—श्री ए० के० कपूर को, जिन्हें
भारतीय रेलवे की बरिष्ठ राजस्व स्थापना के सिगनल इंजीनियरी
विभाग में परिवीक्षाधीन के रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक
16-11-1975 से अवर वेतन मान में स्थायी किया जाता है।

एच० एल० वर्मा,
महा-प्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय
कम्पनी कार्य विभाग
(कम्पनी विधि बोर्ड)

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम 1956 और कोसाल इन्टस्ट्रीअल
डेवलपमेन्ट सेन्डीकेट लिमिटेड के विषय में
कटक, दिनांक 16 अगस्त 1976

सं० 243/76-1676 (2)—यतः कोसाल इन्टस्ट्रीअल
डेवलपमेन्ट सीन्डीकेट लिमिटेड, जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय
बंगलोर में है, कासमाप किया जा रहा है।

और यतः अधीहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति
युक्त हेतुक है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है।

और यह कि स्टेटमेन्ट आफ एकाउन्टेन्स जो समापक
द्वारा दिये जाने के लिए अपेक्षित है छह क्रमवर्ती मास के लिए नहीं
दी गई है।

अतः अब कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का)
की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में
एतद्द्वारा सूचना किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन
मास के अवसान पर कीसाल इन्टस्ट्रीअल डेवलपमेन्ट सेन्डीकेट
लिमिटेड का नाम, यदि इसके प्रतिकूल हीतुक दर्शित नहीं किया
जाता है तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित
कर दी जाएगी।

सी० आर० दास,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
उड़ीसा

कम्पनी अधिनियम 1956 और वालमा वालमा
भेलि एग्रिकल्चरल कारपोरेशन
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1976

सं० 18377/560 (3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर वालमा-
भेली एग्रिकल्चरल कारपोरेशन लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल
कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा
और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हाउचलेलु ईन्डासिज
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 18 अगस्त 1976

सं० 23683/560 (3) कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर हाउच-
लेन्डासिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण
दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त
कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० सी० नाथ,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं हरगांव शुगर मिल्स लिमिटेड
के विषय में।

बम्बई, दिनांक 18 अगस्त 1976

सं० 16455/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 और
हरगांव शुगर मिल्स लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा
(5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख
से तीन मास के अवसान पर हरगांव शुगर मिल्स लिमिटेड का नाम

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवाणी,
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स पेरेडाइज इन्डस्ट्रीयल प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 21 अगस्त 1976

सं० 560/1071—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स पेरेडाइज इन्डस्ट्रीयल प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

जे० गो० गाथा,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
गुजरात

उपरोक्त पदोन्नतियों के परिणाम स्वरूप निम्नलिखित तैनाती और स्थानांतरण तुरंत करने के आदेश दिए जाते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	अब तैनाती की गई	अभ्युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
1. टी० पी० जैन		नई पदोन्नति	आयकर अधिकारी, प्राइवेट सेलरी सिकिल-4।	श्री गोविन्दराम (स्थानांतरित) के स्थान पर।
2. गोविन्दराम		आयकर अधिकारी प्राइवेट सेलरी, सिकिल-4	आयकर अधिकारी (ओ० एण्ड सी०-2)	श्री ए० एल० गर्ग (स्थानांतरित) के स्थान पर।
3. ए० एल० गर्ग		आयकर अधिकारी (ओ० एण्ड सी०-2)	आयकर अधिकारी डी०-3 (8)	श्री के० बी० गोम्बर (स्थानांतरित) के स्थान पर।
4. के० बी० गोम्बर		आयकर अधिकारी डी०-3 (8)	मुख्य लेखा-परीक्षक	श्री एस० एल० टंडन के छुट्टी चले जाने पर उनके स्थान पर।
5. शिव लाल		आयकर अधिकारी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स सिकिल	आयकर अधिकारी, डी०-3 (8)	श्री बलवंत सिंह (स्थानांतरित) के स्थान पर।
6. बलवंत सिंह		आयकर अधिकारी, डी०-3 (18)	आयकर अधिकारी, डी० 3 (16) एडीशनल	कु० रुपिन्दर चावला (स्थानांतरित) के स्थान पर।
7. रुपिन्दर चावला (कुमारी)		आयकर अधिकारी, डी० 3 (16) एडीशनल	आयकर अधिकारी, चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स सिकिल	श्री शिवलाल (स्थानांतरित) के स्थान पर।
8. एन० के० मित्तल		कर वसूली अधिकारी-17	आयकर अधिकारी, डी० 3 (12)	कु० पमेल्ला भल्ला (स्थानांतरित) के स्थान पर।

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 3 जुलाई 1976

आदेश सं० 44/रा० अधि०

1976-77

सं० ई० 1/पदोन्नति/आय० अधि० (2)/76-77/11094—
आयकर अधिकारी, श्रेणी-2 के पदों पर कार्य करने के लिए, निम्न-
लिखित निरीक्षकों की पदोन्नति रूपए 650-30-740-35-810-
ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के
वेतनमान में अगले आदेश होने तक उनके कार्यभार संभालने की
तारीख से की जाती है :—

1. श्री टी० पी० जैन
2. नानकी अवतरमनी (कुमारी)

ये पदोन्नतियां निम्नलिखित रिक्तियों के एवज में की जा रही हैं :—

- (1) एक अधिकारी के बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के कारण।
- (2) कुछ अधिकारियों के निलम्बित कर दिए जाने के कारण।

यह स्पष्ट किया जाता है तथा पदोन्नति किए जा रहे निरीक्षक इस बात को नोट कर लें कि यदि संबंधित अधिकारी लम्बी अवधि की अनुपस्थिति के बाद अपने काम पर लौट आता है या बहाल हो जाता है तो उस स्थिति में यदि उस समय कोई अन्य पद खाली होगा तो पदोन्नति अधिकारियों को निरीक्षक के पद पर प्रत्यावर्तित होना पड़ेगा।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	वर्तमान तैनाती	अब तैनाती की गई	अभ्युक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
9.	पमेल्ला भल्ला (कुमारी)	आयकर अधिकारी डि०-3(12)	श्री राजेश्वर स्यागी (स्थानांतरित) के स्थान पर उनकी सेवाएं आयकर आयुक्त (2) को सौंपी गईं।	
10.	डी० आर० जिन्दल	आयकर अधिकारी, डि०-2(2)	कर-वसूली अधिकारी-17	श्री एन० के० मित्तल (स्थानांतरित) के स्थान पर।
11.	चुष्मी लाल	कर-वसूली अधिकारी-9	आयकर अधिकारी, डि०-2(14) व 2(2) एडीशनल चार्ज के रूप में।	श्री ओ० पी० मुखीजा (स्थानांतरित) के स्थान पर।
12.	ओ० पी० मुखीजा	आयकर अधिकारी, डि०-2(14)	कर-वसूली अधिकारी-9	श्री चुष्मीलाल (स्थानांतरित) के स्थान पर।
13.	डी० एस० रस्तोगी	आयकर अधिकारी, तीसरा एडीशनल सेलरी सर्किल।	आयकर अधिकारी, डि०-5(9)	बे० कु० दिबजोत कौर को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे, जो वे कु० सुनीता गंडा की छुट्टी के दौरान संभालें हुए थीं।
14.	नानकी अवतारामनी (कुमारी)	नई पदोन्नति	आयकर अधिकारी, तीसरा एडीशनल सेलरी सर्किल	श्री डी० एस० रस्तोगी (स्थानांतरित) के स्थान पर।
15.	सुनीता गंडा (कुमारी)	आयकर अधिकारी, डि०-5(9) छुट्टी से वापिस आने पर।	आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल-12	श्री एस० एस० मलिक, आयकर अधिकारी, स्पेशल सर्किल 11 को अतिरिक्त कार्यभार से मुक्त करेंगे।
16.	हरि नारायण	छुट्टी से वापिस आने पर	आयकर अधिकारी, (जुडिशियल-2)	श्री एस० पी० जैन के छुट्टी चले जाने पर उनके स्थान पर। अवतार सिंह, आयकर आयुक्त,

आयकर राजपत्रित स्थापना

बम्बई, दिनांक 13 अगस्त 1976

सं० 137—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43वां अधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रदत्त की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं श्री वी० रामास्वामी आयरर, आयकर आयुक्त, बम्बई नगर 1, बम्बई ने निम्नलिखित आयकर निरीक्षकों की आयकर अधिकारी श्रेणी 2 के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से अगले आदेशों तक के लिए नियुक्त किया है।

1. श्री आर० एस० सावंत, निरीक्षक, निरीक्षण उपनिदेशक (खुफिया) कार्यालय, बम्बई—31-5-1976 (पूर्वाह्न)।
2. श्री पी० एस० बालकृष्णन्, निरीक्षक लेखा परीक्षा कार्यालय, बम्बई—31-5-76 (पूर्वाह्न)।
3. श्री जी० एस० पटवर्धन, निरीक्षक सं० शु० कार्यालय, बम्बई—31-5-76 (पूर्वाह्न)।
4. डी० कृष्णास्वामी, निरीक्षक, विशेष मण्डल, बम्बई—14-6-1976 (पूर्वाह्न)।

5. श्री पी० के० नायर, निरीक्षक, डी० 1 वार्ड, बम्बई—1-6-76 (पूर्वाह्न)।

6. श्री एम० पी० चूड्जी, निरीक्षक, जी-वार्ड, बम्बई—1-6-76 (पूर्वाह्न)।

7. श्री एस० आर० दीक्षित, निरीक्षक, एस० बी० 11, बम्बई—1-6-1976 (पूर्वाह्न)।

2. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), नई दिल्ली, के पत्र एफ० नं० 22/3/64-प्रशा० 5 दिनांक 25-4-75 के अनुसार वे दो वर्षों की अवधि के लिए परिवीक्षा के अधीन रहेंगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परिवीक्षा की अवधि ऊपर लिखी अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती है। इस पद पर उनकी पुष्टि और या उन्हें रखा जाना परिवीक्षा की अवधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिलकुल अस्थायी और अनमतिम हैं और बिना सूचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

वी० रामास्वामी आयरर, आयकर आयुक्त
बम्बई

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 11 जून, 1976

निदेश सं० एस०आर०/41/76-77—यतः मुझे, वी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा कोठी नं० 20 और 20ए० है तथा जो अमृतसर छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती हरजीत गुलाटी पत्नी सरदार मान सिंह शरीफपुरा, अमृतसर। (अन्तरक)

2. सं० मोहिन्दर सिंह पुत्र सं० नानक सिंह बाग संडासिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 20 और 20ए० का हिस्सा, अमृतसर छावनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 2703 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 11-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 11 जून, 1976

निदेश सं० ए०एसआर०/42/76-77/—यतः मुझे, वी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा कोठी नं० 20 और 20ए है तथा जो अमृतसर छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ताजिन्दर कौर विधवा श्री सविन्दर सिंह शरीफपुरा, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती सतवंत कौर पत्नी श्री सुरजीत सिंह बाग झंझा सिंह, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर और किरायेदार यदि कोई (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो : (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी का हिस्सा नं० 20 और 20ए अमृतसर छावनी जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2702 जनवरी 1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 11 जून, 1976

निदेश सं० पी०के०टी०/45/76-77—यतः मुझे वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० संपत्ति है जो कालेज, रोड, पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आर० बी० जोधामल कुटियाला एण्ड कं० (प्रा०) लि० पठानकोट द्वारा श्री बालकृष्ण ।

(अन्तरक)

2. श्री सुरिन्दर सिंह सुपुत्र लाभ सिंह सुपुत्र हरी सिंह टिम्बर मर्चेट्स कालेज रोड, पठानकोट (पार्टनर मै० बलदेव सिंह सुरिन्द्र सिंह, टिम्बर मर्चेट्स, ढांगू रोड, पठानकोट) (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2614 मार्च 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पठानकोट में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसरतारीख : 11-6-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 11 जून, 1976

निर्देश सं० एफ० जड० आर०/47/76-77—यतः मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो मलबाल रोड, फिरोजपुर में
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री फकीर चन्द, अमीर चन्द सुपुत्रान श्री लभू
राम सुपुत्र गुमानी मल वासी काशी नगरी, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र, अशोक कुमार सुपुत्र मनोहर लाल
सुपुत्र रामसरन दास जोशी, नरिन्द्र कुमार या नरिन्द्र नाथ
सुपुत्र राम नाथ सुपुत्र मोहन लाल शर्मा वासी मोहल्ला
टाहली, फिरोजपुर शहर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों,
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति
में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4379 मार्च 1976
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 11-6-76
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 11 जून, 1976

निदेश सं० एफ० जेड० आर०/48/76-77—यतः मुझे,
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269ख,
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है जो मलवाल रोड, फिरोजपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फिरोजपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—246GI/76

1. श्री फकीर चन्द, अमीर चन्द सुपुत्रान लभू राम
सुपुत्र गुमानी मल वासी काशी नगरी, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरक)

2. श्री सुभाष चन्द्र, अशोक कुमार सुपुत्रान मनोहर
लाल सुपुत्र रामसरणदास जोशी, नरिन्दर कुमार या नरिन्दर
नाथ सुपुत्र रामनाथ सुपुत्र मोहन लाल शर्मा वासी
मोहल्ला टाहली, फिरोजपुर शहर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4329 मार्च,
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एफ० जेड० आर०/49/76-77/—यतः मुझे
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग सम्पत्ति है तथा जो (मखू) गांव बुलोक
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुशील कुमार सुपुत्र श्री अमृत लाल सुपुत्र श्री
रामनाथ वासी मखू तहसील जीरा। (अन्तरक)

2. श्री सतपाल सुपुत्र श्री बिहारी लाल सुपुत्र बहादर
मल वासी मखू तहसील जीरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों को, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 भाग सम्पत्ति अमृतसर जीरा रोड, व जालन्धर
रोड, मखू, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4944 मार्च
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० एफ० जेड० आर०/50/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/8 भाग सम्पत्ति है तथा जो (मखू) गांव बुलुके में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जीरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुशील कुमार सुपुत्र श्री अमृत लाल सुपुत्र श्री राम नाथ वासी मखू तहसील जीरा। (अन्तरक)

2. श्री कुलदीप राय सुपुत्र हंसराज सुपुत्र मथरा दास, सुरिन्दर पाल सुपुत्र बाबू राम सुपुत्र मथरा दास वासी मखू तहसील जीरा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/8 भाग सम्पत्ति अमृतसर जीरा रोड व जालन्धर रोड, मखू, जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4945 मार्च, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जीरा में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/51/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रैय्या में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबा बकाला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मार्च 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बकशीश सिंह सुपुत्र उधम सिंह जाट बासी गांव
भूला नंगल तहसील बाबा बकाला जिला अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी महिन्द्र सिंह सुपुत्र
महंगा सिंह बासी झलोवाल अब बासी रैय्या कला। जसपाल
सिंह सुपुत्र सन्तोष सिंह सुपुत्र महिन्द्र सिंह, श्रीमती परमजीत
कौर सुपुत्री नरंजन सिंह पत्नी सुजा सिंह सुपुत्र महिन्द्र
सिंह बासी झलोवाल अब बासी रैय्या कला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार, यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1998
मार्च 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाबा बकाला में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-6-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 जून, 1976

निदेश सं० ए० एस० आर०/52/76-77—यतः मुझे,
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रैय्या में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है);
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाबा बकाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मार्च, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बकशीश सिंह सुपुत्र उधम सिंह जाट वासी गांव भूला
नंगल तहसील बाबा बकाला (अन्तरक)

2. श्रीमती त्रिलोक सिंह सुपुत्र महिन्द्र सिंह सुपुत्र महंगा
सिंह वासी गांव झलोवाल अब वासी रैय्या कलां तहसील,
अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० में है तथा किराएदार, यदि हों। (1) डा०
विजय प्रताप तथा (2) राम लुभाया। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में संपत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1969 मार्च,
1976 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाबा बकाला में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 11-6-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 28 अगस्त, 1976

निदेश सं० ए०एस० आर०/66/76-77—यतः मुझे,
बी० आर० सगर
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो इस्लामाबाद, अमृत-
सर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धर्म पाल सुपुत्र श्री रतन चन्द 50 लारेंस रोड,
अमृतसर (अन्तरक)

2. मैसर्स आर० बी० टैक्सटाइल्स इस्लामाबाद अमृत-
सर द्वारा श्री राजकुमार सुपुत्र श्री जगन नाथ सेठ वासी
कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराए दार यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2726 जनवरी,
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख : 28-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

दिनांक 28 अगस्त, 1976

निर्देश सं० ए०एस०आर०/67/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो इस्लामाबाद, अमृतसर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख जनवरी, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्म पाल सुपुत्र श्री रत्न चन्द 50 लारेंस रोड,
अमृतसर। (अन्तरक)

2. मैसर्स गोपाल कृष्ण वूलन मिल्स, इस्लामाबाद अमृत-
सर द्वारा श्री गोपाल कृष्ण, पार्टनर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2727 जनवरी
1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर।

तारीख: 28 अगस्त, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 28 अगस्त, 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/68/76-77—यतः मुझे, वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो इस्लामाबाद, अमृतसर में स्थित है और इससे संबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्म पाल सुपुत्र श्री रत्न चन्द 50 लारेंस रोड, अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री राधा रंमण तथा गोपाल कृष्ण सुपुत्रान श्री जगन नाथ, कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर ।

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2725 जनवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

दिनांक 28 अगस्त, 1976

निदेश सं० ए० एस० आर०/69/76-77—यत मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो इस्लामाबाद, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-246 GI/76

1. धर्म पाल सुपुत्र श्री रत्न चन्द 50 लारेंस रोड
अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री राजेन्द्र सेठ सुपुत्र श्री जगन नाथ सेठ वासी
कटड़ा शेर सिंह, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य शक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2724 जनवरी, 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर कार्यालय

दिनांक 28 अगस्त 1976

निदेश सं० ए०एस०आर०/70/76-77—यतः मुझे वी०

आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 365/1-4 एमसी०ए है तथा जो कटड़ा जैमल सिंह, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती डौली सिंह पत्नी श्री हरबन्स सिंह 12-ए० साउथर्न एवेन्यू, कलकत्ता द्वारा श्री राजिन्दर सिंह सुपुत्र श्री गुरचरण सिंह जी०ए०। (अन्तरक)

2. श्री तेजपाल सिंह सुपुत्र श्री सुन्दर सिंह चावला वासी कटड़ा गरबा सिंह, देवी वाली गली, कूषा गुजरा, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। तथा किरायेदार, यदि हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूसरी फ्लोर सम्पत्ति नं० 365/1-4 एम०सी०ए० प्लॉट नं० 86 पर कटड़ा जैमल सिंह अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2654 जनवरी 1976 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 28-8-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

दिनांक 28 अगस्त, 1976

निदेश सं० के०पी०आर०/71/76-77—यतः मुझे वी०
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो गाँव बेहबल बहादुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुलतान-
पुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख जनवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मकबन सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह वासी सुलतानपुर
लोधी। (अन्तरक)

2. मैसर्स शाम राइस, मिलज बासी सुलतानपुर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति गाँव बेहबल बहादुर, सुलतानपुर जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1629 जनवरी, 1976 को रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी सुलतानपुर में है।

वी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 28-8-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 अगस्त, 1976

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/1203/76-77—अतः
मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० 11/1669 है तथा जो कूचा उदखानी,
राय, दरिया गंज, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी,
1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भाई लाल भाई पटेल, सुपुत्र श्री मगन भाई
पटेल, निवासी यामा बिल्डिंग, सरदार बल्लभभाई पटेल
के ब्रुत के पास, बल्लभ विद्यानगर, गुजरात।

2. संजीव बी० शैटी, सुपुत्र श्री बी० एस० शैटी,
निवासी 1669, कूचा दखानी राय, दरिया गंज, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि 129 वर्ग गज क्षेत्रफल के
प्लॉट पर बना हुआ है, जिसका नं० 11/1669 है, कूचा
दखानी राय, दरिया गंज, दिल्ली में है। यह मकान निम्न
प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य जायदाद

पश्चिम : कूचा दखानी राय, दरिया गंज, दिल्ली

उत्तर : अन्य की जायदाद

दक्षिण : अन्य की जायदाद

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 जुलाई, 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II दिल्ली-1

तारीख 24 जुलाई, 1976

निर्देश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/11/1204/76-77—अतः

मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-50 है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुरिन्दर कौर, पत्नी एस० आत्मा सिंह, निवासी ए-50, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली इनके जनरल अटारनी श्री जगन्नाथ के द्वारा, सुपुत्र श्री मलिक सिंह, निवासी एम-60, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री केवल सेन, सुपुत्र श्री मलिक सिंह, निवासी 10606, झण्डेवाला रोड, मोतिया खान, नई दिल्ली। लेकिन अब ए०-50, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि 353 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, दो तरफ से खुला है, और नं० ए०-50 है, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: मकान नं० नं० ए-49

पश्चिम: मकान नं० ए०-51

उत्तर: लान

दक्षिण: 30 फुट सड़क

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 24 जुलाई, 1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 23 जून 1976

निदेश सं० 26/76-77/आई०ए०सी० (ए०/आर०)/भुवनेश्वर

—यतः मुझे, ए० एन० मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० थाना नं०-III है, जो रूप्सा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ आसुरेंस कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जय किसान दास मल 216, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री जय किसान दास मल जूट प्राइवेट, प्राइवेट लिमिटेड, 216, महात्मा गान्धी रोड, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान उड़ीसा राज्य का बालेश्वर जिला, रूप्सा में स्थित है। थाना नं०-III है। उपरोक्त सम्पत्ति कलकत्ता का रजिस्ट्रार आफ आसुरेंस आफिस में 12-2-76 टारिस में रजिस्ट्रार हुआ। जिसकी डाक्यूमेंट नं० I-850 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, भुवनेश्वर

तारीख : 23-6-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-993 (471)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० सर्वे नं० 1, फायनल प्लॉट नं० 78/बी० है, जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-2-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्रीमती कंकूबेन विधवा श्री मोती लाल मूलजी
(2) श्री चन्दू लाल मोतीलाल, (3) डाह्या भाई मोतीलाल,
(4) रतीलाल मोतीलाल, (5) इन्दु प्रसाद शिवशंकर, (6)
महालक्ष्मी शिवशंकर, नरोडा, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. तुलसी वन को० ओप० हाऊसिंग सोसायटी लि०
की ओर से :—

प्रमुख—श्री डाह्याभाई जयशंकर,

सक्रेटरी—प्रवीणा कुमार करसनलाल, मेम्बर—श्री पोपटलाल
नगीन दास नरोडा, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 5000 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० I, फायनल प्लॉट नं० 78/बी०, है तथा जो नरोडा, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

दिनांक : 31-7-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 31 जुलाई 1976

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-I-1002 (472)/1-1/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 103/ए०-2, फायनल प्लॉट नं० 703, 704, सब प्लॉट-सी०, टी०पी०एस०-3, है, जो मादलपुर, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 4-2 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मद्भाई चुनी लाल पटेल, मटूनिवास, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरोजबेन मुकुंदभाई शाह, 5-खडयाता कालोनी एलिस ब्रिज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जो 905 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका सर्वे सं० 103/ए०-2, फायनल प्लॉट नं० 703, 704, सब-प्लॉट नं०-सी०, टी०पी०सी०एस०-3, है, तथा जो मादलपुर, एलिस ब्रिज, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 31-7-1976

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त, 1976

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-1-997(487)/1-1/75-76

—यतः मुझे, जे० कथूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फायनल प्लॉट नं० 241, एस० पी० नं० 3, टी० पी० एस० नं० 6, है, जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-246 GI/76

1. श्रीमती मनोरमा बेन धर्मपत्नी श्री हर्षदभाई चमनलाल बारभईया, (2) श्री रजनीकान्त हर्षदभाई बारभईया, प्रताप गंज, बडौदा। (अन्तरक)

2. श्री रजनीकान्त रमणलाल परीख, धर्मन रजनीकान्त परीख (अवयस्क) महालक्ष्मी सोसायटी के पास, पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो 8 700 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका फायनल प्लॉट नं० 241, सब प्लॉट नं० 3, टी०पी०एस० नं० 6 है तथा जो महालक्ष्मी सोसायटी, पालडी, अहमदाबाद में स्थित उहै।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1976

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-1057(498)/16-6/75-76—यतः मुझे, जे० कथूरिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० — है, जो शेरी नं० 5, पंचनाथ प्लाट राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती नलिनी नगीनदास बीराणी, (2) श्री बीरेन्द्र नगीनदास बीराणी, (3) मीना नगीनदास बीराणी, (4) परेश नगीन दास बीराणी, की ओर से पावर, आफ अटारनी होल्डर :

श्री भूपत लाल ब्रज लाल शाह, दीवान परा रोड राजकोट । (अन्तरक)

2. श्री काहन नगर को० आप० हाइड्रसिंग सोसायटी लि० राजकोट । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 1624.7 वर्ग गज है तथा जो शेरी नं० 5, पंचनाथ, राजकोट में स्थित है ।

जे० कथूरिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1976
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1976

निदेश सं० ए०सी०क्यू०-23-I-1044(499)/16-6/75-76—यसः मुझे, जे० कथूरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 401/4, प्लॉट नं० 40 है, जो मावडी प्लॉट, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1976 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बंथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) रमणीक लाल पोपटलाल कच्चा मेडूल नगर, राजकोट
(2) शान्ता बेहन नानूभाई, 6, लक्ष्मी बाड़ी, राजकोट।
(अन्तरक)

2. मानव सेवा ट्रस्ट, की ओर से:— मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कान्ती लाल मांजीभाई, आनंदकर धरमेन्द्र रोड, राजकोट।
(अन्तरिती)

3 (i) जय जलाराम इण्डस्ट्रीज (ii) हानेस्ट मैन्यूफैक्चरर्स, (iii) हरीश मैन्यूफैक्चरर्स, (iv) वका वेल मशीन टूल्स, (v) भवानी इण्डस्ट्रीज, (vi) एल्वीन इण्डस्ट्रीज (vii) विमल आइरन वर्क्स, (viii) लीमाबाद पैकिंग सर्विस, (ix) श्री राम इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 496.6 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 40, सर्वे नं० 401/4 है तथा जो रेडिया आइल मिल के उत्तर में, मावडी प्लॉट राजकोट में स्थित है।

जे० कथूरिया
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 6-8-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 26 अगस्त 1976

निदेश सं० ए०सी०ए०-23-I-953(510)/1-1/75-76---

यतः मुझे, जे० कपूरिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 237 है जो बेजलपुर तालुका दस्क्रोई, डिस्ट्रिक्ट अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नटवर लाल पूजाभाई पटेल, अन्तरवाला बंगला, अंकुर सोसायटी के पास घाटलोडया रोड, नारायणपुर, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) जयमा को० आप० हाउसिंग सोसायटी लि० की ओर से :—

प्रमुख: श्री गोविन्द लाल माणिकलाल,

संकेतरी: श्री अमृतलाल मगनलाल मोघ,

सैम्बर: श्री दिनेश कुमार मधुसूदन, बेजलपुर, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 8107 गज है तथा जिसका सर्वे नं० 237 है तथा जो बेजलपुर, तालुका दस्क्रोई, डिस्ट्रिक्ट, अहमदाबाद में स्थित है।

जे० कपूरिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 26-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. प्रिंसीपाल आफिसर, दी अतुल प्रोडक्ट्स लिमिटेड
पोस्ट अतुल, 396020, जिला : बलसार (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) दी प्रिंसीपाल आफिसर, एरिक इण्डस्ट्रीज लिमिटेड
पोस्ट अतुल-396020, जिला : बलसार। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य
बाहियां करता हूं।

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

निदेश 449/ए०सी०-क्यू०-23-686/7-1/75-76--यतः
मुझे, पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये
से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० सर्वे नं० 24 से 31(पी०) 32, 33,
41, 42, 43, (पी०), 61, 62 (पी०), 74 और 75 (पी०)
है, जो गांव परगना, अतुल इण्डस्ट्रीज के पास जिला बलसार
में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
21-1-1976

(ख) इस सूचना के राज पत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है--

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लीज होल्ड हकों सहित जमीन व बांधकाम जिसका सर्वे
नं० 28 से 31(पी०), 32, 33, 41, 42, 43, (पी०), 61,
62(पी०), 74 और 75(पी०) है तथा जो गांव परगना
अतुल इण्डस्ट्रीज के पास, जिला बलसार में स्थित है।
जमीन का कुल माप 4एकर 26 गुंथा तथा बांध काम का
माप 2406 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बम्बई के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6601 में
प्रदर्शित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 23-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश सं० 450/ए०सी०क्यू०-23-756/7-4/75-76—

अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 150, 151, /1, 151/2, 152/2,
153/2, 155/1 से 155/3, 156 और 161 पैकी है तथा जो
कबीरपुर, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी का कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-1-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पराग भाई मोरारजी अहीर, निघारा, ता०
नवसारी, (2) हरीभाई कालीदास पटेल, कुल मुख्तार :
मोहनभाई हरीभाई पटेल, टागोर नगर, ता० नवसारी,
(3) बल्लभभाई नारणभाई अहीर, पैरा, ता० नवसारी,
(4) सोमाभाई वासनजी अहीर, कुल मुख्तार : धुलाभाई,
एस० अहीर, बोनी, ता० महुवा, (5) सोमाभाई कालीदास
अहीर, अनोदपुर, ता० नवसारी, (6) छगनलाल कुंवरजी
अहीर, काछियावाड़ी, ता० नवसारी। (अन्तरक)

(2) श्री वृन्दावन को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमि-
टेड की ओर से :—

प्रेसिडेंट : अम्बुभाई डायह्याभाई गज्जर, सिविल हास्पिटल
नवसारी। सैक्रेटरी : ठाकोरभाई रतनजी मैसूरिया, पार, ता०
नवसारी। मै० कमीटी मेंबर : अमृतलाल जी भगवानजी
नायक स्टेशन रोड, नवसारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 150, 150/1, 151/2,
152/1, 152/2, 153/2, 155/1, 155/2, 155/3, 156 और
161 पैकी कुल माप 2 एकड़ 20 गुंका है तथा जो कबीर
पुर, ता० नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी नवसारी के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
172 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश सं० 451/ए०सी०क्यू० 23-760/19-8/75-76--

अतः मुझे पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० नोंध नं० 1932, वार्ड नं० 2 पैकी है, तथा जो मजूरा गेट, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) विश्वकर्मा लेन्ड कारपोरेशन की ओर से उसके सहिबारी :—

- (1) नानुभाई खंडुभाई देसाई, दिवालीबाग, अठवा, सूरत ।
- (2) बेरा बेन स्तीलाल, आरा स्ट्रीट, गोपीपुरा, सूरत ।

- (3) चंपक लाल चुनी लाल जीन वाला, नानपुरा, सूरत ।
- (4) यशवंत चिभन लाल शाह, मोरसेरली पोल, गोपीपुरा, सूरत ।
- (5) मुकुल नानुभाव देसाई, दीवालीबाग, अठवा, सूरत ।
- (6) तुलसीदास ठाकोर दास मानवा वाला, भंडेरीवाड, नानपुरा, सूरत ।
- (7) श्रमूत लाल टी० मानवावाला भंडेरी वाड, नानपुरा, सूरत ।
- (8) चंपक लाल टी० मानवा वाला, भंडेरी वाड, नानपुरा, सूरत । (अन्तरक)

2. श्री जी कारपोरेशन की ओर से उसके भागीदार :

- (1) देवजी भाई माधवजी भाई, धोबी शेरी, नानपुरा, सूरत ।
- (2) तुलसी भाई माधवजी भाई, भाया मोहली, नानपुरा, सूरत ।
- (3) नानजी भाई माधवजी भाई, भाया मोहली, नानपुरा, सूरत ।
- (4) भगवानजी माधवजी भाई, भाया मोहली, नानपुरा, सूरत । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुसी जमीन जिसका नोंछ नं० 1932-पेकी वार्ड नं० 2 कुल माप 500 वर्ग गज (160+170+170) वर्ग गज है तथा जो मजूरा गेट, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 931, 932 और 933 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश नं० 452/ए०सी०क्यू० 23-762/19-7/75-76—

यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोंध नं० 1934-8/1 वार्ड नं० 2 पैकी है, तथा जो मजूरा गेट के सामने, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरि (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरि द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मोना एन्टरप्राइज अपने भागीदारों द्वारा :

1. जयन्तीलाल मगनलाल देसाई, हाथोगर मोहला, नानपुरा, सूरत।

2. इन्दुबेन शरद चन्द्र देसाई, हाथोगर मोहला, नानपुरा, सूरत।

3. कमुबेन इन्द्रबदन देसाई, लक्ष्मीनारायण स्ट्रीट, वलसाड।

4. मालनी नीननकान्त देसाई, चिखली, ता० चिखली।

(अन्तरक)

(2) कावम्बरी एपार्टमेंट आनर्स एसोसियेशन की ओर से :
(अन्तरिती)

1. जयन्तीलाल मजीलाल अमीन, कादमपाली को० आ० हाउसिंग सो०, नानपुरा, सूरत।

2. धीरेन ठाकोरी भाई पटेल, अमरपाली, को० आ० हाउसिंग सोसाइटी, मजूरा गेट, सूरत।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका नोंध नं० 1934-बी-1 पैकी कुल माप 355.54 वर्ग गज (177.77+177.77 वर्ग गज) है तथा जो मजूरा गेट के पास, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के जनवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 352 और 353 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1976

मोहूर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश नं० 453/ए०सी०क्यू० 23-697/7-1/75-76—

अतः, मुझे, पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 सर्वे नं० 45 है, जो जतलपुर गांव,
बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-2-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

7-246QI/76

(1) रसिक लाल डाह्याभाई अमीन तथा अन्य मिलन सोसा-
यटी के पास, रेस कोर्स रोड, बड़ौदा। (अन्तरक)

(2) श्री चन्चलबेन खुशालभाई पटेल भियामी बिल्डिंग,
8वां माणा, भूलाभाई देसाई रोड, बम्बई-26। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका सर्वे नं० 45 प्लॉट नं० 1 कुल माप 10419
वर्ग फुट है तथा जो जतलपुर, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी बड़ौदा के फरवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं०
1133 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, II अहमदाबाद

तारीख 23-8-1976

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेशनं० 454/ए०सी०क्यू० 23-705/7-4/75-76—

अतः मुझे पी० एन० मित्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 156 और 161 पैकी है, तथा जो काबिलपोर, ता० नवसारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-2-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में, कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) श्री पराग भाई मोरारजी अहीर, निगारे ता० नवसारी (अन्तरक)

(2) हरी भाई कालीदास पटेल, कुल मुखतार, मोहन भाई हरी भाई पटेल, टागोर नगर, नवसारी।

(3) वल्लभ भाई नारनभाई पटेल, पेरा ता० नवसारी

(4) सोमाभाई वासनजी अहीर, कुल मुखतार, धुलीभाई एस० अहीर, बगनी ता० नवसारी।

(5) सोमा भाई कालीदास अहीर, अनोदपुर, ता० नवसारी

(6) छगनलाल कुवरजी अहीर, काछियावाडी, ता० नवसारी

(2) गुजरात विद्युत बोर्ड एम्पलाईज का० आ० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, द्वारा :

प्रेसीडेंट : गोविंद भाई नारनजी पटेल,

सेक्रेटरी : नरेन्द्र छगनलाल देसाई भाई, मार्फत : विद्युत बोर्ड काबिलपोर, नवसारी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 156 और 161 पैकी कुल माप 11388 वर्ग मीटर है तथा जो काबिलपोर, ता० नवसारी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के फरवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 242 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश नं० 455/ए०सी०क्यू० 23/805/19-8/75-76—

अतः मुझे, पी० एन० मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० रे०स० नं० 24 पैकी सब० प्लॉट नं० 2 है, तथा जो उमरवाड़ा, ता० चौरासी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-2-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मूल चन्द दास नारनदास माली, चौक बाजार, सोपारी गली, सूरत । (अन्तरक)

(2) (1) अंबाबेन शांतिलाल
(2) पदमाबेन मोहनलाल
(3) पदमा बेन मनसुखलाल
(4) मनसुखलाल शांतिलाल
(5) मोहनलाल शांतिलाल

करवा रोड, नवापुरा, सूरत । (अन्तरिती)

4. (1) ताराबेन रतीलाल, गोपीपुरा, आरा स्ट्रीट, सूरत

(2) चिमनलाल सुजानमल, गोपीपुरा भारशेली पोर, सूरत ।

(3) चंपकलाल चुनीलाल जीनवाला, नानपुरा, सूरत ।

(4) विमलाबेन नानुभाई देसाई, दोवाली बाग, अठवा, सूरत । (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी में जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया था ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 24 पैकी प्लॉट नं० 139 सब० प्लॉट नं० 2 कुल माप 935 वर्ग गज है तथा जो उमरवाड़ा, ता० चौरास में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के फरवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 646 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 23 अगस्त 1976

निदेश नं० 456/ए०सी०क्यू० 23-806/19-8/75-76-
अतः मुझे पी० एन० मित्तल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 24 पैकी सब प्लॉट नं० 1 है, तथा जो
उमरवाड़ा, ता० चोरासी में स्थित है और इससे उपरोक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 16-2-1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट :—

- (1) श्री मूल चन्द नारनदास माली
और बाजार, सोपारी गली, सूरत । (अन्तरक)
- (2) (1) श्री गंगाबेन चन्दलाल
(2) मंगलाबेन गिरधरलाल
(3) मंजुला बेन धनसुखलाल
(4) पुष्पा बेन हीरालाल
(5) धनगौरी सीमा भाई
चकावाली शेरी, बाड़ी फालिया, सूरत । (अन्तरिती)
- (4) (1) ताराबेन रीतलाल, गोपीपुरा और स्ट्रीट, सूरत ।
(2) चिम्नलाल सुजान मल, गोपीपुरा, भारसारी पोल
सूरत ।
(3) चंपकलाल चुनी लाल जीनवाला, नानपुरा, सूरत ।
(4) ब्रिमलाबेन नारनभाई देसाई,
दीवाली बाग, अठवा, सूरत ।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 24 पैकी प्लॉट नं० 139
सब प्लॉट नं० 1 कुल माप 934 है, तथा जो उमरवाड़ा ता०
चोरासी में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत में
फरवरी 1976 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 645 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 23 अगस्त 1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

आयुर्वेद हास्पिटल बिबिडग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002।

बम्बई, दिनांक 30-8-76

निर्देश सं० अ०६० 1/1602-7/अप्रैल-76—अतः मुझे
बी० आर० अमीन सहायक

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 91 का फोर्ट डिवीजन है, जो
नगीनदास मास्टर रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 6-4-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व,
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) कुमारी फिजा इब्राहिम सकड़ावाला और
- (2) श्रीमती नलीनी तुलसीदास बोरा (अन्तरक)
- (2) पारिख बोरा चैम्बर्स प्रीमिसेस को० आप० सो० लि०
(अन्तरिती)

(3) टी० डी० बवेरा हि० अ० प० के कर्ता टी० डी० बोरा।

2. सरदार जगजीत सिंह चावला।
3. श्री तुलसीदास धारशीभाई बोरा।
4. श्री मेहता मधुकर चिमनलाल और श्रीमती मेहता सुधा
मधुकर।
5. श्री श्रीनिवास सामसुन्दर अय्यर (प्रोप०—अय्यर एंड कं०)।
6. मेघजी खीमजी पटेल एंड कं० प्रा० लि०।
7. मे० पटेल कन्स्ट्रक्शन कं०।
8. मै० मशीन टूल्स सेल्स कारपोरेशन।
9. मै० परेश तुलसीदास बोरा।
10. श्री राबर्ट डिसा (प्रा० रीगल पब्लिसिटी)।
11. मै० संधवी एंड पटेल बिल्डर्स प्रा० लि०।
12. श्रीमती किरण पी० शेट व श्री प्रवीण बी० शेट।
13. श्री फिदा हुसेन बेरार बाला व श्रीमती परीन फिदा हुसेन
बेरार बाला।
14. श्री जाल बलानजी पारडीवाला।
15. श्रीमती जिवकीरबेन भारशीभाई।
16. श्री परेश तुरसीदास बोरा।
17. सरदार जोशासिंह।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

बाकी और लगान पट्टे की जमीन या मैदान का वह तमाम
टुकड़ा या भाग उस पर खड़ी बाड़ियों सहित, जो मीडोज स्ट्रीट (अन
नगीनदास मास्टर रोड) पर बम्बई फोर्ट और बम्बई रजिस्ट्री
उप-जिले में स्थित है, माप से 472 वर्गगज यानी 394.65
वर्गमीटर के लगभग या थोड़ा बहुत कम या ज्यादा है और इस प्रकार
घिरा हुआ है कि उत्तर की ओर उसे जायदाद से जो पहले अमेरिकन
शेपल की थी और बम्बई नगर निगम की खुली जमीन है, दक्षिण की

और कुछ भाग हाजी अली मुहम्मद इस्माइल की जायदाद से और कुछ मिर्जा मुहम्मद शिराज की जायदाद से, पूर्व की ओर मीरजो स्ट्रीट से (जो अब नगीनदास मास्टर रोड है) और पश्चिम की ओर मिर्जा मुहम्मद शिराज की जायदाद से, और यह कथित जगह भू-राजस्व कलेक्टर के रिकार्डों में पुराने नं० 68 और नये नं० 89, नं० एन/4927, पुराना सर्वे नं० 1454, 1455, 1456, 1457 और 1678 तथा एन० एस० 3/9462 व केडेस्ट्रल सर्वे नं० 91, फोटो डिवीजन एवं म्युनिसिपल करों व दरों के अस्सेसर व कलेक्टर द्वारा बार्ड नं० ए-1134 व स्ट्रीट नं० 66, नगीनदास मास्टर रोड, के अधीन निर्धारित है।

बी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ
(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5,

आयुर्वेदिक हास्पिटल बिल्डिंग नेता जी सुभाषरोड,

बम्बई-400002

बम्बई-400003, दिनांक 30 अगस्त, 1976

निर्देश सं० ए०-5/538-2/75-76—अतः मुझे बी० आर०

अमीन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17 और शिपिंग प्लॉट नं० बी/4 है, जो गांव पवई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-75 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामनिकलाल लच्छूभाई धारिया

अन्नपूर्णा फार्मस, बम्बई, पवई-400008। (अन्तरक)

2. श्रीमती रशमी मनीश लक्ष्मीदास की पत्नी श्रीकांत 4/बी सुधा-कैलाश, जमनादास मेहता रोड, बम्बई-400006।

क्रासरोड रोबर्टसनपेट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो, गांव-पवई, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा व बम्बई उपनगर जिले में स्थित, मौजूद पड़ा है तथा माप में 2196.97 वर्गमीटर है और सर्वेक्षण सं० 17 वाली भूमि का भाग है, तथा बृहत् बम्बई महानगर निगम के पत्र (सं० सी०ई०/35/बी०एस-1/एल० ओ०/एन० आफ 14-4-1970 ता० (1 जून, 1970) द्वारा संस्वीकृत उप-विभाजन के अनुसार मिलकर बना खण्ड नं० बी/4 है तथा इस प्रकार से घिरा है अर्थात् उत्तर में या उत्तर की ओर एक प्रस्तावित सड़क है पूर्व में या पूर्व की ओर उक्त बंटवारे में अंकित भूखण्ड नं० बी० 3 है तथा जो सर्वेक्षण सं० 17 का भाग है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर उक्त सर्वेक्षण सं० 17 वाली भूमि के टुकड़े हैं जो उक्त संस्वीकृत उप-विभाजन में बगीचे के लिए आरक्षित हैं तथा जो आर० 1 अंकित करके रखा गया है और पश्चिम में या पश्चिम की ओर इसी विजेता की भूमि है जिसका सर्वे सं० 17 है।

बी० आर० अमीन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 30-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5,

प्रायव्हेट हास्पिटल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002।

बम्बई-400002, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए-5/537/1/75-76—अतः मुझे वी० आर०

अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट सं० ए-1 सर्वे नं० 9 का बम्बई गांव है जो पवई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में दारुदृष्टि रूप से वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कीर्तन मौजीलाल धारिया (अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्रकुमार जीवनलाल शाह

(2) अंजना विरेन्द्रकुमार शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की या भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जो, गांव-बम्बई, पवई, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा व बम्बई उपनगर जिले में स्थित, मौजूद पड़ा है, माप से 2616 वर्ग मीटर है और उस भूमि का भाग है जिसका सर्वे सं० 9 है और जो वृहत् बम्बई महानगर निगम के प्लॉट सं० सी० ई०/35/बी० एस० 1/एल० ओ०/एन० आफ० 14-4-1970 दि० 11 जून, 1970 द्वारा संस्वीकृत उप-विभाजन के अनुसार मिलाकर बना प्लॉट नं० ए-1 है और इस प्रकार धारा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अंशतः उक्त संस्वीकृत उप-विभाजन में बना भूखण्ड सं० ए-2 और अंशतः उक्त बगीचे के लिए आरक्षित है और जो जी-2 से अंकित है। दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर अंशतः माप विकास या पहुँच रास्ता है और अंशतः उक्त उप-विभाजन में अंकित सं० ए० 8 वाली जमीन का प्लॉट है, ये सभी उक्त सर्वे सं० 9 के हिस्से हैं पूर्व में या पूर्व की ओर आम निकास या पहुँच रास्ता जिस पर उक्त संस्वीकृत उप विभाजन में आर-1 अंकित है और यह भी सर्वे नं० 9 का ही हिस्सा है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर जमीन है जिसका सर्वेक्षण सं० है तथा जो मुकुंद आयरन एण्ड स्टील वर्क्स लि० की है।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

तारीख 30-8-76

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5,

आयुर्वेदिक हास्पिटल बिल्डिंग, नेता जी सुभाष रोड़,

बम्बई-400002

बम्बई-400002 दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० अ०६० 5/541-5/75-76—अतः मुझे बी०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 9 प्लॉट नं० 5 ए है, जो बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-12-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कीर्तन मौजीराम धारिया

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमीता विरेन्द्रकुमार शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश्व किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन या भूमि का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जोकि गांव-पर्वई, रजिस्ट्री उप-जिला बान्द्रा, व बम्बई उपनगर जिले में स्थित मौजूब या पड़ा है, जो माप में 902.89 वर्ग मीटर है और सर्वे सं० 9 वाली जमीन का एक हिस्सा है और बृहत् बम्बई महानगर निगम के पत्र सं० सी०ई०/35/बी०एस०/1/एल०ओ०/एन० ऑफ 14-4-1970 दि० 11 जून, 1970 के अनुसार संस्वीकृत उप-विभाजन में मिलकर बना प्लॉट नं० बी०5 ए है और इस प्रकार धिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर उपरोक्त उप-विभाजन में जमीन के ए-4 अंकित प्लॉट है जो सर्वे नं० 9 का हिस्सा है, दक्षिण में या दक्षिण की ओर इसी विक्तेता की एस० सं० 9 वाली जमीन है, पूर्व की ओर भी इस विक्तेता की एस० सं० 9 वाली जमीन है और पश्चिम की ओर अंशतः उक्त संस्वीकृत उप-विभाजन में आर०-I अंकित आम निकास या पहुंच रास्ता है और वह भी उक्त सर्वे सं० 9 का हिस्सा है तथा अंशतः उपरोक्त उप विभाजन में ए-6 अंकित भूखंड है जोकि सर्वे सं० 9 का ही हिस्सा है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, बम्बई

दिनांक : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5,

आयुर्वेदिक हास्पिटल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए०-5/542-6/75-76--अतः मुझे, बी०
आर० अमीन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 17 प्लॉट बी-7 गांव पवई है, जो पवई
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बांद्रा में
रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-12-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामनिकलाल लल्लुभाई धारिया (अन्तरक)
2. श्रीमती सरला, पारसराम खी की पत्नी (अन्तरिती)

8-246GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की जमीन या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि
गांव-पवई, रजिस्ट्री उप जिला बांद्रा व बम्बई उप नगर जिले में स्थित
मोजूद पड़ा है, जो माप में 886.16 वर्ग मीटर है और सर्वे नं०
17 वाली जमीन का हिस्सा है और बृहत् बम्बई महानगर निगम के
प्लॉट सं० सी० ई०/35/बी० एस० 1/एल० ओ०/एन० आफ
14-4-1970 दिनांक 11 जून, 1970 के अनुसार संस्वीकृत उप-
विभाजन में मिलकर बना प्लॉट नं० बी 7 है तथा इस प्रकार चिरा
हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर जमीन का वह भाग है
जिसका सर्वेक्षण संख्या 17 है और जो उक्त संस्वीकृत उप विभाजन
के अधीन गार्डन के लिए आरक्षित की गई है और जिस पर जी-1
अंकित है। दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उस जमीन का शेष भाग
है जिसका सर्वेक्षण संख्या 17 है तथा जो मुकुंद आयरन एन्ड स्टील
वर्क्स लिमिटेड से संबंधित है। पूर्व से अथवा पूर्व की ओर अंशतः
उक्त संस्वीकृत उप-विभाजन में आर-1 अंकित ग्राम निकास या
पटुंच रास्ता है और अंशतः उक्त संस्वीकृत उप विभाजन में बी-6
अंकित जमीन का प्लॉट है ये दोनों प्लॉट सर्वेक्षण सं० 17 के ही भाग
है और पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर विज्ञेता की उस जमीन
का शेष भाग है जिसका सर्वेक्षण सं० 17 है।

बी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5, आयुर्वेदिक बिल्डिंग 5वीं मंजिल,
नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400001, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० अ० ६०-5/543/7/76-77—अतः मुझे वी०

आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 17 और बियिंग प्लॉट नं० बी-3 है, जो
गांव पवई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन 4-12-1975

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यात्मक प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यात्मक प्रतिफल से, ऐसे दृश्यात्मक प्रतिफल के पन्ना प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रामनिकलाल लच्छूभाई धारिया और कीर्तन मौजी लाल
धारिया, अन्नपूर्णा फार्मस्, पवई, बम्बई-400078।

(अन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र जीवनलाल शाह मेहर अपार्टमेंट ऑफ अल्टामाउंट
रोड, बम्बई-400006।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि
गांव-पवई, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा बंबई उपनगर जिले में स्थित,
मौजूब पड़ा है, जो माप में 1322.40 वर्ग मीटर है और सर्वे नं०
17 वाली जमीन का हिस्सा है तथा बृहत् बम्बई महानगर निगम
कं० पत्र सं० सी०ई०/35/बी०एस०-1/एल० ओ०/एन० आफ
14-4-1970 ता० 11 जून 1970 द्वारा मंजूर उप-विभाजन के
अनुसार मिलकर बना प्लॉट सं० बी-3 है तथा इस प्रकार घिरा हुआ
है कि उत्तर में या उत्तर की ओर एक प्रस्तावित सड़क है,
पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर उक्त उप-विभाजन में बने
जमीन के प्लॉट सं० बी 4 है जो उक्त सर्वे सं० 17 हिस्सा है,
दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर जमीन का वह भाग है जिसका सर्वे-
क्षण सं० 17 है और जो उक्त मंजूर उप-विभाजन के अधीन गार्डन
के लिए आरक्षित की गई है और जिस पर जी-1 अंकित है। पूर्व में
अथवा पूर्व की ओर ग्राम निकास या पट्टा रास्ता है जो कि उपरोक्त
मंजूर उप-विभाजन के अधीन आर-2 अंकित किया गया है तथा
यह भी उक्त सर्वेक्षण सं० 17 का ही एक भाग है।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, आयुर्वेद बिल्डिंग, नेताजी

सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० ए०-5/558-22/75--अतः मुझे वी० आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 9 प्लॉट नं० ए-2 है, जो पवई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री कीर्तन मौजीलाल धारिया और

(2) लाजपतराय हेमराज वर्मा

(अन्तरक)

2. श्री सुकेतु अलीयास सुकुमार विरेन्द्रकुमार शाह

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेती की भूमि या जमीन का वह तमाम टुकड़ा या भाग जोकि गांव पवई, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा और बम्बई उपनगर जिले में स्थित मौजूद, पड़ा है, जो पैमाइश में 1632 वर्ग मीटर और एस नं० 9 वाली जमीन का हिस्सा है और बृहत् बम्बई महानगर निगम के पत्र सं० सी०ई०/35/बी० एस० 1/एल० ओ० एन० ऑफ 14-4-1970 ता० 11 जून 1970 के अनुसार मिलाकर बना प्लॉट नं० 2 है तथा इस प्रकार घिरा हुआ है कि:--उत्तर में अथवा उत्तर की ओर एक प्रस्तावित सड़क है दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर उक्त मंजूर बंटवारे से बने भूमि के प्लॉट नं० ए-1 है जोकि उक्त सर्वे नं० 9 का हिस्सा है, पश्चिम में या पश्चिम की ओर उक्त मंजूर बंटवारे से बगीचा के लिए रखी गई और जी-2 अंकित जमीन का टुकड़ा है पूर्व में अथवा पूर्व की ओर, उक्त मंजूर बंटवारे में आर-1 अंकित है ग्राम निकास या पहुँच रास्ता है, जो उक्त सर्वे नं० 9 का भी हिस्सा है।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5

आयुर्वेद अस्पताल बिल्डिंग नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002।

बम्बई, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० ऐ० 5/5559/23/75—अतः मुझे वी०
आर० अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० नं० 9 आर०-1 और जी-2 है, जो पर्वई
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-12-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कीर्तन मौजीलाल धारिया और
श्री लालजपति राय हेमराज वर्मा

(अन्तरक)

2. श्री विरेन्द्रकुमार जीवनलाल शाह और अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम टुकड़ा या भाग, जो गांव-
पर्वई, बांद्रा रजिस्ट्री उपजिला और बम्बई उपनगर जिले में
मौजुद पड़ी है, जो माप में 2700.09 वर्ग मीटर है और एस०
नं० 9 का हिस्सा है तथा जिसमें वह निकास रास्ता व बगीचा शामिल
हैं, जो उससे नक्शे में उससे सटे हुये क्रमशः आर-1 व जी-2 चिन्हों
से अंकित दिखाये गये हैं और यह बंटवारा बृहत् बम्बई महानगर निगम
के पत्र सं० सी० ई०/35/बी०एस०आई०/एल०ओ०/एम० ग्राफ
15-4-70 दि० 11 जून 1970 द्वारा मंजूर किया हुआ है और यह
कथित निकास रास्ता गहरे गेरुआ रंग से चिह्नित व जिस पर आर०-1
अंकित है और बगीचा हरे रंग से चिह्नित व उस पर जी-2 अंकित
है और लाल रंग की सीमा रेखाओं से घिरे हुये दिखाये गये हैं।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक 30-8-76

मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5,

आयुर्वेदिक हस्पिटल बिल्डिंग, नेताजी सुभाष रोड, बम्बई-400002

बम्बई-400002, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० अई० 5/561-25/75—अतः मुझे, वी० आर०
अमीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० नं० 8 और 18 प्लॉट नं० बी-5 है, जो पर्वट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. रामनिकलाल लक्ष्मणभाई धारिया और अन्य (अन्तरक)

2. श्री आजाद आबिद अली, 2. इकबाल आबिद अली 3. यूसूफ मिर्जा की पत्नी सफिया ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खेती की जमीन या भूमि का बहुतमाम टुकड़ा या भाग जो कि गांव पर्वट, रजिस्ट्री उप-जिला बांद्रा बवई उपनगर जिले में स्थित, मौजूद पड़ा है, जो पैमाइश में 2095.58 वर्ग मीटर है और जो एस० नं० 8 व 18 वाली जमीन का भाग है तथा मिलाकर प्लॉट नं० बी-5 बना हुआ है । यह बंटवारा बृहत्त बम्बई महानगर निर्गम के पत्र सं० सी० ई०/35/बी०ए०आई०/एल० प्रो०/एन० ऑफ 14-4-1970 दि० 11 जून 1970 द्वारा मंजूर किया गया था एवं इस प्रकार घिरा हुआ है कि उत्तर में अथवा उत्तर की ओर अंशतः जमीन का वह भाग है जिसका प्लॉट नं० बी-1 और अंशतः जमीन का वह भाग है जिसका प्लॉट नं० बी-2 है, जो कि अंशतः एस० नं० 8 और 17 के उप विभाजन से बने हैं दक्षिण में या दक्षिण की ओर अंशतः मुकुंद आइरन एंड स्टील वर्क्स लि० की वह जमीन है जिसका एस० नं० 8 है, पूर्व में या पूर्व की ओर जमीन का वह टुकड़ा है जिसका सर्वेक्षण सं० 17 है और जो मुकुंद आयरन एंड स्टील वर्क्स लि० से संबंधित है । पश्चिम में अथवा पश्चिम की ओर पहुंच या निकास सड़क है जिसे उपरोक्त उप-विभाजन मंजूरी के अधीन आर-2 अंकित किया है और अंशतः जमीन का वह प्लॉट है जिसे उपरोक्त उपविभाजन मंजूरी के अधीन पी० सं० बी-6 दी गई है और ये दोनों सर्वेक्षण सं० 17 के भाग हैं ।

वी० आर० अमीन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, बम्बई

दिनांक : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एंडवना, कर्वे रोड, पूना

पूना, दिनांक 10 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई (थाना)/मार्च 76/295/
76-77—यस: भुसे ह्री० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० स० क्र० 143-एच० हिस्सा 1 (पार्ट) और स०
क्र० 32 हिस्सा 1 (पार्ट) है तथा जो माजीवाडा (थाना) में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और भुसे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. ऑटोमोबाइल प्रॉडक्ट्स ऑफ इंडिया, लिमिटेड, लाल
बहादुर शास्त्री मार्ग, भांडुप, बम्बई-400078।
(अन्तरक)

2. ओवरसीज पैकिंग इंडस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड इंदु कुमार
करनानी स्ट्रीट, कलकत्ता-700001, आंच आफिस 309, जॉली
भवन क्र० 1, 10 म्यू मरीन लाइन्स, बम्बई-400020।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20 क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन और इसके ऊपर मकान—स० क्र० 143 एच०, क्र० 1
(पार्ट) और स० क्र० 32 हिस्सा क्र० 1 (पार्ट) क्षेत्रफल 11374
वर्ग यार्ड्स और 121 वर्ग यार्ड्स अनुक्रम जो माजीवाडा थाना में
स्थित है और निम्न प्रकार से घेरा हुआ है :—

उत्तर की ओर—चितलसर मानपाड़ा व्हीलज-प्रापर्टी
गोपाल बाग

दक्षिण की ओर—मेट्रोल पंप

पूर्व की ओर—कोलशत रोड

और पश्चिम की ओर—बोडबंदर रोड।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 324 मार्च 1976 को सब-
रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है।

ह्री० एस० गायतोंडे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 10-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 10 अगस्त 76

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई(थाना)/मार्च 76/296/76-77—अतः मुझे, ह्री० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० प्लॉट क्र० 449, सेक्शन, 3-बी, उल्हासनगर, थाना है तथा जो उल्हासनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 2-3-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मे० श्रीकृष्ण बिल्डर्स मार्फत एच० एम०

पंजवानी, सिधू हाऊस, नानाभाई लेन,
फोर्टे, बम्बई-1।

(अन्तरक)

2. नानिक निवास, को-ऑपरेटिव हाऊसिंग सोसायटी,
लिमिटेड, प्लॉट नं० 449, सेक्शन 3-बी, उल्हासनगर नं० 4,
जिला थाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट क्र० 449, सेक्शन 3-बी, क्षेत्रफल—721 $\frac{1}{2}$ वर्ग यार्ड्स तथा 603.01 वर्ग मीटर्स और इसके ऊपर मकान, उल्हासनगर ता० उल्हासनगर, जिला थाना।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 1536 दिनांक 2-3-76 को सब-रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

ह्री० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 10-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एंडवना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी०ए० 5/बम्बई (थाना) जन० 76/298/76-77—यतः मुझे ह्नी० एस० गायतोंडे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स० क्र० 9-ए०, 9, 10, 11, 12, 13 और 94 (हिस्से) है तथा जो पंच पाखड़ी, थान में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 24-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. (1) श्री मदनलाल केदारनाथ गुप्ता,
- (2) श्री मुरारीलाल केदारनाथ गुप्ता
- (3) श्री बन्सीमोहन केदारनाथ गुप्ता
- (4) कमलनयन केदारनाथ गुप्ता
- (5) श्री सुदर्शनकुमार केदारनाथ गुप्ता

(6) श्री अशोक कुमार केदारनाथ गुप्ता

(7) श्री जगदीशप्रसाद द्वारकादास भारतीया

(8) श्री गिरधारीलाल द्वारकादास भारतीया

सभी पार्टनर्स मै० हिन्दुस्तान एस्टेट्स एंड लैंड डेवलपमेंट कारपोरेशन, 20 बाड़ी, बंदर रोड, बम्बई-10।

(अन्तरक)

2. श्री बालकृष्ण श्रीनिवास पोद्दार लंटीन चेंबर्स, पांचवां माला दलाल स्ट्रीट, फोर्ट, बम्बई-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेत जमीन के टुकड़े क्षेत्रफल करीब 27850 वर्ग यार्ड्स—मौजे पंचपाखड़ी थाना म्युनिसिपल के कक्षा में जिसके सर्वे क्रमांक निम्नलिखित हैं :—

सर्वे क्र० हिस्सा क्र० सर्वे क्र० हिस्सा क्र० सर्वे क्र० हिस्सा क्र०

9/ए	1/2	11	3	12	2
9/ए	2	11	4	12	2
9	3	11	5	13	1
9	4 (पार्ट)	11	6	94	7
10	2/2	11	7	94	13
11-1		12	1 (पार्ट)	94	14

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 337 में दिनांक 24-1-76 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)।

ह्नी० एस० गायतोंडे

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री डी० एच० गोखले

5, समर्थ कृपा, प्लाजा सिनेमा के पीछे, दादर, बम्बई-28।
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 60/61 एरंडयना, कर्वे रोड, पूना

पूना-411004, दिनांक 30 अगस्त 1976

निर्देश सं० सी०ए० 5/बम्बई (कोलाबा)/जनवरी 76/299/76-77—यतः मुझे, ल्ही० एस० गायतोंडे, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सं० क्र० 114, 115/1 115/2 सी है तथा जो मालेवाड़ी, करजत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
9-246 GI/76

2. सोनल डेअरीज एंड एगो-इंडस्ट्रीज प्रा० लि० 5, समर्थ कृपा, प्लाजा सिनेमा के पीछे दादर, बम्बई-28।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खेतजमीन—“हिल्स ट्रक्स” नाम से परिचित,

सर्वे क्र० 114, 115/1, 115/2-सी, मालेवाड़ी, ता० करजत, जि०—कुलाबा क्षेत्रफल—50 एकड़, 8 गुंठे।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 809 में दिनांक 27-1-76 को सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है)। i

ल्ही० एस० गायतोंडे
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-8-76

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निदेश सं० एफ० न०/अर्जन/164/आगरा/1269—यतः
मुझे, विजय भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 19-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्तरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जुगिन्दर लाल पुत्र श्री गुब्बकश सिंह नि० कलकर
गंज, हापुड़ मेरठ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स सरकार इंजीनियरिंग एण्ड मैनुफैक्चरिंग कं०
एण्ड स्टील रोलिंग मिल गोविन्दपुरी, मोदी नगर मेरठ।

श्री ठाकुरदास बसेल पुत्र लाला कस्तूरी लाल हिस्सेदार द्वारा
निवासी मोदी नगर, मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 10 व 11 का आधा भाग, माप
1340 वर्ग गज है जो गोविन्द पुरी, मोदीनगर, मेरठ में स्थित है
जिसका हस्तान्तरण 30,000/- में हुआ है।

विजय भार्गव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निर्देश सं० 17/अर्जन/कानपुर/76-77/1220—अतः मुझे,
विजय भागंघ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगवत प्रसाद तिवारी

(2) श्री राज कुमार तिवारी पुत्र बलभद्र प्रसाद तिवारी

(3) श्रीमती गुलाब बाई विश्रवा पं० बलभद्र प्रसाद
तिवारी नि० 3/281 पार्वती बागला रोड, कानपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बलवन्त गम्भीर पत्नी महेन्द्र प्रताप गम्भीर
नि० 119/393, दर्शनपुरवा, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 2 माप 200 वर्ग गज है जो भीजा
बैरी अकबर पुर में स्थित है तथा जिसका हस्तान्तरण 12,000/-
में हुआ है।

विजय भागंघ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निदेश सं० 1034-ए/अर्जन/कानपुर/75-76/1271—यतः

मुझे, विजय भागवत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भागवत प्रसाद तिवारी

(2) राज कुमार तिवारी पुत्रगण पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी व श्रीमती गुलाब बाई बेवा पं० बलभद्र प्रसाद तिवारी सा० 4/281 पुराना कानपुर (पारवती बागला रोड कानपुर)।

(अन्तरक)

2. श्री नवल किशोर सिंह पुत्र श्री राम सुभग सिंह पता मार्फत एग्रीकल्चर ट्रेडिंग कारपोरेशन, कल्याणपुर, कानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अञ्चल सम्पत्ति प्लॉट नं० 48 रकबा 200 वर्ग गज स्थित मीजा अकबरपुर, जिला कानपुर 11,200/- रु० मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

विजय भागवत

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निर्देश सं० 1042-ए/अर्जन/आगरा/75-76—अतः मुझे,
विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम, प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
16-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कमलेश्वर नारायण टन्खा पुत्र पण्डित ओंकार
नारायण टन्खा निवासी 1/70 काले का ताल, हरीवरखत बाई,
आगरा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राजदुलारी फरसैया पत्नी श्री सत्य प्रकाश
फरसैया निवासी 104, नहरू नगर, आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 1/70 रकबा 1317 वर्गगज
स्थित काले का ताल गुलाबराय रोड, आगरा, 1,15,000 मूल्य में
हस्तान्तरित किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निदेश सं० एफ०/अर्जन/1184/मु० नगर/75-76/1223—

अतः मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फर नगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि ग्रेन चैम्बर लि० न्यू मण्डी द्वारा वीरेन्द्र गोपाल सिंघल एडवोकेट नि० सिविल लाइन्स मुजफ्फर नगर।

(अन्तरक)

2. श्री सुखबीर सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह ग्राम पुरवालियान, शिकारपुर बुढ़ाना मुजफ्फर नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 17/1 व 17/3 ताप 598 बर्गगज है जो खतियान नाई की मण्डी मुजफ्फर नगर में स्थित है इसका हस्तान्तरण 52,500 रु० में हुआ है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निदेश सं० अर्जन/49/आगरा/76-77/1274—यतः मुझे,
विजय भार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-1-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री शिवचरन लाल
(2) श्री हजारीलाल
(3) श्री ताराचन्द
(4) छोटेलाल पुत्रगण श्री जमुना प्रसाद जी नि० 25,
रिंग रोड विजय नगर कालोनी, आगरा।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती किरन देवी पत्नी श्री रामजी अग्रवाल नि०
63 न्यू राजा मण्डी
(2) श्री मथुरा प्रसाद अग्रवाल पुत्र श्री गोपाल प्रसादजी
नि० जैन गली टून्डला तह० एतमादपुर, जिला आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खसरा नं० 588,589 और 591 जिसकी
माप 2110 वर्गगज है जो सबाद शहर आगरा में स्थित है इसका
हस्तान्तरण 42,000 रुपये में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, कानपुर

कानपुर, दिनांक 28 अगस्त 1976

निर्देश सं० अर्जन/1163/गाजियाबाद/75-76/1268— यतः

मुझे, विजय भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुरुबक्श सिंह नि० मौहल्ला कलकटर गंज, हापुड़ जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. मै० सरकार इंजीनियरिंग एण्ड मैन्यूफैक्चरिंग कम्पनी एण्ड स्टील रोलिंग मिल्स गोविन्दपुर मोदी नगर जि० मेरठ द्वारा श्री ठाकुर दास वंसल पुत्र लाला कस्तूरी लाल निवासी मोदीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति नं० 10 और 11 जिसकी माप 1340 वर्गगज जो गोविन्दपुरी, मोदीनगर जि० मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण 30,000 रु० में किया गया है।

विजय भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 28-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1976

निदेश सं० 19-एन/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 858 मि० है तथा जो कि देवपुर जिला लखनऊ
में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
19-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—246GI/76

1. श्री छोटे लाल सिंह

(अन्तरक)

2. नवमानक सहकारी गृह निर्माण समिति लि० ।

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक अविकसित जमीन का प्लॉट नाप 2 बीघा 7 बिस्वा नं०
858 मि० जो कि देवपुर जिला लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सरला देवी माथुर

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

2. श्री हितेश कुमार शर्मा एडवोकेट

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1976

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 25-एच/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो कि मोहल्ला सिविल
लाइन्स नगर व जिला बिजनौर में स्थित है ('और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बिजनौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 20-9-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत के अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि मो० सिविल लाइन्स, नगर व जिला
बिजनौर में स्थित है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 17-8-76

मोहर।

प्रारूप आई० टी० एम०एस०—

1. श्री किशोर चन्द्र टिहू

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1976

निदेश सं० 26-बी/अर्जन—यतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या प्लॉट नं० 41 है तथा जो कि राय प्रयाग नारायण मार्ग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री विनोद धवन, सचिव, रिवेरा सहकारी गृह निर्माण समिति।

(अन्तरिती)

3. श्री किशोर टिहू

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होधी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० 41 जो कि राय प्रयाग नारायण रोड, जिला लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 17-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अगस्त 1976

निर्देश सं० 57-के/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या डी-14/99 है तथा जो टेढ़ी नीम, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-1-76 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शम्भू नाथ मुकर्जी

(अन्तरक)

2. श्री करतार सिंह व अन्य

(अन्तरिती)

3. श्री करतार सिंह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, ही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी-14/99 टेढ़ी नीम वाराणसी।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-8-76
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अगस्त 1976

निर्देश सं० 65-ए/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी संख्या डी०-37/129 और डी०-37/132 है तथा जो
कि मो० बड़ादेव बाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-1-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अशोक कुमार यादव
(अन्तरक)
2. श्री अखिलेश चन्द्र आर्य एवं अन्य
(अन्तरिती)
3. श्री अशोक कुमार यादव
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. श्री अशोक कुमार यादव
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त, व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० डी-37/129 और डी०-37/132 जो कि मो०
बड़ादेव बाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-8-1976
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 अगस्त 1976

निदेश सं० 100-आर०/अर्जन—अतः भुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संख्या

मकान नं० 84 मय भूमि है तथा जो कि टैगौर टाउन में स्थित है (और इसके उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिवनारायण लाल

(अन्तरक)

2. श्री राम औतार द्विपाठी

(अन्तरिती)

3. श्री/श्रीमती/कुमारी बिक्रेता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान नं० 84 मय 875 Sqd. भूमि जो कि टैगौर टाउन, इलाहाबाद में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 17-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अगस्त 1976

निदेश सं० 101 आर०/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या एक किता कोठी है तथा जो ग्राम नूरपुर, पो० आ० पयागपुर जिला बहराइच में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बहराइच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-1-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राजा यादवेन्द्र बिक्रम सिंह एवं अन्य (अन्तरक)
2. श्रीमती रानी पदमा कुमारी बेबी (अन्तरिती)
3. श्री/श्रीमती/कुमारी बिक्रेता (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता कोठी 'आनन्द भवन' जो कि ग्राम नूरपुर पो० आ० पयागपुर जिला बहराइच में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-8-76

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अगस्त 1976

निदेश सं० 102-आर०/अर्जन—यतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-9/127 है तथा जो कि हवीबपुरा वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कन्हैया लाल एवं अन्य

(अन्तरक)

2. श्री राम प्रसाद एवं अन्य

(अन्तरिती)

3. श्री कन्हैया लाल वगैरह

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-9/127, जो कि मो० हवीबपुरा, वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 21-8-1976

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

1. भारत सेवक समाज सहकारी गृह निर्माण समिति लि० (अन्तरक)
2. श्री शिव नारायण प्रसाद सोनकर एवं अन्य (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 अगस्त 1976

निर्देश सं० 129-एस०अर्जन —अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23 है तथा जो कि मो० अहिल्याबाई नगर मोजा नगध परगना देहात अमानत वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—246GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

[अनुसूची

एक प्लॉट नं० 23, जो कि मो० अहिल्याबाई नगर कालोनी मोजा नगध, परगना देहात अमानत जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 21-8-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त 1976

निर्देश सं० 66-ए/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमिमय मकान नं० बी० 1/61 है तथा जो कि मौजा नगथ परगना देहात अमानत वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसूची में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती शिव कुमारी देवी एवं अन्य (अन्तरक)

2. श्रीमती अन्नपूर्णा देवी (अन्तरिती)

3. बिन्नेता (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० बी० 1/61 जो कि मौजा नगथ परगना अमानत जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-8-1976

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त 1976

निर्देश सं० 67-ए/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 24 है तथा जो अहिल्याबाई नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. भारत सेवक समाज सहकारी गृह निर्माण समिति लि० (अन्तरक)
2. श्री अर्जुन प्रसाद सोनकर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 24, अहिल्याबाई नगर कालोनी मौजा नगवा, परगना देहात अमानत, जिला व शहर बाराणसी।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-8-1976
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

संखनऊ, दिनांक 27 अगस्त 1976

निर्देश सं० 68-बी०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 222/Y मय मकान है तथा जो कि मौजा नगथ परगना देहात अमानत वाराणसी में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-1-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शिव कुमारी बेबी एवं अन्य (अन्तरक)

2. श्रीमती विन्ध्यवसिनी बेबी (अन्तरिती)

3. विजेश (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 222/Y नाप 1.46 डि० मय मकान, जो कि मौजा नगथ, परगना देहात अमानत, तह० ध जिला वाराणसी में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-8-1976

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1977

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1976

सं० ऐफ० 11/2/76-प० 1 (ख)—भारत के राज-पत्र, दिनांक 18 सितम्बर, 1976 में मंत्रिमण्डल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे दिए गए पैरा 2 में उल्लिखित अस्थायी सेवाओं और पदों पर भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, विल्ली, विसपुर (गौहाटी), हैबरा-बाद, जबपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, त्रिवेन्द्रम तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 22 मार्च, 1977 को एक सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी :—

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध II, पैरा II)।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर जिन सेवाओं और पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं और पदों से संबद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्न-लिखित है :—

- | | |
|--|-------|
| (i) भारतीय विदेश सेवा (ख) (स्टेनोग्राफर उपसंवर्ग का ग्रेड II) | ** 11 |
| (ii) रेल बोर्ड सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा—ग्रेड ग, (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए), | |
| (iii) केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा ग्रेड ग (इस ग्रेड की चयन सूची में सम्मिलित करने के लिए) | ** 22 |
| (iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा—ग्रेड ग | ** 4 |
| (v) भारत सरकार के कुछ ऐसे विभागों/संगठनों तथा संबद्ध कार्यालयों में स्टेनोग्राफर के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा/केन्द्रीय सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय स्टेनोग्राफर सेवा में सम्मिलित नहीं हैं। | * |

*रिक्तियां सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई है, तो सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों में से किसी एक अथवा एक से अधिक के लिए परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवा/पद के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबंध-1 में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग अलग नहीं जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

नोट :—इस परीक्षा के माध्यम से भर्ती करने वाले कुछ विभागों/कार्यालयों को केवल अंग्रेजी स्टेनोग्राफरों की ही आवश्यकता होगी; और इस परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्ति केवल उन्हीं उम्मीदवारों में से की जाएगी जिन्हें लिखित परीक्षण तथा अंग्रेजी के स्टेनोग्राफी परीक्षण के आधार पर आयोग द्वारा अनुशंसित किया जाता है (द्रष्टव्य: नियमावली के परिशिष्ट-1 का पैरा 3)।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में यह स्पष्ट रूप से बतलाना होगा कि वह किन सेवाओं/पदों के लिए विचार किए जाने का इच्छुक है। उसे सलाह दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार एक से अधिक वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए, नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र में सेवाओं/पदों के लिए मूलतः उल्लिखित वरीयता क्रम में परिवर्तन से संबद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा करने का अनुरोध आयोग द्वारा निर्धारित आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख को या उससे पूर्व संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में न प्राप्त हो जाए।

नोट :—नियम 6 (ग) के अन्तर्गत परीक्षा में प्रवेश दिए गए भूतपूर्व सैनिक केवल रेल बोर्ड सचिवालय स्टेनोग्राफर सेवा के ग्रेड ग में भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित रिक्तियों के लिए ही पात्र होंगे, और अन्य सेवाओं तथा पदों के लिए यदि उनकी कोई वरीयता होगी तो ध्यान नहीं दिया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण वो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर कूपन पर उम्मीदवार का नाम और पता तथा परीक्षा का नाम स्पष्ट अक्षरों में

लिखा होना चाहिए। मनीआर्डर के स्थान पर पोस्टल आर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-पत्र आयोग के काउंटर पर पैसा देकर भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपये की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। स्टेनोग्राफर परीक्षा, 1977 के लिए निर्धारित-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

6. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के पास 15 नवम्बर, 1976 को या उसके पहले 15 नवम्बर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 29 नवम्बर, 1976 तक अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

7. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबंध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निदिष्ट रीति से अवश्य करें।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा। यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

8. यदि कोई उम्मीदवार 1976 में ली गई स्टेनोग्राफर परीक्षा में बैठा हो और अब इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे परीक्षाफल या नियुक्ति प्रस्ताव की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन-पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि वह 1976 के परीक्षाफल के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुशंसित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर 1977 की परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको उसी प्रकार शुल्क लौटा दिया जाएगा जिस प्रकार उपाबंध-I के पैरा 3 के अनुसार उस उम्मीदवार को लौटा दिया जाता है जिसे परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाता बशर्ते कि उम्मीदवारी को रद्द कराने और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 22 फरवरी, 1977 को या इससे पूर्व प्राप्त हो जाए।

9. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से संबंध उसके किसी

भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

एम० एस० प्रुथी

उप-सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 12.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 3.00) की राशि का रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान अवश्य करें।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन-पत्र भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्यथा किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि संबंध भारतीय मिशनों में जमा कर सकते हैं।

2. आयोग, यदि चाहे ती, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964, को या उसके बाद किन्तु 26 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963, को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या निम्न प्रकार का भूतपूर्व सैनिक है।

“भूतपूर्व सैनिक” का आशय उस व्यक्ति से है, जो आसाम राइफल्स, डिफेन्स सिक्यूरिटी फोर्स, जनरल रिजर्व इंजीनियर फोर्स, जम्मू व काश्मीर मिलिशिया, लोक सहायक सेना और प्रादेशिक सेना को छोड़कर भूतपूर्व भारतीय रियासतों सहित संघ की सशस्त्र सेनाओं (अर्थात् नौ, थल या वायु सेना) में किसी भी रैंक (चाहे लड़ाकू हो या गैर-लड़ाकू) में शपथ-ग्रहण करने के बाद से 15 नवम्बर, 1976 तक 6 मास की सतत सेवा कर ले, और

(i) दुर्घटना या अकुशलता के कारण पदभ्रुत या सेना मुक्त न होकर अन्यथा निर्मुक्त हुआ हो या निर्मुक्त होने तक रिजर्व में स्थानान्तरित कर दिया गया हो, या

(ii) जिसे यथा पूर्वोक्त निर्मुक्त होने या रिजर्व में स्थानान्तरित होने का हकदार बनने के लिए अपेक्षित सेवावधि पूरा करने के लिए 15 नवम्बर, 1976 तक छह मास सेवा करनी है।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया, उसे रु० 3.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के मामले में रु० 1.00) की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त व्यवस्था तथा नोटिस के पैरा 8 में उपबंधित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

उपाबंध-II

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. इस नोटिस के पैरा 5 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से संबंध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं। उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र हैं भी या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

जो उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तथा नियमावली के परिशिष्ट I के पैरा 3 के अनुसार प्रश्नपत्र (ii) निर्बंध तथा प्रश्न पत्र (iii) सामान्य ज्ञान का उत्तर हिन्दी में लिखने तथा स्टेनोग्राफी परीक्षण हिन्दी में ही देने का विकल्प दे उससे स्टेनोग्राफी परीक्षणों के लिए अपने ही खर्चों पर विदेश स्थित किसी भी ऐसे भारतीय मिशन में बैठने के लिए कहा जा सकता है जहां इस प्रकार का परीक्षण आयोजित करने के लिए आवश्यक प्रबंध उपलब्ध हों।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-प्रपत्र, तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियां/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए, रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट :—उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा की नियमावली के परिशिष्ट-I के पैरा 3 के अनुसार अपने आवेदन-पत्र के कालम 12 में स्पष्ट रूप से उस भाषा का उल्लेख कर देना चाहिए, जिसमें वे निर्बंध तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न पत्रों का उत्तर देने के इच्छुक हैं तथा स्टेनोग्राफी परीक्षण देना चाहते हैं। एक बार दिया गया विकल्प अंतिम माना जाएगा

और उक्त कालम में परिवर्तन करने से संबंध किसी भी अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि उक्त कालम में कोई भी प्रविष्टि नहीं की गई होगी तो यह मान लिया जाएगा कि उक्त प्रश्न पत्र का उत्तर तथा आशुलिपि का परीक्षण अंग्रेजी में दिया जाएगा।

(ii) भरा हुआ आवेदन-प्रपत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूहों तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 नवम्बर, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अण्डमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों तथा लक्षद्वीप में रह रहा था।

सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों या गैर-सरकारी नौकरी में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर निर्माण प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों, उन्हें अपना आवेदन-पत्र संबंध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-प्रपत्र के अन्त में पृष्ठांकन को भर कर उसे आयोग को भेज देगा। इन उम्मीदवारों को अपने ही हित में अपने आवेदन की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेज देनी चाहिए। निर्धारित-शुल्क के साथ प्राप्त होने पर इन पर अनन्तिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन आयोग में सामान्यतः अन्तिम तारीख के बाद 15 दिन के अन्दर पहुंच जाने चाहिए। सरकारी सेवा में पहले ही लगा कोई व्यक्ति यदि निर्धारित शुल्क के साथ अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति नहीं भेजता है या उसके द्वारा भेजी गई अग्रिम प्रति आयोग के कार्यालय में अन्तिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होती है तो आयोग में अन्तिम तारीख के बाद प्राप्त हुए उसके उस आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा जो उसके कार्यालय या विभाग के अध्यक्ष के माध्यम से प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्न-लिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपा-बंध I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।
- (v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिमजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।
- (vi) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट : उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1977 के जून मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को उस समय तैयार रखना चाहिए तथा लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के तुरन्त बाद उन्हें आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्रों की मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करते हैं, उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और ये उम्मीदवार पुनः विचार किए जाने का दावा नहीं कर सकेंगे।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों का विवरण पैरा 4, 5 और 6 में दिए गए हैं:—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए:—



तथा इस प्रकार भरा जाए:

“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से प्राप्त किए जाएं और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय बनाए जाएं तथा विधिवत रेखांकित हों।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 12.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 3.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष “051-Public Service Commission Examination Fees” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो। जो उम्मीदवार

उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा में उत्तीर्ण हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या पूरे वर्ष और महीने ही दिए होते हैं। ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हैडमास्टर/प्रिंसिपल से दिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से वह मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण हो। इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है। उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

नोट 1 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी।

नोट 3 :—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्निक के तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो, उसे संबंध स्कूल के प्रिंसिपल से, पैरा 3 (iii) के नीचे नोट 3 के बाद निर्धारित प्रपत्र पर लिया गया आयु का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना

चाहिए और इसके अतिरिक्त आयु के प्रमाण के रूप में कोई अन्य प्रमाण-पत्र अपेक्षित नहीं होगा।

नोट 4 :—जो उम्मीदवार पहले से ही स्थायी सरकारी सेवा में हों, उनकी सेवा पुस्तिका की प्रविष्टियों को जन्म की तारीख और शैक्षिक योग्यताओं के प्रमाण के रूप में स्वीकार किया जा सकता है।

(iii) **शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र :—**उम्मीदवार को किसी प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। प्रस्तुत प्रमाण-पत्र उम प्राधिकारी (अर्थात् विश्व-विद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य माध्य प्रस्तुत करना चाहिए। आयोग इस माध्य के औचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है।

नोट 1 :—जो उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसके उत्तीर्ण कर लेने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से योग्य हो जाता है किन्तु उसे परीक्षा परिणाम सूचित नहीं किया गया है और वह ऐसी अर्हक परीक्षा में प्रवेश पाने का इच्छुक है तो वह आयोग की उक्त परीक्षा में प्रवेश पाने का पत्र नहीं होगा।

नोट 2 :—जिस उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ केवल एस० एस० एल० सी० परीक्षा-परिणाम की प्रविष्टियों वाले पृष्ठ की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए।

नोट 3 :—जो उम्मीदवार (i) किसी मान्यताप्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, (ii) इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन के लिए विद्यार्थियों को तैयार करने वाले किसी मान्यताप्राप्त स्कूल, (iii) श्री अरविन्द अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी, का हायर सेकेंडरी कोर्स या (iv) दिल्ली पालीटेक्निक के तकनीकी माध्यमिक विद्यालय की दसवीं कक्षा में उत्तीर्ण हो उसे संबंध स्कूल के प्रिंसिपल/ हैडमास्टर से नीचे नोट में निर्धारित फार्म पर लिया गया शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र अवश्य भेजना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म (दृष्टव्य : पैरा 3(ii) का नोट 3 और उपर्युक्त नोट 3)।

प्रमाणित किया जाता है कि :

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी * _____
सुपुत्र/सुपुत्री श्री * _____
इस विद्यालय की _____ कक्षा में जो कि
हायर सेकेंडरी स्कूल/इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन/

श्री अरविन्द अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र, पांडिचेरी के हायर सेकेंडरी पाठ्यक्रम/दिल्ली पालीटेकनिक तकनीकी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पाठ्यक्रम* की अंतिम कक्षा है, उत्तीर्ण है।

2. इस विद्यालय के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उनकी जन्म की तारीख ----- है, इस तारीख का स्थानांतरण प्रमाण-पत्र/विद्यालय में विद्यार्थी के दाखिले के समय उगरी ओर से प्रस्तुत किए गए विवरण* से पुष्टि कर ली गई है।

तारीख-----

(हेडमास्टर/प्रिंसिपल* के हस्ताक्षर

स्थान----- (विद्यालय का नाम)

*जो शब्द लागू न हों, उन्हें काट दें।

(iv) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० सी०×7 सें० सी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नथी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार की स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3(ii), 3(iii), और 3(iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक प्रस्तुत नहीं किया जाता और उसकी अनुपस्थिति के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जाता तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा उसकी अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। आवेदन-पत्र के साथ न प्रस्तुत किए गए प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र प्रस्तुत किए जाने के बाद भी भेज दिए जाने चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक महीने के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से, जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाणपत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहा हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*-----

सुपुत्र/सुपुत्री* श्री -----

जो गांव/

ग्राम*----- जिला/मंडल*

राज्य/संघ

राज्य क्षेत्र*----- के/की

निवासी है, ----- जाति/जन जाति*

के हैं जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति* के रूप में मान्यता दी गई है :—

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (संशोधन) आदेश, 1956, बम्बई, पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन), अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

(संविधान) आदेश, 1956।*

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956।*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962।*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964।*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), आदेश, 1967।*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968।*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1968।*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियाँ आदेश, 1970।*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*

और/या* उनका परिवार ग्राम तौर से गांव/कस्बा*-----

जिला/मंडल*-----

में राज्य/संघ* राज्य

क्षेत्र ----- में रहते/

रहती* हैं।

हस्ताक्षर -----

**पद नाम -----

(कार्यालय की मोहर)

स्थान -----

तारीख -----

राज्य

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—यहाँ “ग्राम तौर से रहते/रहती हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जनजाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/ डिप्टी कमिशनर/ऐडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट/ सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवाइजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदे का नहीं)

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम तौर से रहता हो।

(v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डिवलपमेंट अफसर (लक्ष्यगीन समूह)।

5. (i) नियम 6 (घ) (ii) अथवा 6 (घ) (iii) के अन्तर्गत आयु में और/या उपाबंध I के पैरा 2 के अधीन

शुल्क में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 26 मार्च, 1971 से पूर्व प्रजनन कर भारत आया है:—

- (1) संज्ञकारण परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मैजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों के शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल निदेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

(ii) नियम 6 (घ) (iv) अथवा 6 (घ) (v) के अन्तर्गत आयु में और/या उपाबंध I के पैरा 2 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

(iii) नियम 6 (घ) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथोपिया के भारतीय मूल के प्रत्यावर्तित उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मैजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(iv) नियम 6 (घ) (vii) अथवा 6 (घ) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में और/या उपाबंध I के पैरा 2 के अधीन शुल्क में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिम क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी

चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(v) नियम 6 (घ) (ix) अथवा 6 (घ) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट—

के रैंक नं०

श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशांति-ग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

*जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।

(vi) नियम 6 (घ) (xi) अथवा 6 (घ) (xii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले सीमा सुरक्षा दल में अग्रपंक्ति हुए उम्मीदवार को महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर, उसकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के साथ यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह 1971 के भारत-पाक युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अग्रपंक्ति हुआ था और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ था।

(vii) उपाबन्ध I के पैरा 2 के नियम 6 (ग) के अधीन आयु और/या शुल्क में छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिकों को चाहिए कि वे अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण स्वरूप स्थल सेना/वायु सेना/नौ सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करें। उक्त प्रमाण-पत्र से उसके सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व से उसके मुक्ति अथवा स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व से उसकी प्रत्याशित निर्मुक्ति अथवा स्थानान्तरण की तारीख का संकेत अवश्य मिलना चाहिए।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैंक नं० श्री 1971 के भारत-पाक

युद्ध के दौरान सीमा सुरक्षा दल में अग्रपंक्ति हुए थे और उस अग्रपंक्ति के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए थे।

हस्ताक्षर

पदनाम

दिनांक

6. उपाबन्ध I के पैरा 2 के अधीन शुल्क में छूट चाहने वाले उपर्युक्त पैरा 5(i), (ii) और (iii) में संदर्भित वर्गों में से किसी से संबद्ध उम्मीदवार को जिला अधिकारी या सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी या संसद या राज्य विधान मण्डल के सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

7. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता-प्रमाण-पत्र (एलिजिबिलिटी सर्टिफिकेट) आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता-प्रमाणपत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

8. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे जो भी प्रलेख प्रस्तुत करें उसकी या उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में ठीक नहीं करें उसमें परिवर्तन नहीं करें, फेरबदल नहीं करें और न ही फेरबदल किए गए / झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

10. यदि परीक्षा से संबद्ध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक भास के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

11. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में बिचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

12. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्नपत्रों से संबद्ध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक सिविल लाइन्स दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल रिबोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम भवन 'सी' ब्लॉक, बाबा खड़ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली, (110001), (ii) प्रकाशन शाखा का बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली, 110011 (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

13. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों को कोई यात्रा भत्ता नहीं दिया जाएगा।

14. आवेदन-पत्र से संबद्ध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

(1) परीक्षा का नाम।

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष।

(3) रोल नम्बर (अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया हो)।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।

(5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

15. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसके बदले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 13 में उल्लिखित व्यौरा के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 28th August 1976

The 20th August 1976

No. A.12011/1/74-Admn.II.—The services of Shri K. N. Vohra, an officiating Section Officer of the office of the Directorate General, Posts & Telegraphs presently working as Research Officer, on deputation, with the office of the Union Public Service Commission, are replaced at the disposal of the Directorate General, Posts & Telegraphs, New Delhi with effect from the afternoon of the 31st August, 1976.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Chairman

New Delhi-110011, the 21st July 1976

No. A.35017/1/73-Admn.II.—Shri V. Ramachandran, Section Officer of the office of the Accountant General, Orissa, has been appointed, on deputation, as Accounts Officer, a gazetted group B post in General Central Service—in the office of the Union Public Service Commission for a period of 3 years with effect from the forenoon of the 13th July, 1976, or until further orders whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
for Secy.

New Delhi-110011, the 13th August 1976

No. A.12025(ii)/1/75-Admn.III.—In pursuance of the Cabinet Secretariat (Department of Personnel & Administrative Reforms) O.M. No. 5/3/76-C.S(I) dated the 19th July, 1976, the President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service in the same cadre with effect from the forenoon of 2nd August, 1976, until further orders.

S. No. and Name

1. Shri S. D. Sharma.
2. Shri S. P. Gupta.

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-1976, the President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 1-8-76 to 31-8-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—In continuation of this office notification of even number dated 21-6-76, the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-8-76 to 31-8-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2-8-1976 to 16-9-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(4).—In continuation of this office notification of even number dated 15-7-76, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-8-76 to 23-8-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(5).—The President is pleased to appoint Shri P. D. Srivastava, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 2-8-1976 to 16-9-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(6).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 17-8-76 to 1-10-76 or until further orders, whichever is earlier.

The 27th August 1976

No. A.12025(ii)/3/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint the following candidates, nominated on the basis of the I.A.S. etc. Examination, 1974, *vide* Department of Personnel & Administrative Reforms O.M. Nos. 9/2/76-CS(I) dated 1st May, 1976 and 9th June, 1976, as probationers in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission with effect from 1st July, 1976 (F.N.) and to place them on training in the I.S.T.M., R. K. Puram, New Delhi, with effect from the same date.

S. No. Name

1. Shri Mukunda Behari Ray.
2. Shri Krishna Kumar Jha.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Admn.)
Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS,

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 21st August 1976

F. No. A-19028/1/76-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri G. S. Gopalakrishnan, Executive Engineer of the C.P.W.D. on deputation at Executive Engineer in the C.B.I. (Special Police Establishment) New Delhi with effect from the afternoon of the 11th August, 1976, until further orders.

The 28th August 1976

No. A-31013/2/76-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri Mool Chand Mathur officiating Technical Officer (Accounts) in the Central Bureau of Investigation as Technical Officer (Accounts), Central Bureau of Investigation in a substantive capacity with effect from 29-5-74 (Forenoon).

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E) C.B.I.

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th August 1976

No. 1/6/76-Adm.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. L. Garg, a permanent Personal Assistant of the Central Vigilance Commission, as Senior Personal Assistant in the Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 16th August, 1976, until further orders.

CHANDRAMONI NARAYANASWAMY,
Dy. Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 27th August 1976

No. O-II-1047/76-Estt.—The Director General, C.R.P.F., is pleased to appoint Dr. Rameshwar Shah as Junior Medical Officer in the C.R.P.F. on an *ad-hoc* basis for a period of 3 months only w.e.f. the forenoon of 13th August, 1976.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 16th August 1976

No. 38013(3)/14/76-GA.II.—Shri H. V. Chaturvedi, Deputy Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central

Industrial Security Force, Training College, while on camp at Bhilai relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 21-7-1976 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai with effect from the same date, *vice* Shri J. D. Sharma, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit who on transfer to New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 21/7/76.

No. E-38013(3)/14/76-GA.II.—Shri H. S. Pannu, Deputy Superintendent of Police, Intelligence Wing, Central Industrial Security Force, Training College, Hyderabad while on camp at Rourkela, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 17/7/76 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Rourkela Steel Plant, Rourkela with effect from the same date *vice* Shri P. S. Nandal, Assistant Commandant, who on transfer relinquished the charge of the said post with effect from the same date.

The 20th August 1976

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—On transfer, from CISF Unit Bhilai Steel Plant, Bhilai, Shri J. D. Sharma, Asstt. Comdt. assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Unit Bombay Air Port with Hqrs. at New Delhi with effect from the forenoon of 31st July, 1976.

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—On transfer to CISF Unit Alloy Steel Plant, Durgapur, Shri P. K. Lahiri, Asstt. Commandant assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 26th July, 1976.

The 23rd August 1976

No. E-16014(1)/6/74-Pers.—On repatriation Shri I. N. Vohra, a Deputy Superintendent of Police, Manipur State, relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit F.C.I. Barauni with effect from the forenoon of 11th June 1976.

The 24th August 1976

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—On transfer, Shri P. S. Nandal, Asstt. Comdt., CISF Unit Rourkela Steel Plant Rourkela, assumed the charge of the post of Asstt. Comdt. CISF Reserve Force Hqrs. at New Delhi w.e.f. the forenoon of 28th July 1976.

On transfer to CISF Unit Gujarat Refinery, Baroda Shri P. S. Nandal, Asstt. Comdt. CISF Reserve Force Hqrs. New Delhi relinquished the charge of the said post w.e.f. the afternoon of 31-7-76 to take up his new assignment at Baroda.

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—On transfer as Asstt. Comdt. to CISF Unit H.E.C. Ranchi, Shri D. S. Badwal, Dy. Supdt. Police, assumed the charge of the said post with effect from the forenoon of 5th July, 1976.

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—The President is pleased to appoint Inspector A. S. Khaturia to Officiate as Assistant Commandant (JAO) in CISF Hqrs. at New Delhi with effect from the afternoon of 31st July, 1976, until further orders and assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/14/76-PERS.—On transfer, Shri S. S. Samyal, Assistant Commandant CISF Unit Durgapur Steel Plant, Durgapur, relinquished the charge of the said post w.e.f. the afternoon of 20th July, 1976 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Reserve Force Hqrs. New Delhi w.e.f. the forenoon of 28th July 1976.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 30th August 1976

No. 10/19/75-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification of even number dated 15 July 1976, the President is pleased to appoint Shri A. K. Biswas, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Research Officer in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of 22 days with effect from 10 August, 1976 upto 31 August 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri A. K. Biswas will continue to be at New Delhi.

No. P/R(46)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 14 June 1976, the President is pleased to appoint Shri V. P. Rustagi, an Investigator in the office of the Registrar General, India, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis for a further period of 38 days with effect from 25 July 1976 upto 31st August, 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri V. P. Rustagi will be at New Delhi.

R. B. CHARI,
Registrar General, India &
ex-officio Jt. Secy.

New Delhi-110011, the 28th August 1976

No. 11/4/76-RG(Ad.I)(4).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Dey, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Assam, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a period of seven months with effect from the afternoon of 31st July 1976 upto 28th February 1977 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Dey will be at Gauhati.

No. 11/4/76-RG(Ad.I)(2).—In continuation of this office Notification of even number dated 10 May 1976 the President is pleased to extend the appointment of Shri R. C. Bhargava, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis beyond 8 August 1976 upto 28 February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Bhargava will continue to be at Jaipur.

No. 11/4/76-RG(Ad.I)(1).—In continuation of this office notification of even number dated 10 May 1976 the President is pleased to extend the appointment of Shri M. Panchapakesan, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Tamil Nadu as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on a purely temporary and *ad-hoc* basis beyond 8 August 1976 upto 28 February 1977 or till the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Panchapakesan will continue to be at Madras.

No. 11/4/76-RG(Ad.I)(3).—In continuation of this office notification of even number dated 10 May 1976, the President is pleased to extend the appointment of Shri G. S. Pabla, an Investigator in the office of the Director of Census Operations,

Punjab, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on a purely temporary and *ad-hoc* basis beyond 8 August, 1976 upto 14 September, 1976 or until further orders, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pabla will continue to be at Chandigarh.

BADRI NATH,
Dy. Registrar General, India and
ex-officio Deputy Secy.

S. V. P. NATIONAL POLICE ACADEMY
Hyderabad-500252, the 27th August 1976

No. 41/5/76-Estt.—On transfer from Judicial Department of West Bengal, Shri Durga Das Banerjee, Additional District Judge of 24 Parganas, assumed charge of the post of Assistant Director (Law) in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad from the forenoon of 24th August, 1976.

P. D. MALAVIYA,
Deputy Director (Admn.)

CENTRAL TRANSLATION BUREAU
New Delhi-16, the 26th August 1976

F. No. 11(1)25/72-Admn.—Kum. Urmil Malhotra, Senior Translator in the Central Translation Bureau is appointed to officiate as Translation Officer, in the Bureau on *ad-hoc* basis w.e.f. 13-8-1976 (F.N.).

F. No. 11(1)25/72-Admn.—Kum. Urmil Malhotra, translation Officer is reverted to the post of Senior Translator w.e.f. 9-8-76 (A.N.).

G. K. MISHRA,
Director

MINISTRY OF FINANCE
DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS : DEWAS (MP)

Dewas, the 22nd August 1976

F. No. BNP/E/Spl/34.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 13-7-76, the deputation of Shri C. N. Laxmanrao as Assistant Engineer (Air-conditioning) in the Bank Note Press, Dewas (MP) is extended upto 15-1-77, on the existing terms and conditions.

D. C. MUKHERJEA,
General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
(OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA)

New Delhi, the 23rd August 1976

No. 743.CA. 1/38-76—The Additional Deputy Comptroller & Auditor General (Comml.) has been pleased to promote the following Section Officers (Comml.) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in Column 3 with effect from the dates mentioned in Column 4 below, until further orders:—

Name of the S. Os (C)	Office where working before Promotion.	Office where posted on promotion as offg. A.O. (C).	Date of posting as officiating Audit Officer (Commercial)
1.	2.	3.	4.
S/Shri			
1. Hariharaputhran	A. G. Kerala Trivandrum	M. A. B. & Ex-officio DCA, Madras.	26-5-76 (F.N.)
2. Rama Shankar Dwivedi-I	On deputation with C.A. G's office.	A.G.-II Bihar, Patna	14-7-76 (F.N.)
3. Jagmohan Lal Goel	On deputation with Iron Ore Board, New Delhi.	A.G., H. P. & Chandigarh, Simla.	25-5-76 (F.N.)
4. Vinod Kumar Verma	On deputation with C.A. G's office.	Do.	13-7-76 (F.N.)

1	2	3	4
5. Ram Sewak Singh	A.G., U.P. Allahabad.	M.A.B. & E. O., DCA, Dehradun.	31-5-76 (F.N.)
6. Rama Shankar Dwivedi-II	On deputation with CAG's office.	Do.	12-7-76 (F.N.)
7. Rathis Das Gupta	M.A.B. & E.O. DCA, Calcutta.	M.A.B. & E.O. DCA, Calcutta.	17-5-76 (F.N.)
8. E. Selvaraj	A.G.-II Tamil Nadu, Madras.	M.A.B. & E.O. DCA, Bangalore.	31-5-76 (F.N.)
9. Sachindra Nath Naskar	M. A. B. & Ex-officio DCA, Calcutta.	A.G. Assam, Shillong.	25-6-76 (F.N.)
10. Abinash Chandra Sarkar	A.G. West Bengal Calcutta.	M.A.B. & E.O. DCA, Ranchi.	25-6-76 (A.N.)

S. D. BHATTACHARYA,
Deputy Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-1, the 7th August 1976

No. Admn.I/1038-XIV/2317.—The Accountant General, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from 9-8-76 or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office/Office of the Accountant General, Central until further orders :—

S/Shri

1. Ramesh Chandra Bhardwaj
2. Bimal Kumar Mukherjee I
3. Sunil Kumar Nath

Sri Ramesh Chandra Bhardwaj on completion of his joining time after reversion from his deputation assignment with the Ministry of Law & Justice, New Delhi on 31-7-76 and Sri Bimal Kumar Mukherjee I on being released from his deputation assignment as Asstt. Accounts Officer under Deptt. of Atomic Energy may report to Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General, Central for taking over charge as Accounts Officers against the vacancies arising due to deputation of Sri S. Guhathakurta, Accounts Officer & suspension of Sri B. C. Mondal, Accounts Officer in that office.

Sri Sunil Kumar Nath on being released by Sr. Dy. Accountant General (RA) of this office may report to the Sr. Dy. Accountant General (Works) of this office for final posting against the vacancy arising due to deputation of Sri N. C. Mukherjee, Accounts Officer therefrom.

The inter-se-seniority of the officers will be indicated in due course and will not depend on the dates of taking over charge as Accounts Officers.

B. BHATTACHARYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal

Calcutta-1, the 17th August 1976

No. Admn.I/1038-XIV/2507.—The Accountant General, West Bengal, has been pleased to appoint Shri Satyanarayan Ghosh, permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity w.e.f. the forenoon of 18-8-76 or any date thereafter on which he actually takes over charge as Accounts Officer in this Office until further orders.

The inter-se-seniority of the Officer in the Accounts Officer's grade will be indicated in due course.

GHANSHIAM DAS
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal

Calcutta-1, the 1st July 1976

O.O. No. LA/16(Admn. Series).—The Accountant General, West Bengal, has been pleased to appoint Shri Prankrishna Das, an officiating Section Officer of the Local Audit Department of this office to officiate as Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal in temporary capacity with effect from the forenoon of 1st July, 1976 until further orders.

SAMIR GUPTA
Examiner of Local Accounts
West Bengal

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, BIHAR

Ranchi, the 17th August 1976

No. OEI-Audo-2642.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Subhas Chandra Roy, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts officer in that office with effect from 20-7-76 (F.N.).

No. OEI-Audo-2645.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Jitendra Nath Bhaumik, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts officer in that office with effect from 12-7-76 (A.N.).

No. OEI-Audo-2648.—The Accountant General has been pleased to promote Shri Lala Sadhu Saran Prasad, a substantive Section Officer of his office to officiate until further orders as an Accounts officer in that office with effect from 12-7-76 (A.N.).

B. P. SINHA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Bihar

OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR, NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Gauhati-781011, the 31st July 1976

S.O.O. No. 37.—Shri S. R. Singh, a permanent S.R.A.S. Section Officer of this office at present working as Asstt. Finance Officer on Foreign Service in the Coal Mines Provident Fund Organisation, Dhanbad, has been granted proforma promotion in the Audit Officer's Grade Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/- under the Next Below Rule with effect from 26-4-76 (FN) until further orders.

2. Shri B. C. Dutta Khan, a permanent S.R.A.S. Section Officer of this office is promoted to the Audit Officer's Grade in this office with effect from 2-8-76 (AN) until further orders. He will relieve Shri S. K. Mukherjee, Audit Officer.

3. Shri S. K. Mukherjee, Audit Officer will be relieved on 2-8-76 (AN) in this office. He is directed to report to the Finance Officer, Aligarh Muslim University, Aligarh.

A. P. GHOSH
Chief Auditor

The 30th August, 1976

No. 3675/A-Admn/130/76.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint the under-mentioned substantive members of the S.A.S. to officiate as Audit Officers, until further orders, in the offices and from the dates noted against each:—

Sl. No.	Name	Office	Date
S/Shri			
1.	B. R. Khanna	Director of Audit, Defence Services, New Delhi.	14-7-76
2.	R. Ramachander	Sr. Dy. Director of Audit, Defence Services, Southern Command, Poona.	5-8-76

K. B. DAS BHOWMIK,
Sr. Dy. Director of Audit,
Defence Services.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

The 27th August 1976

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS, WEST BLOCK V, RAMAKRISH-
NAPURAM, NEW DELHI

New Delhi-110022, the 26th August 1976

No. 68012-A(3)/76-AN-II.—The President is pleased to appoint Shri R. Vijayaraghavan, Pt. Accounts Officer to officiate in the Junior time scale of the Regular Cadre of the Indian Defence Accounts Service with effect from 10th August, 1976 (FN) until further orders.

No. 10015/AN-II.—On attaining the age of 58 years, Shri Ved Kumar, an officer of the Indian Defence Accounts Service on deputation as Deputy Financial Adviser in the Defence Division of the Ministry of Finance (Department of Expenditure) will be transferred to the Pension Establishment and struck off the strength of the Department from 31-8-1976 (AN).

P. K. RAMANUJAM
Additional Controller General of Defence Accounts
(Admin.)

New Delhi, the 21st August, 1976

No. 40011(2)/76/AN-A.—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name and Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
Sarvashri				
1.	A. T. De (P/3)	Permanent Accounts Officer.	31-7-76	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2.	R. Ramaswamy, (P/114)	Permanent Accounts Officer.	28-2-77	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
3.	R. G. Vakankar, (P/456)	Permanent Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
4.	Madan Mohan Datta (P/561)	Permanent Accounts Officer.	28-2-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
5.	K. V. Aravamuthan, (P/563)	Permanent Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
6.	S. S. Sadagopan, (P/599)	Permanent Accounts Officer.	31-12-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
7.	T. M. Abraham (NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-7-76	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.
8.	Ram Singh Rooprow (NYA)	Officiating Accounts Officer.	30-11-76	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu Cantt.

Shri A. T. De, Permanent Accounts Officer was granted earned leave for 120 days from 3-4-76 to 31-7-76 pending his retirement.

Shri Ram Singh Rooprow, Officiating Accounts Officer has been sanctioned leave for 112 days from 11-8-76 to 30-11-76.

(2) The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of Shri D. Srinivasan, Accounts Officer (Roster No. 0/374) in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Officers) Poona on 22-6-1976.

Shri D. Srinivasan has accordingly been struck off the strength of the department with effect from 23-6-76 (FN).

S. V. SUBRAMANIAN
Dy. Controller General of Defence Accounts (AN)

3—246GI/76

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

Calcutta, the 19th August 1976

No. 61/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. Manager with effect from the date shown against him, until further orders:—

Shri R. C. Gupta, Pt. Dy. Manager—1st Nov., 1975,

No. 62/76/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Dy. Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri T. S. Grewal, Pt. Asstt. Manager—18th Aug., 1975.
2. Shri T. S. Kohli, Pt. Asstt. Manager—16th Aug., 1975.

No. 63/76/G.—The President is pleased to appoint undermentioned Officers as Offg. Asstt. Manager with effect from the date shown against them, until further orders :—

1. Shri B. D. KAPOOR, Pt. Foreman—16th Aug., 1975.
2. Shri G. R. BHATTA, Pt. Foreman—18th Aug., 1975.

No. 64/G/76.—The President is pleased to appoint the undermentioned officer as Offg. Deputy General Manager with effect from the date shown against him, until further orders :—

Shri S. R. Sabapathy, Permt. Manager—31st May, 1976.

The 24th August 1976

No. 65/76/G.—On expiry of leave preparatory to retirement, Shri P. Somasundaram, Offg. Deputy Manager (Subst. Permt. Foreman) retired from service with effect from 31st May, 1976/AN.

M. P. R. PILLAI
Assistant Director General, Ordnance Fys.

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 30th August 1976
IMPORTS AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/1146/76-Admn(G)/5491.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Aggarwal, I.A.S. formerly Secretary to the Lt. Governor, Mizoram as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the forenoon of 17-8-1976.

The 31st August 1976

No. 6/1149/76-Admn(G)/5532.—The President is pleased to appoint Shri Swaran Singh, a permanent Stenographer of Gr. II of the CSSS working in this office to officiate as Senior Personal Assistant (Grade I) of the CSSS in this office with effect from the forenoon of the 7th August, 1976, until further orders.

A. S. GILL
Chief Controller of Imports & Exports

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 25th August 1976

No. CER/1/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968, namely :—

In the said Notification in paragraph 1 the following shall be added as a 'Note' below item (i), namely :—

"Note.—The provisions of item (i) above shall apply to the production of controlled dhoti, controlled saree, controlled long cloth, controlled shirting and controlled drill produced by a producer having no spinning plant, for and on behalf of producers having spinning plant, for the purpose of fulfilment by the producer having a spinning plant or a group of such producers of his or their obligation under Clause 21A of the above said order."

No. CER/3/76.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the

Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969, namely :—

In the said Notification in item (3) of paragraph III, after the words "having no spinning plant", the words "other than the cloth mentioned in the note below item (i) of paragraph 1 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968" shall be inserted.

G. S. BHARGAVA
Joint Textile Commissioner

Bombay-20, the 24th August 1976

No. EST.I-2(472).—Shri C. V. Ramanathan, Assistant Director Gr. II (N.T.) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, retired from service from the afternoon of 31st July 1976 on attaining the age of superannuation.

C. R. NEELAKANTAN
Deputy Director

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 20th August 1976

No. E-11(7).—In this Department's Notification No. E-11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, in the entry ALFADYNE" for the figures and words "31st August 1976", the figures and words "30th September 1977" shall be substituted.

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 8th July 1976

No. A-1/42(35).—The President is pleased to appoint Shri A. Rajaram Rao, permanent Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) and officiating Asstt. Director (Admn.) (Gr. I) in the Dte. of Supplies & Disposals, Madras substantively to the permanent post of Asstt. Director (Admn.) (Gr. I) with effect from 8-2-1974.

The 26th July 1976

No. A-15/28(616)/76.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Kshetry, a permanent Grade I Officer of C.S.S. as Officer on Special Duty (Training) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi on *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 9th July, 1976, until further orders.

The 24th August 1976

No. A-1/1(1053).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri P. K. Basu, Superintendent (Supervisory Level II) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate as Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the Dte. of Supplies & Disposals, Calcutta with effect from 3-8-76 (F.N.) *vice* Shri S. K. De-Sarkar.

The 25th August 1976

No. A-1/1(494).—Shri S. K. Sarma, permanent Junior Progress Officer and officiating as Assistant Director (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1976 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

NOTICE

New Delhi, the 20th July 1976

E. No. A-8/A-4/1(02).—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service)

Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Om Prakash Tiwari, son of late Shri Somnath Tiwari, working as peon in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi, that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, published in the Gazette, as the case may be, whichever is earlier.

ADMN. SEC. A-6

New Delhi, the 21st July 1976

No. A-17011/96/76-A6.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri K. C. Swaminathan, Examiner of Stores (Engg.) in the Madras Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the same circle with effect from forenoon of 1st July, 1976 until further orders.

SURYA PRAKASH

Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 27th August 1976

No. 7/76/19A.—Shri T. C. Mukherjee, Artist, Geological Survey of India is appointed on promotion as Artist (Reprography Stream) by the Director General, Geological Survey of India in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 30th July, 1976, until further orders.

No. 8/76/19A.—Shri Becharam Mukherjee, Superintendent (D.O.), Geological Survey of India has been appointed on promotion as Artist (Geological Draughtsman stream) by the Director General, Geological Survey of India in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 31st July 1976, until further orders.

S. V. P. IYENGAR
Deputy Director-General
(Headquarters).

DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY

BOTANICAL SURVEY OF INDIA

CENTRAL OFFICE

Howrah-711103, the 21st August 1976

No. BSI-66/104/76-Estt.—On recommendation of the Union Public Service Commission, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, appoints Dr. Maheshchandra Jayantilal Kothari to the post of Botanist, Western Circle, Botanical Survey of India, against an unreserved vacancy *vice* Shri M. Y. E. Ansari (promoted on *ad-hoc* basis to the post of Systematic Botanist) on a pay of Rs. 650/- in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 plus usual allowances as admissible under rules, with effect from the forenoon of 8th July, 1976, until further orders.

D. G. MOOKERJEE
Sr. Administrative Officer.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 21st August 1976

No. 6(83)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. V. Seshachala, Transmission Executive All India Radio, Bangalore as Programme Executive, All India Radio, Mangalore in a temporary capacity with effect from the afternoon of 23rd July, 1976 and until further orders.

No. 6(118)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri G. A. Thiagaraj, Transmission Executive, All India Radio, Tiruchirappalli as Programme Executive, All India Radio, Madras in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 16th July, 1976 and until further orders.

No. 6(122)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri R. N. Singh, Transmission Executive, All India Radio, Gorakhpur as Programme Executive, AIR, Gorakhpur in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 8th July, 1976 and until further orders.

No. 6(64)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. L. Sarin, Transmission Executive, Radio Kashmir, Jammu as Programme Executive, Radio Kashmir, Jammu in a temporary capacity with effect from the 3rd July, 1976 and until further orders.

No. 5(61)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. B. Saxena, Transmission Executive, Radio Kashmir, Jammu as Programme Executive, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 5th August, 1976 and until further orders.

No. 6(62)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri C. V. Raghavan, Transmission Executive, All India Radio, Port Blair as Programme Executive, AIR, Calicut in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 4th August, 1976 and until further orders.

No. 6(120)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. B. Kar, Transmission Executive, All India Radio, Gauhati as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 3rd July, 1976 and until further orders.

No. 6(123)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. M. Pathak, Transmission Executive, All India Radio, Ahmedabad as Programme Executive, All India Radio, Baroda in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of 2nd July, 1976 and until further orders.

No. 6(116)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. K. Bhattacharjee, Transmission Executive, All India Radio, Gauhati as Programme Executive, All India Radio, Gauhati in a temporary capacity with effect from the 3rd July, 1976 until further orders.

No. 6(121)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. D. Chatterji, Transmission Executive, All India Radio, Calcutta as Programme Executive, All India All India Radio, Tiruchirappalli as Programme Executive, All Radio, Calcutta in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 3rd July 1976 and until further orders.

The 25th August 1976

No. 5(36)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. N. Banerjee, Transmission Executive, All India Radio, Port Blair as Programme Executive, All India Radio, Port Blair in a temporary capacity with effect from the 6th July, 1976 and until further orders.

No. 6(112)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri V. R. Mhaske, Transmission Executive Central Sales Unit, All India Radio, Bombay as Programme Executive, All India Radio, Panaji in a temporary capacity with effect from the 30th July, 1976.

The 27th August 1976

No. 5(92)/67-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Motea Ahmad, Transmission Executive Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Patna as Programme Executive, All India Radio, Patna in a temporary capacity with effect from the 3rd July, 1976 and until further orders.

No. 6(119)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. C. Uppin, Transmission Executive, All India Radio, Pune as Programme Executive, All India Radio, Ratnagiri in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from the 28th July, 1976 and until further orders.

The 30th August 1976

No. 10/3/76-SIII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Sarangarajan, Senior Engineering Assistant, All India Radio, Cuddapah to officiate in the grade of Assistant Engineer at All India Radio, Agartala with effect from 28th July, 1976 (F.N.) until further orders.

P. K. SINHA,
Deputy Director of Administration,
for Director General

New Delhi, the 25th August 1976

No. 12/7/75-Vig./SII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Smt. Aji N. Parimala, Training Officer (Lady), Farmers Training & Education Centre, Kudige, Coorg District as Farm Radio Officer (Home) (Female) in the Directorate General, All India Radio, New Delhi in a temporary capacity with effect from 26th July 1976 (F.N.) until further orders.

The 30th August 1976

No. 12/8/75-Vig/SII.—Director General, All India Radio hereby appoints Shri Mani Kumari Dong, Sub-Divisional Agricultural Officer, Kurseong, District Darjeeling as Farm Radio Officer at All India Radio, Kurseong with effect from the forenoon of 22nd June 1976 in a temporary capacity until further orders.

S. V. SESHADRI,
Deputy Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING FILMS DIVISION

Bombay-400026, the 16th August 1976

No. 8/33/50-Est.I.—The Additional Chief Producer, Films Division has appointed Shri V. R. Peswani, Officiating Superintendent in the Films Division, Bombay, to officiate as Asstt. Administrative Officer in the same office with effect from the forenoon of the 9th August, 1976 *vice* Shri M. Chandran Nair, Asstt. Administrative Officer granted leave.

M. K. JAIN,
Administrative Officer
for Addl. Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 24th August 1976

No. A-31014/1/73-Est.II.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri Ram Pat Choudhary in substantive capacity in the post of Assistant Engineer (Models) in this Directorate with effect from 2nd August, 1976.

R. DEVASAR,
Deputy Director (Admn.),
for Director of Advertising and Visual Publicity

New Delhi-1, the 31st August 1976

No. A-31014/5/75-EST.I.—The Director of Advertising and Visual Publicity is pleased to appoint Shri P. R. Kohli substantively to the grade of Accounts Officer in this Directorate with effect from the 26th August, 1976.

S. L. BHARDWAJ (Smt.)
Section Officer,
for Director of Advertising and Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 20th July 1976

No. A. 22012/1/76-CGHS. I.—Consequently on the transfers of following medical Officers from CGHS, Meerut, they assumed charge of their posts as noted below under CGHS, Delhi :—

S. No.	Name of Medical Officer	Date of relinquishment of charge from CGHS, Meerut	Date of assumption of charge in CGHS, Delhi
1.	Dr. (Mrs.) D. Laihiri G.D.O. Grade I.	1-6-76	3-6-76 (GDO Gr. I)
2.	Dr. A. K. Laihiri G.D.O. Grade I.	1-6-76	7-6-76 (GDO Gr. I)

The 30th August 1976

No. 20-88/74-CGHS.I.—Consequent on the expiry of period of her *ad hoc* appointment Dr. (Mrs.) Vasantha Nath, G.D.O. Grade II she ceased to be in service under the Govt. of India with effect from 28th February 1975.

The 31st August 1976

No. 20/6(2)/75-CGHS.I.—Consequent on acceptance of resignation Dr. K. B. Shah, Junior Medical Officer (*ad hoc*), under C.G.H.S., Delhi, relinquished charge of his post of Junior Medical Officer, on the 21st October, 1975 (afternoon).

The 1st September 1976

No. 20/1(26)/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. M. D. Goswami to the post of Ayurvedic Physician in the Central Govt. Health Scheme at Patna on temporary basis with effect from the forenoon of 12th August, 1976.

R. K. JINDAL,
Dy. Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 20th August 1976

No. A-12023/8/76(CHEB)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri V. R. Shankar Singh to the post of Health Education Officer (Field Study and Demonstration Centre), Central Health Education Bureau,

Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of 26th July, 1976, on an *ad hoc* basis and until further orders.

New Delhi, the 20th August 1976

No. A. 12025/9/76(CGHS)/Admn.I.—Dr. (Smt.) Rama Bhatia relinquished charge of the post of Dental Surgeon in the Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 9th August, 1976.

No. 26-17/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. A. K. Chakravarty, Research Officer (Veterinary) at the National Institute of Communicable Diseases, Delhi to the post of Assistant Director (Non-Medical Veterinarian) in the Kala-Azar Unit N.I.C.D. Patna on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 21st July, 1976 and until further orders.

2. Consequent on his appointment as Assistant Director (Non-medical) (Veterinarian) at the Kala-Azar Unit, N.I.C.D. Patna, Dr. A. K. Chakravarty relinquished charge of the post of Research Officer (Veterinary) at the N.I.C.D., Delhi with effect from the afternoon of 12th July, 1976.

The 21st August 1976

No. A. 12025/4/76-D.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Hinnaria, Technical Officer in the Office of the Assistant Drugs Controller (India), Bombay to the post of Deputy Drugs Controller (India), Scheme for the Training of Drugs Inspectors, Bombay, w.e.f. the forenoon of the 12th July, 1976 and until further orders.

Consequent on his appointment to the post of Deputy Drugs Controller (India), Scheme for the Training of Drugs Inspector, Bombay, Shri R. P. Hinnaria relinquished charge of the post of Technical Officer, in the Office of the Assistant Drugs Controller (India) Bombay, on the forenoon of the 12th July, 1976.

The 25th August 1976

No. 27-3/75-Admn.I.—The President is pleased to permit Dr. Rajinder Pal previously Deputy Director at the N.M.E.P., Delhi, [who was holding the post of Assistant Director (Ent) on a permanent basis] to retire from Govt. Service with effect from the afternoon of the 9th October, 1969, on attaining the age of 50 years, under F.R. 56(K).

The 26th August 1976

No. A. 22013/1/76-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. Srinivasan, Senior Personal Assistant (Grade I of the C.S.S.S.) to the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services, with effect from the forenoon of 2nd August, 1976, and until further orders.

2. Consequent on his appointment to the post of Section Officer, Shri R. Srinivasan relinquished charge of the post of Senior Personal Assistant (Grade I of the C.S.S.S.) with effect from the forenoon of 2nd August, 1976.

The 28th August 1976

No. A. 32013/7/76(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Sharma, Architect, Directorate General of Health Services, New Delhi to the post of Senior Architect in the same Directorate on an *ad-hoc* basis w.e.f. the 14th July, 1976, to the 30th August, 1976, *vice* Shri R. N. Pawar on leave.

Consequent on his appointment to the post of Senior Architect Shri D. R. Sharma relinquished charge of the post of Architect in this Directorate on the forenoon of the 14th July, 1976.

S. P. JINDAL,
Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 19th August 1976

No. A. 22013/19/76-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. T. Krishna Murthy, an officer of G.D.O. Grade II of the C.H.S., relinquished charge of the post of Junior Medical Officer, C.G.H. Scheme, Bombay, on the afternoon of the 12th July, 1976, and assumed charge of the post of Junior Medical Officer (G.D.O. Gr. II of the CHS) in the C.G.H. Scheme, Hyderabad, on the forenoon of the 19th July, 1976.

P. L. JOSHI,
Dy. Director Admn. (CHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 25th August 1976

No. F. 2-11/71-Estt.(I).—Shri P. C. Chaudhary, officiating as Assistant Exhibition Officer (Grade I), Group B, Gazetted, on *ad-hoc* basis, relinquished charge of that post with effect from the forenoon of the 5th July, 1976.

W. M. KAILASH,
Dy. Director of Administration
for Director of Administration

DELHI MILK SCHEME

New Delhi, the 25th June 1976

No. 5-1/75-Estt. (Spl.).—Shri K. B. L. Bhatnagar is appointed substantively to the permanent post of Shift Transport Engineer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—FB—40—1200 in the Delhi Milk Scheme with effect from 13-3-1972.

A. MOHAN LAL, Chairman.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

(Personnel Division)

Bombay-400085, the 13th May 1976

No. PA/81(130)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vinaykumar Vishnupant Malthankar, an officiating Foreman in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer—Grade SB in the same Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

The 27th May 1976

No. PA/81(42)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Prabhakar Vishnu Narurkar, a permanent Scientific Assistant (B) and officiating Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer Engineer—Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1976, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-85, the 25th August 1976

No. V/415/Med/Est.IV/6384.—In continuation of this Research Centre's Notification No. V/415/Med/Est.IV dated May 29, 1976, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Tara Ramchandra Valsangkar, a permanent Assistant Matron to officiate as Matron in this Research Centre for a further period from 6-6-1976 to 21-6-1976 *vice* Smt. Chacko, Matron who has been granted extension of leave.

M. K. S. SUBRAMANIAN,
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 26th August 1976

No. B/620/Accts/EG/1646.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Shankar Vishnu Bhawe, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in this Research Centre during the following period against leave vacancies.

- (1) October 15, 1975 to January 27, 1976
- (2) February 16, 1976 to March 26, 1976.

S. RANGANATHAN,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Tarapur-401504, the 31st July 1976

No. TAPS/ADM/947.—On posting by the Cadre Authority, Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy, appoints Shri K. Gopal, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in the Tarapur Atomic Power Station as Accounts Officer-II in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the afternoon of July 29, 1976 and until further orders. He relinquished his charge of Assistant Accounts Officer with effect from 29-7-1976(AN).

K. V. SETHUMADHAVAN,
Chief Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 8th August 1976

No. RRC-II-1(25)/72-9628.—Consequent upon his selection for inclusion in the Centralised Cadre of Assistant Personnel Officers Assistant Administrative Officers of the Department of Atomic Energy, Project Director, RRC hereby appoints Shri Ayyaswamy Subramanian, a permanent Steno-

grapher Grade II of Atomic Minerals Division and officiating Senior Stenographer of this Centre as an officiating Assistant Administrative Officer in the Reactor Research Centre with effect from the forenoon of July 8, 1976 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN,
Sr. Administrative Officer

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 12th August 1976

No. PPED/3(235)/76-Adm.9904.—Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk in this Division who was appointed as Asstt. Personnel Officer on an *ad hoc* basis with effect from the afternoon of October 4, 1975 *vide* this office notification of even number dated February 3, 1976 relinquished the charge of the post of Asstt. Personnel Officer with effect from the afternoon of March 30, 1976 before proceeding on leave.

The 24th August 1976

CORRIGENDUM

No. PPED/3(235)/76-Adm.10262.—In this Division's notification of even number dated August 12, 1976, the words appearing in the last line *viz.*, "before proceeding on leave", may be treated as deleted.

N. G. PARULEKAR,
Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 23rd August 1976

No. PAR/1704/1523.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri V. R. Vijayan, an Industrial Permanent Stenographer (Sr.) and officiating Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in Stainless Steel Seamless Tube Plant, Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, with effect from 21st July 1976, until further orders.

S. P. MHATRE,
Senior Administrative Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 19th August 1976

Ref. No. HWP/Estt./1/V-22/5186.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Munkund Vaidya, officiating Assistant Accounts Officer, Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Accounts Officer II in Heavy Water Project (Baroda) from April 19, 1976 (FN) to May 23, 1976 (AN), *vice* Shri R. B. Kulkarni, Accounts Officer II, granted leave.

The 19th August 1976

Ref. No. HWP/Estt./1/D-3/518.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects appoints Shri Kishorchandra Mathuradas Dhandha, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant of Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Baroda) from January 31, 1976 (FN) to April 14, 1976 (AN) *vice* Shri C. R. Valia, Assistant Accounts Officer, repatriate to TAPS. This issues in partial modification of this office notification No. HWP/Estt./1/D-3/1057, dated February 18, 1976.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 21st June 1976

Ref. No. MRPU/200(14)/76-Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri H. Ganapathy, an

officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer, Central Stores Unit, Madras Atomic Power Project, Kalpakkam of Directorate of Purchase and Stores in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 6, 1976 until further orders.

The 17th August 1976

Ref. No. MRPU/200(105)76/Adm.—The Director, Purchase and Stores is pleased to appoint Shri K. Unnikumar, an officiating Storekeeper in the Directorate of Purchase and Stores as Assistant Stores Officer, Transport and Clearance Wing of Madras Regional Purchase Unit, of Directorate of Purchase and Stores in an officiating capacity with effect from 12th July 1976 to 13th August 1976 (AN).

S. RANGACHARY,
Purchase Officer

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Aunshatki-323303, the 26th August 1976

No. RAPP/Aectt./9(12)/76/883.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint Shri V. Rajagopalan, a quasi-permanent Upper Division Clerk and officiating Selection Grade Clerk in Madras Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in this Project in a temporary capacity with effect from the Forenoon of 16th August 1976, until further orders.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E)

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 6th August 1976

No. 10/3(13)/76-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engg. Division, Department of Space is pleased to appoint on deputation from Tamil Nadu Water Supply and Drainage Board, Madras, Shri AS Pious as Engineer SB in Civil Engineering Division, Department of Space in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1st July 1976 and until further orders.

PIU NAMBIAR,
Administrative Officer II,
for Chief Engineer

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 21st August 1976

No. E(I)04348.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri D. R. Malik, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 6th August 1976 to 2nd November 1976.

Shri Malik, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)04212.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. V. Subrahmanyam, Prof. Assistant, Visakhapatnam C.W.C. under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Eightynine days with effect from the forenoon of 21st July 1976 to 17th October 1976.

Shri Subrahmanyam, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to C.W.C. Visakhapatnam, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Madras.

No. E(I)07161.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Onkari Prasad, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 9th August 1976 to 5th November 1976.

Shri Onkari Prasad, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)05132.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri M. L. Ghose, of the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, who was appointed to officiate as Assistant Meteorologist upto 17th August 1976, to officiate as Assistant Meteorologist for a further period of fourteen days with effect from the forenoon of 18th August 1976 to 31st August 1976.

Shri Ghose, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 27th August 1976

No. E(I)06059.—The Director, General of Observatories hereby appoints Shri S. C. Gupta, Prof. Assistant, Headquarters office of the Director General of Observatories New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 17th August 1976 to 13th November 1976.

Shri Gupta, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

No. E(I)03745.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. R. Biswas, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Patna under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, to officiate as Assistant Meteorologist for a period of Sixty days with effect from the forenoon of 15th July 1976 to 12th September 1976.

Shri Biswas, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Meteorological Centre, Patna, under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)04267.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. K. E. Raja, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories, (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 16th August 1976 to 12th November 1976.

Shri Raja, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting) Poona.

The 30th August 1976

No. E(I)06280.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Bhawani Datt, Prof. Assistant, Meteorological Centre, Srinagar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 22nd July 1976 to 18th October 1976.

Shri Bhawani Datt, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the Meteorological Centre, Srinagar under the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(I)04318.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri H. R. Ganesan, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics) Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 16th August 1976 to 12th November 1976.

Shri H. R. Ganesan, Officiating Assistant Meteorologist remains posted to the office of Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics) Poona.

No. E(I)04296.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri R. N. Sen, Professional Assistant, office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi, as Assistant Meteorologists in an officiating capacity for a period of EIGHTYNINE days with effect from the forenoon of 9-8-76 to 5-11-76.

Shri R. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist, remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi.

No. E(I)05868.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Chander Parkash, Professional Assistant,

Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi, to officiate as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eightynine days with effect from the forenoon of 19th August 1976 to 15th November 1976.

Shri Chander Parkash, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,

for the Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 27th August 1976

No. A.38012/1/75-EC.—Shri V. Srinivasan, Technical Officer in the office of the Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras relinquished charge of his office on the 31st July 1976 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

H. L. KOHLI,
Dy. Director (Admn.)

New Delhi, the 19th August 1976

No. A-32013/3/76-EH.—The President is pleased to appoint Shri B. Hajra, Controller of Aerodromes, Calcutta to the post of Regional Director, Delhi Region, on a purely *ad hoc* basis with effect from the 11th June 1976 to 31st July 1976 (Afternoon), *vide* Shri S. D. Bahl, Regional Director, (Delhi Region) who was attending an International Civil Aviation Organisation Fellowship in the United States of America.

T. S. SRINIVASAN,
Assistant Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE CUSTOMS

Allahabad, the 23th August 1976

No. 52/1976.—Shri C. P. Sharma, Officiating Superintendent of Central Excise, Group B, posted as Superintendent Central Excise, Sambhal in the Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, handed over the charge of the office of the Superintendent Central Excise, Sambhal, on 30th June 1976 (afternoon) to Shri R. C. Mathur, Superintendent, Central Excise Integrated Divisional Office, Moradabad, and retired from Government Service with effect from the said date and hours. Shri R. C. Mathur, Superintendent Central Excise will hold additional charge of the office of the Superintendent, Central Excise, Sambhal, till further orders.

The 28th August 1976

No. 67/76.—Shri Virendra Pal Sinha, Officiating Superintendent of Central Excise, Group B, posted in the Central Excise Integrated Divisional Office, Bareilly on expiry of leave preparatory to retirement from 2nd February 1976 to 31st May 1976, has retired from Government Service with effect from 31st May 1976 (afternoon).

H. B. DASS,
Collector

Shillong, the 27th August 1976

No. 3/76.—Shri Brojindra Ch. Bhattacharjee a permanent Inspector (S.G.) Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to Officiate as Superintendent Group 'B' until further orders. Shri Bhattacharjee assumed charge as Superintendent Group 'B', Customs and Central Excise, Dhubri on 30th July 1976 (F.N.).

No. 4/76.—Shri Ataur Rahman Hazarika a permanent Inspector (S.G.), Customs and Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to Officiate as Superintendent Group 'B' until further orders. Shri Hazarika assumed charge as Superintendent Group 'B', Customs and Central Excise, Tinsukia II Range on 30th July 1976 (F.N.).

K. S. SAHA, Collector

Kanpur, the 30th August 1976

No. 80/76.—Sri H. C. Taya, 1, Superintendent, Central Excise, Group 'B' Hardwar handed over the charge of the office of Superintendent, Central Excise, Hardwar in the afternoon of 31st March 1976 to Sri O. P. Mohan, Supdt. C. Ex. Dehradun and retired from Government service w.e.f. from 31st March 1976 (AN) on attaining the age of superannuation.

K. S. DILIPSINHJI,
Collector

DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 24th August 1976

C. No. 10/76.—Shri J. N. Gaur lately posted as Superintendent of CE Group B in Delhi Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II (Group B) in the Headquarters office of the DICCE at New Delhi on 11th August 1976 (Forenoon).

S. VENKATARAMAN,
Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 21st August 1976

No. A-19012/607/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri S. K. Jain, Design Assistant as Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 19th July 1976, until further orders.

Shri S. K. Jain assumed charge of the office of Extra Assistant Director/Assistant Research Officer/Assistant Engineer in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 24th August 1976

No. A-12017/3/76-Adm.V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/3/76-Adm.V, dated the 18th March 1976, The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ch. Bhujanga Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on purely temporary and ad hoc basis for a further period upto 31st December 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 26th August 1976

No. A-19012/613/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri G. S. Nair, Design Assistant as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 4th August 1976, until further orders.

Shri G. S. Nair assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 30th August 1976

No. A-19012/617/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri Buta Singh, Supervisor as Extra Assistant Director in the Central Water Commission on a purely temporary and ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, with effect from the forenoon of 2nd August 1976, until further orders.

Shri Buta Singh assumed charge of the office of the Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH, Under Secy.
for Chairman

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 27th August 1976

No. 74/RE/161/1.—It is hereby notified for the general information of all users of Railway lines and premises that A. C. Overhead Traction Wires will be energised on 25 KV on or after 1-9-1976 in the Section New Yamuna Bridge (Excl.) to Tughlakabad Yard (Incl.) via Goods Avoiding line (from Structure No. 1533/GAL-6 and GAL-7 to Structure No. 1520/T-1) and also Badarpur Thermal Power House Siding (upto Structure No. 4/1081). On and from the same date, the overhead traction line shall be treated as live at all times, and no unauthorised persons shall approach or work in the proximity of it.

B. MOHANTY,
Secretary, Railway Board

INTEGRAL COACH FACTORY

GENERAL MANAGER'S OFFICE PERSONNEL

BRANCH/SHELL

Madras-38, the 20th August 1976

No. PB/GG/9/Misc.II.—Sri S. SANKARALINGAM, Officiating Works Manager/Electrical (SS) (*ad-hoc*) has been reverted as Temporary Assistant Electrical Engineer/ Maintenance from 10-7-1976 A.N.

Sri R. SARANGARAJAN, Officiating Additional Finance Adviser and Chief Accounts Officer, Northern Railway on transfer to this Administration took over the charge of the post of Financial Adviser and Chief Accounts Officer in S.A. level II grade from 19-7-76 A.N., *vice* Sri M. B. Jagannath granted 46 days leave.

Sri J. NATARAJAN, Office Superintendent Grade I (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Controller of Stores/Depot/Shell (Class II) on *ad-hoc* basis with effect from 21-7-1976.

Sri A. K. GANESH, Officiating Shop Superintendent (Class III) has been promoted to officiate as Assistant Production Engineer/Progress/Shell (Class II) on *ad-hoc* basis with effect from 22-7-1976 A.N.

S. SUBRAMANIAN,
Deputy Chief Personnel Officer
For General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

(PERSONNEL BRANCH)

Pandu, the 25th August 1976

No. E/55/III/92(O).—Shri A. K. Kapoor who was appointed as a Probationer in the Signal Engineering Department of the Superior Revenue Establishment of Indian Railways is confirmed in the Junior Scale with effect from 16-11-75.

H. L. VERMA,
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTERAR OF COMPANIES

Cuttack, the 17th August 1976

Notice under Section 560(4) of the Companies Act, 1956
and

In the matter of M/s Koshal Industrial Development
Syndicate Ltd.

No. A.243/76-1676 (2).—Whereas M/s Koshal Industrial Development Syndicate Ltd. having its registered office at Bolangir, is being wound up.

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no Liquidator is acting and that statement of Account (Returns) required to be made by the Liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now therefore in pursuance of the provision of sub-section (4) of section 560 of the companies Act 1956 (I of 1956) notice is hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of M/s. Koshal Industrial Development Syndicate Ltd. will unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

C. R. DAS,
Registrar of Companies, Orissa

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Talma Valley Agriculture Corporation Limited.*

Calcutta, the 18th August 1976

No. 18377/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Talma Valley Agriculture Corporation Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Household Industries Private Limited.*

Calcutta, the 18th August 1976

No. 23863/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Household Industries Private Limited unless

cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. C. NATH,
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Hargaon Sugar Mills Limited.*

Bombay, the 18th August 1976

No. 16455/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Hargaon Sugar Mills Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s Paradise Industries Private Limited.*

Ahmedabad, the 21st August 1976

No. 1071/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Paradise Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies,
Gujarat

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 3rd July 1976

ORDER NO. 44/GO

1976-77

No. Est. I/Promotions/I. T. Os (II)/76-77/11094.—The following Inspectors are promoted to officiate as Income-tax Officer, Class II, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-F.B.-40-1200, with effect from the date they take over as such till further orders :—

1. Shri T. P. Jain.
2. Nanki Avatramani (Miss).

2. These promotions are being made against the vacancies caused by :—

- (i) Officer missing without intimation.
- (ii) Officers under suspension.

It is clarified and should be noted by the Inspectors being promoted that in the event of return to duty after prolonged absence or re-instatement of the officer/s concerned, the promoted Officers will have to revert to the post of Inspector, if there is no other vacancy available at that time.

3. Consequent upon the above promotions, the following postings and transfers of Income-tax Officers are ordered with immediate effect.

S. No.	Name of the Officer	Presently posted as	Now posted as	Remarks
1	2	3	4	5
1.	S/Shri T. P. Jain	Newly promoted.	I.T.O.P.S.C. IV.	Vice Sh. Gobind Ram transferred.
2.	Gobind Ram	I.T.O.P.S.C. IV.	I.T.O. (O & C. II)	Vice Sh. A. L. Garg transferred.
3.	A. L. Garg	I.T.O. (O & C. II)	I.T. O. Distt. III (8).	Vice Sh. K. B. Gombar transferred.
4.	K. B. Gombar	I.T.O. Distt. III (8).	Chief Auditor.	Vice Shri S. N. Tandon, proceeded on leave.
5.	Shib Lal	I.T.O. Chartered Accountants' Circle.	I. T. O. Distt. III (18).	Vice Sh. Balwant Singh transferred.
6.	Balwant Singh	I.T.O. Distt. III (18).	I.T.O. Distt. III (16) Addl.	Vice Miss Rupinder Chawla, transferred.
7.	Rupinder Chawla (Miss).	I.T.O. Distt. III (16) Addl.	I.T.O. Chartered Accountants' Circle.	Vice Sh. Shib Lal transferred.

1	2	3	4	5
8. N. K. Mittal	T. R. O. XVII.	I.T.O. (Distt. III (12).	Vice Miss Pamella Bhalla transferred.	
9. Pamella Bhalla (Miss.)	I.T.O. Distt. III (12).	Services placed at the disposal of C.I. T. (II)	Vice Sh. Rajeshwar Tyagi, transferred.	
10. D. R. Jindal	I.T.O. Distt. II (2).	T.R.O. XVII.	Vice Sh. N. K. Mittal transferred.	
11. Chuni Lal	T.R.O. IX.	I.T.O. Distt. II(14). & II(2) as addl. charge.	Vice Sh. O. P. Mukhija transferred.	
12. O. P. Mukhija	I.T.O. Distt. II (14).	T.R.O. IX.	Vice Sh. Chuni Lal transferred.	
13. D. S. Rastogi	I.T.O. 3rd Adl. Sal. Cir.	I.T.O. Distt. V (9)	Relieving miss Divjot Kaur of the additional charge being held by her in the leave arrangement of Miss Sunita Ganda.	
14. Nanki Avatramani (Miss.)	Newly promoted.	I.T.O. 3rd Adl. S.C.	Vice Sh. S. D. Rastogi transferred.	
15. Sunita Ganda (Miss).	I.T.O. Distt. V (9)—on return from leave.	I.T.O. Spl. Cir. XII	Relieving Sh. S. S. Malik I.T.O. Spl. Cir. XI of the additional charge.	
16. Hari Narain	On return from leave.	I.T.O. (Judl.—II)	Vice Sh. S. P. Jain proceeded on leave.	

AVTAR SINGH,
Commissioner of Income-tax, Delhi I,
New Delhi.

Bombay, the 13th August 1976

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

No. 137.—In exercise of the powers conferred by the sub-section (2) of the section 117 of I.T. Act, 1961 (Act 43 of 1961), I Shri V. Ramaswami Iyer, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to Officiate as Income-tax Officers Class-II with effect from the date shown against their name and until further orders.

1. Shri R. S. Sawant, Inspector, DDI (Int) office, Bombay —31-5-76 (FN)
2. Shri P. S. Balakrishnan, Insp., Audit Office, Bombay —31-5-76 (FN)
3. Shri G. S. Patwardhan, Insp., E.D. Office, Bombay —31-5-76 (FN)
4. Shri D. Krishnaswami, Insp., Spl. Circle, Bombay —14-6-76 (FN)

5. Shri P. K. P. Nair, Inspector, D-I Ward, Bombay —1-6-76 (FN)

6. Shri M. P. Chudji, Inspector, G-Ward, Bombay —1-6-76 (FN).

7. Shri S. R. Dixit, Inspector, SB-II, Bombay—1-6-76 (FN)

2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad.V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.

3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

V. RAMASWAMI IYER
Commissioner of Income-tax,
Bombay City-I, Bombay

FORM ITNS—

(1) Smt. Harjit Gulati w/o S. Maan Singh, Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Mohinder Singh s/o S. Nanak Singh, Bagh Jhanda Singh, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.(3) At as S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Amritsar, the 11th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/41/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion of Kothi No. 20 & 20A, situated at Amritsar Cantt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax persons, namely :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Portion of Kothi No. 20 & 20A Amritsar Cantt as mentioned in the Registered Deed No. 2703 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. ASR/42/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion of Kothi No. 20 & 20A, situated at Amritsar Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Tajinder Kaur Wd/o Shri Sawinder Singh, Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Satwant Kaur w/o Shri Surjit Singh Bagh Jhanda Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of Kothi No. 20 & 20A Amritsar Cantt as mentioned in the Registered Deed No. 2702 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-6-76
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri R. B. Jodha Mal Kuthiala & Co (P) Ltd.,
Pathankot through Shri Balkrishan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. PKT/45/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Property, situated at College Road, Pathankot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Surinder Singh s/o Shri Labh Singh s/o Shri Hari Singh Timber Merchants, College Road, Pathankot (Partner M/s Baldev Singh Surinder Singh, Timber Merchant, Dhangu Road, Pathankot).

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2614 of March, 1976 of the Registering Authority Pathankot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. FZR/47/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Malwal Road, Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Faqir Chand, Amir Chand ss/o Shri Labhu Ram s/o Gumani Mal r/o Kanshi Nagri, Ferozepur City.
(Transferor)
- (2) S/Shri Subhash Chander, Ashok Kumar ss/o Shri Manohar Lal s/o Shri Ram Sarma Dass Joshi, Shri Narinder Kumar or Narinder Nath s/o Shri Ram Nath s/o Shri Mohan Lal Sharma r/o Mohalla Tabli, Ferozepur City.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4379 of March, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 11-6-76
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. FZR/48/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land, situated a Malwal Road, Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur in March 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Faqir Chand, Amir Chand ss/o Shri Labhu Ram s/o Gumanj Mal r/o Kanshi Nagri, Ferozepur City.

(Transferor)

- (2) S/Shri Subhash Chander, Ashok Kumar ss/o Shri Manohar Lal s/o Shri Ram Saran Dass Joshi, Shri Narinder Kumar or Narinder Nath s/o Shri Ram Nath s/o Shri Mohan Lal Sharma r/o Mohalla Tahli, Ferozepur City.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 4329 of March, 1976 of the Registering Authority, Ferozepur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. FZR/49/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/8th property, situated at (Makhu) V. Bulo ke. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Zira in March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sushil Kumar s/o Shri Amrit Lal s/o Shri Ram Nath r/o Makhu, Teh. Zira.
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal s/o Shri Behari Lal s/o Shri Bahadar Mal r/o Makhu Teh. Zira.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th property on the Junction of Amritsar Zira road and Jullundur Road, Makhu as mentioned in the registered deed No. 4944 of March, 1976 of the registering Authority, Zira.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sushil Kumar s/o Shri Amrit Lal s/o Shri Ram Nath r/o Makhu Teh. Zira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kuldip Rai s/o Shri Hans Raj s/o Shri Mathra Dass Shri Surinder Pal s/o Shri Babu Ram s/o Shri Mathra Dass r/o Makhu Teh. Zira.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. FZR/50/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/8th property situated at (Makhu) V. Bulu ke (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Zira in March 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15—246 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/8th property on the junction of Amritsar Zira road and Jullundur Road, Makhu as mentioned in the registered deed No. 4945 of March, 1976 of the registering authority, Zira.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 11th June 1976

Ref. No. ASR/51/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Rayya (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Baba Bakala in March 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) Shri Bakshish Singh s/o Shri Udham Singh Jat r/o V. Bhoola Nangal Sub. Tehsil Baba Bakala District Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o Shri Mohinder Singh s/o Mehanga Singh r/o Jullowal now r/o Raya Kalan. Shri Jaspal Singh s/o Shri Santokh Singh s/o Mohinder Singh, Smt. Paramjit Kaur d/o Shri Naranjan Singh w/o Sucha Singh s/o Mohinder Singh r/o Jullowal now r/o Rayya Kalan.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1998 of March, 1976 of the Registering Authority, Baba Bakala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Bakshish Singh s/o Shri Udham Singh Jat r/o V. Bhoola Nangal Teh. Baba Bakala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Tirlok Singh s/o Shri Mohinder Singh, Shri Mohinder Singh s/o Shri Mehanga Singh r/o V. Jul-lawal now r/o Rayya Kalan Teh. Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) of impugned shops (1) Dr. Vijay Partap and (2) Sh. Ram Lubhaya.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Amritsar, the 11th June 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. ASR/52/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Rayya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in March, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1969 of March, 1976 of the Registering Authority, Baba Bakala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 11-6-76

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharam Paul s/o Shri Rattan Chand 50 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th August 1976

Few. No. ASR/66/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Islamabad, Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri M/s R. B. Textiles, Islamabad, Amritsar through Shri Raj Kumar s/o Shri Jagan Nath Seth r/o Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2726 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th Aug. 1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Dharam Paul s/o Shri Rattan Chand 50 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 28th August 1976

(2) M/s. Gopal Krishan Woollen Mills, Islamabad, Amritsar through Shri Gopal Krishan, partner.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2727 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th Aug. 1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Dharam Paul s/o Shri Rattan Chand 50 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Radha Raman and Gopal Krishan ss/o Shri Jagan Nath, Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Amritsar, the 28th August 1976

Ref. No. ASR/68/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Islamabad, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2725 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28-8-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Dharam Paul s/o Shri Rattan Chand, 50 Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajinder Seth s/o Shri Jagan Nath Seth r/o Kt. Sher Singh, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 28th August 1976

Ref. No. ASR 69/76-77.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Islamabad Amritsar. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2724 of January, 1976 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th August, 1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 28th August 1976

Ref. No. ASR/70/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 365/1-4 MCA, situated at Katra Jaimal Singh, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Dolly Singh w/o S. Harbans Singh 12-A Southern Avenue, Calcutta through Sh. Rajinder Singh s/o S. Gurcharan Singh GA.
(Transferor)

(2) S. Tejpal Singh s/o S. Sunder Singh Chawla r/o Katra Garba Singh, Devi Wali Gali, Kucha Gujran, Amritsar.
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2nd floor of property No. 365/1-4 MCA on plot No. 86, Katra Jaimal Singh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2654 of January, 1976 of the Registering Authority Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th Aug 1976.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Makhan Singh s/o Shri Inder Singh r/o Sultanpur Lodhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sham Rice Mills, r/o Sultanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Amritsar, the 28th August 1976

Ref. No. KPL/71/76-77.—Whereas, I V. R. SAGAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at V. Behbal Bahadur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sultanpur in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
16—246 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property in V. Behbal Bahadur, Sultanpur as mentioned in the Registered Deed No. 1629 of January, 1976 of the Registering Authority Sultanpur.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 28th Aug 1976.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. AC/Acq.II/1203/76-77.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. XI/1669 situated at Kucha Dakhani Rai, Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February 1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhai Lal Bhai Patel s/o Shri Maganbhai Patel, r/o Yama Building, Near Statue of Sardar Ballabh-bhai Patel, Ballabh vidyanagar, Gujarat.

(Transferor)

(2) Shri Sanjiv B. Shetty s/o Shri B. S. Shetty, r/o 1669 Kucha Dakhani Rai, Darya Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house constructed on a plot of land measuring 129 sq. yds bearing No. XI/1669 Kucha Dakhani Rai Darya Ganj, Delhi and bounded as under :—

East : Others property.
West : Kucha Dakhani Rai Darya Ganj, Delhi.
North : Others property.
South : Others property.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date : 24 July, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-1(110001)

New Delhi, the 24th July 1976

Ref. No. IAC/Acq.II/1204/76-77.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A-50 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in February, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Surinder Kaur w/o S. Atma Singh, r/o A-50 Rajouri Garden, New Delhi through General attorney Shri Jagan Nath Kumar s/o Shri Malik Singh r/o A-60 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)

(1) Shri Kewal Sain s/o Shri Malik Singh r/o 10606 Jhandewalan Road, Motia Khan, New Delhi at President at A-50 Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a 2 side open plot of land measuring 353 sq. yds. bearing No. A-50 Rajouri Garden New Delhi and bounded as under :—

North : Lawn.
East : House No. A-49.
South : Road 30 ft.
West : House No. A-51.

S. N. L. AGARWAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi.

Date : 12-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jaikishan Dass Mall 216, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 9,
FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 23rd June 1976

Ref. No. 26/76-77/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing P.S. No. 111 situated at Rupsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance Calcutta on 12-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

The land with buildings and structures standing thereon situated at Rupsa, P.S. No. 111, Talasbang Sub-Registrar Office, Balasore in the State of Orissa. The above properties registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta vide sale deed No. I-850 dated 12-2-1976.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 23-6-1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1976

No. Acq. 23-1-993(471)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1, Final Plot No. 78/B situated at Naroda, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 2-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kankuben widow of Shri Motilal Mulji.
2. Shri Chandulal Motilal.
3. Shri Dahyabhai Motilal.
4. Shri Ratilal Motilal.
5. Shri Induprasad Shivshankar.
6. Mahalaxmi Shivshankar, Naroda, Ahmedabad.
(Transferor)

- (2) Tulsivan Co-op. Housing Society Ltd., through its Chairman, Shri Dahyabhai Jetashankar, Secretary, Shri Pravinkumar Karsanlal, Member, Shri Popatlal Nagindas, Naroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 5000 sq. yds. bearing Survey No. 1, Final Plot No. 78/B, situated at Naroda, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 31-7-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Matubhai Chunilal Patel,
Matu nivas, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

(2) Smt. Sarojben Mukundbhai Shah, 5, Khadayata
Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 31st July 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

No. Acq. 23-I-1002(472)/1-1/75-76.—Whereas, I, J.
KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
No. Survey No. 103/A/2, F.P. No. 703, 704, S.P. No. 'C'
of TPS 3 situated at Madalpur, Ellis Bridge, Ahmedabad,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
at Ahmedabad on 4-2-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

A double storeyed building standing on a land admeasuring
905 sq. yds. bearing Survey No. 103/A/2, Final Plot No.
703, 704, Sub-plot No. 'C' of T. P. Scheme No. 3, situated
at Madalpur, Ellis Bridge, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 31-7-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Manoramaben wife of Harshadbhai Chaman Lal Barbhaiya,
2. Rashmikant Harshadbhai Barbhaiya, Pratap Ganj, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) 1. Rajmikant Ramanlal Parikh.
2. Minor Dharman Rajnikant Parekh,

Near Mahalaxmi Society, Paldi, Ahmedabad.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,

HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD

AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1976

No. Acq. 23-I-997(487)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing

No. Final Plot No. 241, S.P. No. 3, TPS No. 6 situated at Paldi, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 6-2-1976.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed building standing on land admeasuring 700 sq. yds. bearing FP No. 241, SP No. 3 of TPS No. 6, situated near Mahalaxmi Society, Paldi, Ahmedabad.

J. KATHURIA,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 6th August 1976

No. Acq. 23-I-1057(498)/16-6/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Sheri No. 5, Panchnath Plot, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot in January, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- (1) (1) Smt. Nalini Nagindas Virani.
 - (2) Virendra Nagindas Virani.
 - (3) Mina Nagindas Virani.
 - (4) Paresch Nagindas Virani.
- through their Power of Attorney holder Shri Bhupatlal Vrajlal Shah, Diwanpara Road, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Kahan Nagar Co-op. Housing Society Ltd., Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 1624.7 sq. yds. situated at Sheri No. 5, Panchnath Plot, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th August 1976

No. Acq. 23-I-1044(499)/16-6/76-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 401/4, Plot No. 40, Mavdi Plot, Rajkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot in January 1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Ramniklal Popatlalbhai Kacha, Mehul Nagar, Rajkot.
- (2) Shantababen Nanubhai, 6, Laxmi Wadi, Rajkot.

(Transferor)

- (2) Manav Seva Trust through Managing Trustee, Shri Kantilal Manjibhai Anadkat, Dharmendra Road, Rajkot.

(Transferee)

- (3) 1. Shri Jai Jalaram Industries.
2. Honest Manufacturers,
3. Manish Manufacturers.
4. Workwell Machine Tools.
5. Bhavani Industries.
6. Alwin Industries.
7. Vimal Iron Works,
8. Limabad Packing Services,
9. Shri Ram Engineering Industries.

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 496-6 sq. yards bearing Plot No. 40, Survey No. 401/4, and situated on the north side of Radia Oil Mill, Mandvi Plot, Rajkot.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 6-8-1976

Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th August 1976

No. Acq. 23-I-953(510)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. KATHURIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Survey No. 237, situated at Vejalpur, Taluka Daskroi, District Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 21-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Natvarlal Punjabhai Patel,
Attarwala Bungulow, Near Ankoor Society,
Ghatlodiya Road, Naranpura, Ahmedabad.
(Transferor)
- (2) Jayma Co-op. Housing Society Ltd.,
through—
Chairman : Shri Govindlal Maneklal Bhatt,
Secretary : Shri Amritlal Maganlal Modh,
Committee : Shri Dineshkumar Madhusudan Mehta,
Member : Vejalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 8107 sq. yards bearing Survey No. 237 situated at Vejalpur, Taluka Daskroi, Distt. Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 26-8-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) The Principal Officer,
The Atul Products Ltd.
Post Atul, 396020.
Dist. Bulsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) The Principal Officer,
The Atice Industries Ltd.
Post Atul, 396020.
Dist. Bulsar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 449 Acq. 23-686/7-1/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Sur. No. 28 to 31(P), 32, 33, 41, 42, 43(P), 61, 62(P),
74 and 75(P) of village Parnara situated at Near Atul Indus-
tries, Dist. Bulsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Bombay on 21-1-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration- therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Structures alongwith lease-hold rights in land bearing
S. No. 28 to 31(P), 32, 33, 41, 42, 43(P), 61, 62(P), 74
and 75(P) of village Parnara near Atul Industries, Dist.
Bulsar. Land admeasuring about 4 acres 26 gunthas, built-
up area admeasuring about 2406 sq. mts. as described in the
sale-deed registered under registration No. 6601 in the month
of January, 1976 by the Registering Officer, Bombay.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following per-
sons, namely :—

Date : 23rd August, 1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 450 Acq. 23-756/7-4/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 150, 151/1, 151/2, 152/1, 152/2, 153/2, 155/1 to 155/3, 156 and 161 paiki situated at Kabirpore, Tal. Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Navsari on 30-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Paragbhai Morarji Ahir;
At Tighara, Tal. Navsari.
- (2) Shri Haribhai Kalidas Patel;
Power of Attorney Holder;
Shri Mohanbhai Haribhai Patel;
Tagornagar, Navsari.
- (3) Shri Vallabhbhai Naranbhai Ahir;
Pera, Tal. Navsari.
- (4) Shri Somabhai Vasanji Ahir;
Power of Attorney Holder,
Shri Dulabhai S. Ahir;
Kani, Tal. Mahuva.
- (5) Shri Somabhai Kalidas Ahir;
Anodpure, Tal. Navsari.
- (6) Shri Chhaganlal Kunverji Ahir;
Kachhiavadi, Tal. Navsari.

(Transferor)

- (2) Shri Vrundavan Coop. Housing Society Ltd.
through its :—
President : Ambubhai Dahyabhai Gajjar, Civil Hospital, Navsari.
Secretary : Thakorabhai Ratanji Maisuria Par, Tal. Navsari.
Member of Managing Committee : Amratlal Bhagwanji Nayak, Station Road, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. Nos. 150, 151/1, 151/2, 152/1, 152/2, 153/2, 155/1, 155/2, 155/3, 156 and 161 paiki and admeasuring in all 2 Acre 20 gunthas situated at Kabirpore, Tal. Navsari duly described in registered sale-deed No. 172 of January, 1976, registered with a registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 451Acq.23-760/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1932 of Ward No. 2 Paiki, situated at Majura Gate, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-1-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Shri Vishvakarma Land Corporation; through its partners;
- (2) Shri Nanubhai Khandubhai Desai, Diwalibaug, Athwa, Surat.
- (3) Smt. Taraben Ratilal, Ara Street, Gopipura, Surat.
- (4) Shri Champaklal Chunilal Jinwala, Nanpura, Surat.
- (5) Shri Yashwant Chimanlal Shah, Bhorserli Pole, Gopipura, Surat.
- (6) Shri Mukul Nanubhai Desai, Diwali Baug, Athwa, Surat.
- (7) Shri Tulsidas Thakordas Manvawala, Bhanderiwad, Nanpura, Surat.
- (8) Amratlal T. Manvawala, Bhanderiwad, Nanpura, Surat.
- (8) Shri Champaklal T. Manvawala, Bhanderiwad, Nanpura, Surat.

(Transferor)

- (2) Shreeji Corporation:
through its partners:—
1. Shri Devjibhai Madhavjibhai, Dhobhi Sheri, Nanpura, Surat.
 2. Shri Tulsidas Madhavjibhai, Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.
 3. Shri Nanjibhai Madhavjibhai Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.
 4. Bhagwanji Madhavjibhai Bhaya Mahollo, Nanpura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 1932 paiki of Ward No. 2 and admeasuring 500 sq. yds. (160+170+170 sq. yds.) situated at Majura Gate, Surat, duly described in the registered sale deeds No. 931, 932 and 933 of January, 1976, registered with Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 452 Acq.23-762/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nondh No. 1934-B/1 of Ward No. 2 paiki situated at Opp. Majura Gate, Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering at Surat on 15-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mona Enterprises;
through its partners:—
 1. Shri Jayantilal Maganlal Desai, Hathugor Moholla, Nanpura, Surat.
 2. Shri Induben Sharad Chandra Desai; Hathugor Moholla, Nanpura, Surat.
 3. Kamuben Indravandan Desai; Laxminarayan Street, Valsad.
 4. Malti Nalinkant Desai, Chikhli, Tal Chikhli.
(Transferor)
- (2) Kadambari Apartments Owners' Association; through;
 1. Shri Jayantilal Manilal Amin; Kadampalli Coop. Housing Society Nanpura, Surat.
 2. Shri Dhiron Thakorbbhai Patel; Amrapali Coop. Heg. Society. Majura Gate, Surat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Nondh No. 1934-B-1 paiki and admeasuring 355.54 sq. yds. (177.77+177.77 sq. yds.) situated near Majura Gate Surat duly described in registered sale-deeds No. 352 and 353 of January, 1976 registered with registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 453 Acq.23-697/6-1/75-76.—Whereas, I,
P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'Said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 1, Survey No. 45 situated at Village Petalpur, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 5-2-1976,
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Rasiqlal Dahyabhai Amin and others,
Near Milan Society, Race Course Road, Baroda.
(Transferor)
- (2) Smt. Chanchalben Khushalbhai Patel;
Miami Building, 8th Floor, Bhulabhai Desai Road,
Bombay-26.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Sur. No. 45, Plot No. 1 situated at Jetalpur,
Baroda admeasuring 10419 sq. ft. as described in the sale-
deed registered under registration No. 1133 in the month of
February, 1976 by the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 454 Acq.23-705/7-4/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. Nos. 156 and 161 paiki, situated at Kabilpore, Tal. Navsari, Tl. Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari on 16-2-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) (1) Shri Paragbhai Morarji Ahir;
at Tighare, Tal. Navsari.
- (2) Shri Haribhai Kalidas Patel;
Power of Attorney Holder;
Shri Mohanbhai Haribhai Patel;
Tagornagar, Navsari.
- (3) Shri Vallabhbhai Naranbhai Ahir;
Pera, Tal. Navsari.
- (4) Shri Somabhai Vasanji Ahir;
Power of Attorney Holder;
Shri Dulabhai S. Ahir;
Kani, Tal. Mahuva.
- (5) Shri Somabhai Kalidas Ahir;
Anodpure, Tal. Navsari.
- (6) Shri Chhaganlal Kunverji Ahir;
Kachhiavadi, Tul. Navsari.

(Transferor)

- (2) Gujarat Vidyut Board Employee's Coop. Housing Society Ltd.
through its :
President : Shri Govindbhai Naranji Patel;
Secretary : Narendra Chhaganlal Desai;
C/o. Vidyut Board, Kabilpore, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. Nos. 156 and 161 paiki and admeasuring in all 11388 sq. mts. situated at Kabilpore, Tal. Navsari duly described in a registered sale-deed No. 242 of Feb., 1976 registered with registering Officer, Navsari.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref No. P.R. No. 455 Acq.23-805/19-8/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. Sur. No. 24 paiki sub-plot No. 2 situated at Umarwada, Tal. Choryasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 17-2-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—246GI/76

(1) Shri Mulchand Narandas Mali;
Chowk Bazar, Sopasi Gali Surat.

(Transferee)

(2) (1) Shri Ambaben Shantilal;
(2) Shri Padmaben Mohanlal;
(3) Shri Padmaben Mansukhlal;
(4) Shri Mansukhlal Shantilal;
(5) Shri Mohanlal Shantilal;
Karva Road, Navapura, Surat.

(Transferee)

(4) (1) Shri Taraben Ratilal, Gopipura, A/c Street, Surat.
(2) Shri Chimanlal Sujaanmal, Gopipura, Bharsheli Pole, Surat.
(3) Champaklal Chunilal Jinwala, Nanpura, Surat.
(4) Shri Vimlaben Nanubhai Desai; Diwalibaug, Athwa, Surat.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing R.S. No. 24, paiki Sub-plot No. 2, admeasuring 935 sq. yds. situated at Umarwada, Tal. Choryasi, duly described in registered sale-deed No. 646 of Feb., 76 and registered with a registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd August 1976

Ref. No. P.R. No. 456 Acq.23-806/19-8/75-76,—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 24 Palki, Sub-plot No. 1 situated at Umarwada, Choryasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 16-2-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri Mulchand Narandas Mali;
Chowk Bazar, Sopari Gali, Surat.

(Transferor)

(2) (1) Shri Gangaben Chandulal;
(2) Shri Mangalaben Girdharlal;
(3) Shri Manjulaben Dhansukhlal;
(4) Shri Pushaben Hirulal;
(5) Shri Dhangaauri Somabhai;
Chakawadi Sheri, Vadi Falia, Surat.

(Transferee)

(4) (1) Shri Taraben Ratilal, Gopipura, Are Street Surat.
(2) Shri Chimantal, Sujannal, Gopipura, Bhanshati Pole, Surat.
(3) Shri Champaklal Chunilal Jiawala, Nanpura, Surat.
(4) Shri Vimlaben Naranbhai Desai, Diwalibaug, Athwa, Surat.
(person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Rev. Sur. No. 24 paiki, Plot No. 139 sub-plot No. 1 admeasuring 938 sq. yds, situated at Umarwada, Tal. Choryasi, duly described in registered sale-deed No. 645 of Feb., 1976 registered with a registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II Ahmedabad

Date : 23rd August, 1976

Seal :

FORM ITNS—

(2) Parikh-Vora Chambers Premises Co-operative Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I

AYURVED HOSPITAL BLDG., NATAJI

SUBHASH CHAND

BOMBAY-400002

Bombay-400002, the 30th August 1976

- (3) 1. T. D. Vora as Karta of T. D. Vora H.U.F. 2. Sardar Jagitsingh Chawla, 3. Mr. Tulsidas Dharshibhai Vora, 4. Mr. Mehta Madhukar Chimanlal & Mrs. Mehta Sudha Madhukar, 5. Mr. Srinivas Somasunder Ayyar (Prop. Ayyar & Co.), 6. Meghji Khimji Patel & Co. Pvt. Ltd., 7. M/s Patel Construction Co. 8. M/s Machine Tools Sales Corporation, 9. Mr. Paresh Tulsidas Vora, 10. Mr. Robert DeSa (Prop. Regal publicity), 11. M/s Sanghavi & Patel Builders Pvt. Ltd., 12. Smt. Kiron P. Sheth & Mr. Pravin V. Sheth, 13. Mr. Fida Hussain Berarwala & Mrs. Parin Fidahusain Berarwala, 14. Mr. Jal Bejanji Pardiwala, 15. Mrs. Nivkirben Dharsibhai, 16. Mr. Paresh Tulsidas Vora, 17. Mr. Sardar Jogasingh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground of quite and ground rent tenure with the messuages standing thereon situate at Meadows Street (now known as Nagindas Master Road) within the Fort of Bombay in the Registration Sub-District of Bombay containing by admeasurement 472 square yards i.e., 394.65 square meters or thereabouts little more or less and bounded as follows : that is to say on or towards the North by the property formerly of—American Chapel and now open land of Bombay Municipal Corporation On or towards the South partly by the property of Haji Ali Mohamed Ismail and partly by the property of Hirza Mohamed Shiraz; On or towards the East by Meadows Street (now known as Nagindas Master Road) and On or towards the West by the property of Mirza Mohamed Shiraz and which said premises are registered in the books of the Collector of Land Revenue under Collector's Old Nos. 68 and 89 No. N/4927 Old S. Nos. 1454, 1455, 1456, 1457 and 1578 and N.S. 3/9462 and Cadastral Survey No. 91 of Fort Division and assessed by the Assessor and Collector of Municipal Rates and Taxes under Ward Nos. A-1134 and Street No. 66 Nagindas Master Road.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Bombay

Ref. No. ARI/1602-7/April 76.—Whereas, I, V. R. AMIN, hereinafter referred to as the said Act being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

C.S. No. 91 of Fort Division situated at Nagindas Master Road,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-4-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

- (1) Kumari Fizza Ibrahim Lakdawala and Shrimati Nalini Tulsidas Vora.

(Transferor)

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Rauniklal Lallubhai Dharia Annapurna Farms,
Pawai Bombay, 400078
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE V
AYURVED HOSPITAL BLDG.,
NATAJI SUBHASH MARG,
BOBMAY-400002

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/538-2/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, hereinafter referred to as the said Act being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 17 and being Plot No. B/4 situated at Village Pawai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Mrs. Rashmi w/o Manesh Laxmida Shrikant,
41B Sudha—Kulash, Jannadas Mehta Road, Bom-
bay-400006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in village Pawai in the registration sub-district of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 2196.97 sq. mts. and being part of the land bearing Survey No. 17 and comprised in and being Plot No. B/4 as per the sub-division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter (No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-1970, dated 11th June 1970) and bounded as follows : i.e. on or towards the North by a proposed road; On or towards the East by a Plot of land bearing No. B-3 under the said sub-division being part of the said survey No. 17, reserved for a garden under the said sanctioned sub division and marked R-1 and on or towards the West by remaining part of the Vendor's land bearing Survey No. 17.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kirtan Mojilal Dharia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Virendrakumar Jeewanlal Shah and Anjana
Virendrakumar Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/537-1/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. A-I, Survey No. 9 of Powai Village, situated at Powai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT the piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in village Powai in the registration Sub-district of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 2616 sq. mts. and being part of the land bearing Survey No. 9 and comprised in and being Plot No. A-1 as per the sub-division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-1970 dated 11th June 1970 and bounded as follows: that is to say: On or towards the North partly by a plot of land bearing No. A-2 under the said sanctioned sub-division and partly a portion of land bearing the said Survey No. 9 reserved for a garden and marked G-2 under the said sanctioned sub-division. On or towards the South partly by common approach or access road and partly by a plot of land bearing No. A-8 under the said sub-Division all being parts of the said Survey No. 9 On or towards the East by a common approach or access road marked RI under the said sanctioned sub-division also being part of the said Survey No. 9 On or towards West by land bearing Survey No. 9 and belonging to Mukand Iron Steel Works Ltd.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-V, Bombay

Date: 30-8-1976

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Kirtan Mojilal Dharla.

(Transferor)

(2) Miss Anita Virendrakumar Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/541/5/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 9 Plot No. 5A situated at Powai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground lying and being in Village Powai in the registration sub-District of Bandra District Bombay Suburban containing by admeasurement 902.89 sq. metres and being part of the land bearing Survey No. 9 and comprised in and being Plot No. 5A as per the sub-division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BS/I/1.O/N of 14-4-70, dated 11th June 1970 and bounded as follows that is to say : on or towards the North by a plot of land bearing No. A-4 under the said Sub-Division being part of Survey No. 9; On or towards the South by land bearing S. No. 9 belonging to the Vendor, on or towards the East also by land bearing S. No. 9 and belonging to the Vendor, and On or towards the West partly by a common approach or access Road marked R-I under the said sanctioned sub-Division also being part of the said Survey No. 9 and partly by a plot of land bearing No. A-6 under the said Sub-Division being part of Survey No. 9.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ramniklal Lallubhai Dharla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Sarla, w/o Parsram Mukhl.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/542-6/75-76.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 17, Plot B-7, Village Powai, situated at Powai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Bandra on 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in the Village of Powai in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 886.16 sq. mtrs and being part of the land bearing S. No. 17 and comprised in and being Plot No. B-7 as per Sub Division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BSI/ I.O/N of 14-4-1970 dated 11th June 1970 and bounded as follows : that is to say on or towards the North by the portion of land bearing Survey No. 17 reserved for garden under the said sanctioned sub division and marked G-1 on or towards the South by the remaining part of the land bearing S. No. 17 belonging to Mukund Iron & Steel Works Ltd., on or towards the East partly by a Common approach or access road marked R-1 under the said sanctioned Sub Division and partly by a plot of land marked B-6 under the said sanctioned sub-division both being parts S. No. 17 and On or towards the West by the remaining part of the Vendors land bearing Survey No. 17.

V. R. AMIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramniklal Lallubhai Dharla and Kirtan Mojilal Dharla, Annapurna Farms, Pawai, Bombay-400078.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narendra Jeewanlal Shah, Mehar Apartments,
Off Altamount Road, Bombay-400026.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/543/7/76-77.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 17 and being Plot No. B-3 situated at Village Pawai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 4-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in Village Pawai in the Registration Sub-District of Bandra, Dist. Bombay Suburban containing by admeasurement 1322.40 sq. metres and being part of the land bearing Survey No. 17 and comprised in and being Plot No. B-3 as per sub division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-1970 dated 11th June 1970 and bounded as follows; that is to say : on or towards the North by a proposed road, On or towards the West by a Plot of land bearing No. B-4 under the said Sub Division being part of the said Survey No. 17; on or towards the South by a portion of the land bearing the said Survey No. 17 reserved for a garden under the said sanctioned sub-division and marked G-I and on or towards the East by a common approach or access road marked R-2 under the said sanctioned sub-division also being part of the said Survey No. 17.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kirtan Mojilal Dharia and Shri Lajpatrai Hemraj Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suketu alias Sukumar Virendrakumar Shah.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/558-22/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 9 Plot No. A-2 situated at Powai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-12-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, by the following persons, namely :—

19—246 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said prop may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in Village Powai in registration sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing by admeasurement 1,632 sq. metres and being part of the land bearing S. No. 9 and comprised in and being Plot No. A-2 as per the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-1970 dated 11th June 1970 and bounded as follows that is to say : On or towards the North by a proposed road, on or towards South by a plot of land bearing No. A-1 under the said sanctioned sub division and being part of the said Survey No. 9. On or towards the West by a portion of the land S. No. 9 reserved for a garden and marked G-2 under the said sanctioned by the sub-division and, on or towards the East by a common approach or access road marked R-1 under the said sanctioned sub-division also being part of the said Survey No. 9.

V. R. AMIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kirtan Mojilal Dharia & Mr. Lajpatral Hemraj Verma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Virendrakumar Jeewanlal Shah & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V
BOMBAY

Bombay-400002, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/559/23/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition range-V, Bombay,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 9, Marked R-1 and G-2 situated at Powal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL that piece or parcel of agricultural land or ground lying and being in Village Powai in the Registration Sub District of Bandra District Bombay Suburban containing by admeasurement 2700.09 sq. mtrs and being part of S. No. 9 and comprised in and being the approach road and garden and marked R-1 and G-2 respectively as per the sub-Division sanctioned by the Municipal Corporation of the Greater Bombay in its letter No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-70 dated 11th June 1970 which said approach road is shaded burnt sienna and marked R-1 and which said garden is shaded green and marked G-2 and bounded by red coloured boundary lines on the plan thereof thereto annexed.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramniklal Lallubhai Dharia & Ors.

(Transferor)

(2) 1. Shri Azad Abidalli, 2. Iqbal Abidalli, 3. Safia, w/o Yusuf Mirza and 4. Zarina w/o Abdialli.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V,
BOMBAY

Bombay-400020, the 30th August 1976

Ref. No. AR.V/561-25/75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

S. Nos. 8 & 18 Plot No. B-5, situated at Powai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 29-12-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of agricultural land or ground situate lying and being in Village Powai in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban containing, by admeasurement 2095.58 sq. metres and being part of the land bearing S. No. 8 and 18 and comprised in and being Plot No. B/5 as per the sub division sanctioned by the Municipal Corporation of Greater Bombay under its letter No. CE/35/BSI/LO/N of 14-4-1970 dated 11th June 1970 and bounded as follows that is to say On or towards the North partly by a plot of land bearing No. B-I and partly bearing No. B-2 under the sub division being part of S. No. 8 and 17. On or towards the South by land partly bearing Survey No. 8 and belonging to Mukand Iron and Steel Works Ltd. On or towards the East by the land bearing S. No. 17 belonging to Mukand Iron and Steel Works Ltd. On or towards the West partly by a common approach or access road marked R-2 under the said sanctioned sub-division and partly by a plot of land bearing P. No. B-6 under the said sanctioned division both being parts of S. No. 17.

V. R. AMIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Automobile Products of India Ltd., Lal Bahadur Shastri Marg., Bhandup, Bombay-400078.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Overseas Packaging Industries Pvt. Ltd., Indrakumar Karnani Street, Calcutta-700001 and a Branch Office, 309, Jolly Bhavan No. 1, 10, New Marine Lines, Bombay-400020.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 10th August 1976

Ref.No. CA-5/Bombay(Thana)/Mar'76/295 of 76-77.—
Whereas, I, V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 143-H, H. No. 1 (P) & S. No. 32, H. 1 (P), situated at Majiwada, Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 13-3-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground with the messuages tenements or buildings and structures standing thereon and situate lying and being between Ghodbunder Road and Kolshet Road at village Majiwada and in the Registration Sub-District of Thana District, Thana within the limits of village Panchayat of Majiwada Panchayat Samithi and Zilla Parishad of Thana and bearing S. No. 143H Hissa No. 1(P) and admeasuring 11374 sq. yds equivalent to 9508.66 sq. mts. or thereabouts and S. No. 32 Hissa No. 1 (Part) admeasuring 121 sq. yds equivalent to 107.17 sq. mts and not assessed by the Gram Panchayat and the property is now situated within the limits of any municipal area but the same is in Gram Panchayat area and converted to non-agricultural use and bounded as follows : that is to say : on or towards the North by Chital-sar Manpada village and the property known as "Gopal Baug", on or towards the South by petrol Pump : on or towards the East by Kolshet Road and on or towards the West by Ghodbunder Road.

(Property as described in the sale deed registered under No. 324 dated 13-3-1976 in the office of the Sub-Registrar Bombay).

V. S. GAITONDE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Poona

Date : 10-8-1976

Seal :

FORM ITNS-----

(1) M/s Shree Krishna Builders, C/o H. M. Punjwani,
Shindu House, Nanabhai Lane, Fort, Bombay-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Nanik Nivas Co-op. Housing Society Ltd., Plot No.
449, Sec. 3-B, Ullasnagar, No. 4, Thana, Distt.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
POONA-411004Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Poona-411004, the 10th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. CA-5/Bombay(Thana) Mar'76/296 of 76-77.—
Whereas, J. V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B
of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Plot No. 449, Sec. 3-B, Ullasnagar, Thana situated at Ullas-
nagar, Thana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Bombay on 2-3-1976
for an apparent consideration
which is less than the fair market value
of the aforesaid property and I have reason to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property C. T. Section Plot No. 449, Section 3-B admeasur-
ing 721 2/9 sq. yds i.e. 603.01 sq. mtrs, together with building
structures standing thereon at Ullasnagar, Taluka Ullasnagar,
District, Thana.

(Property as described in the sale deed registered under No.
1536 dated 2-3-1976 in the office of the Sub-Registrar, Bom-
bay).

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said
Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

Date : 10-8-1976

Seal :

V. S. GAITONDE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
POONA

Poona-411004, the 30th August 1976

Ref. No. C.A. 5/Bombay(Thana)/January, 1976/298 of 76-77.—Whereas, I, V. S. GAITONDE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 9A, 9, 10, 11, 12, 13 and 94 (Hissas) situated at Panchakhadi, Thana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 24-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Sri Madanlal Kedarnath Gupta
2. Sri Murarilal Kedarnath Gupta
3. Sri Bansimohan Kedarnath Gupta
4. Sri Kamalnayan Kedarnath Gupta
5. Sri Sudarshankumar Kedarnath Gupta
6. Sri Ashokkumar Kedarnath Gupta
7. Sri Jagadishprasad Dwarkadas Bharatiya
8. Sri Giridharilal Dwarkadas Bhartiya
All partners of M/s Hindustan Estates and Land Development Corporation, 20, Wadi Bunder Road, Bombay-10.

(Transferor)

- (2) Sri Balkrishna Srinivas Poddar Lantin Chambers, 5th floor, Dalal Street, Fort, Bombay-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter, XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE several pieces or parcels of agricultural land or ground admeasuring about 27850 square yards (i.e. 22285.38 sq. metres) or thereabouts situate lying and being at Mouji Panchapakhadi within the Municipal limits of the Town of Thana, Taluka Thana in the registration Sub-District and District of Thana bearing the following survey and hissa numbers :—

Survey No.	Hissa No.	Survey No.	Hissa No.	Survey No.	Hissa No.
1	2	3	4	5	6
9A	1/2	11	3	12	2
9A	2	11	4	12	2
9	3	11	5	13	1
9	4	11	6	94	7
	(Part)				
10	2/2	11	7	94	13
11	1	12	1	94	14
			(Part)		

(Property as described in the sale deed registered under No. 337 dated 24-1-1976 in the office of the Sub-Registrar, Bombay).

V. S. GAITONDE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri D. H. Gokhale, 5, Samarth Kripa, Behind Plaza Cinema, Dadar, Bombay-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sonal Dairies and Agro-Industries Pvt. Ltd. 5, Samarth Kripa, Behind Plaza Cinema, Dadar, Bombay-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA

Poona-411004, the 30th August 1976

Ref. No. C.A.5/Bombay (Kolaba)/Jan.76/299/76-77.—
Whereas, I, V. S. GAITONDE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
S. No. 114, 115/1, 115/2-C situated at Bhalewadi, Tal Karjat
Dist. Kolaba,
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto)
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Bombay on 27-1-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act
in respect of any income arising from the transfer
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following per-
sons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning
is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land known as Hill tracks'. S. Nos. 114, 115/
1, 115/2-C situated at Bhalewadi village, Taluka Karjat, Dist.
Kolaba.

Area 50 acres and 8 Gunthas.

(Property as described in the sale deed No. 809 dt. 27-1-76
registered in the office of the Sub-Registrar, Bombay.

V. S. GAITONDE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 30-8-1976

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Acq/1164/Agra/75-76/1269.—Whereas, I, VIJAY
BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269D of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Agra on 19-1-1976,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act', in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Sec-
tion (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Jugender Lal s/o Sri Gurubux Singh r/o Collec-
tor ganj, Hapur Distt. Meerut.

(Transferor)

- (2) M/s Circar Engg. & Manufacturing Co. & Steel Roll-
ing Mill, Govindpuri, Modi Nagar Distt. Meerut.
Through Thakur Das Bansal s/o L. Kasturi Lal,
Partner r/o Modinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the Said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property $\frac{1}{2}$ portion Plot No. 10 and 11 measur-
ing 1340 sq. yds situated at Govindpuri Modinagar, Distt.
Meerut, transferred for an apparent consideration 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) 1. Shri Bhagwat Pd. Tiwari 2. Sri Raj Kumar Tiwari sons of Pt. Balbhadra Pd. Tiwari 3. Smt. Gulab bai widow w/o Pt. Balbhadra Pd. Tiwari r/o 4/281, Parwati Bagla road, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shrimati Balwant Gambhir w/o Sri Mahendra Pratap Gambhir r/o 119/393 Darshanpurwa, City, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Ac/17/Kanpur/76-77/1270.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 19-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
20—246 GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 2 measuring 200 sq. yds. situated at Mauza Barry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 12,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-8-1976
Scal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Acq/1034-A/Kanpur/75-76/1271.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section, 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur on 19-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Bhagwat Pd. Tiwari 2. Sri Raj Kumar Tiwari sons of Pt. Balbhadra Pd. Tiwari 3. Smt. Gulab Bai widow w/o Pt. Balbhadra Pd. Tiwari r/o 4/281, Purana Kanpur (Parwati Bagla road, Kanpur).

(Transferor)

- (2) Shri Naval Kishore Singh s/o Sri Ram Subhag Singh r/o through Agriculture Trading Corporation Kalyanpur, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot No. 48 measuring 200 sq. yds. situated Mauza Barry Akbarpur Distt. Kanpur, transferred or an apparent consideration for Rs. 11,200/-.

VIJAY BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 28-8-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sri Kamleshwar Narain Tankha s/o Pt. Onkar Narain Tankha r/o 1/70 Kale Ka Tal Hariwarwat Ward, Agra.

(Transferor)

(2) Shrimati Raj Dulari Farsaiya w/o Sri Satya Prakash Farsaiya r/o 104, Nehru Nagar, Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Acq/1042-A/Agra/75-76/1272.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 16-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Immovable property A Plot of Land in which House is constructed No. 1/70 measuring 1317 sq. yds. situated at Kale Ka Tal, Gulab Rai Road, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 1,15,000/-.

VIJAY BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Acq./1184/Muzaffarnagar/75-76/1273.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 21-1-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) The Grain Chamber Ltd.,
New Mandi, Muzaffarnagar through Shri Virendra Gopal, Singhal Advocate r/o Civil Lines, Muzaffarnagar.
(Transferor)

(2) Shri Sukhbir Singh s/o Shri Omrao Singh r/o Vill. Purbaliyan, Shikarpur, Budhana Distt. Muzaffarnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property 17/1 and 17/3 measuring 598 sq. yds. situated at Khattiyan Nai Ki Mandi, Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 52,500/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-8-1976
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Acq/49/Agra/76-77/1274.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Agra on 21-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shiv Charan Lal (2) Sri Hazari Lal (3) Sri Tara Chand (4) Sri Chote Lal sons of Sri Jamuna Pd. Ji, R/o 25 Road, Vijay Nagar Colony, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran Dei w/o Sri Ramji Agarwal r/o 63 New Raja Mandi (2) Sri Mathura Pd. Agarwal s/o Sri Gopal Pd. Ji r/o Jain gali Tundla Teh. Etmadpur District Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property Plot of land Khasra No. 588, 589 and 591 measuring 2110 sq. yds. situated at Chah Awal Sawdey, Agra, transferred for an apparent consideration for Rs. 42,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Surjeet Singh s/o Sri Gurbux Singh r/o Moh. Collectorganj, Hapur Dist. Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 28th August 1976

Ref. No. Acq/1163/Ghaziabad/75-76/1268.—Whereas, I, VIJAY BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 19-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) M/s. Circar Engg. & Manufacturing Co. & Steel Rolling Mill Govindpuri, Modi Nagar Distt. Meerut through Thakur Das Bansal s/o L. Kastoori Lal, Partner r/o Modinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property No. 10 & 11 measuring 1340 sq. yds. situated at Govindpuri, Modinagar, Distt Meerut, transferred for and apparent consideration for Rs. 30,000/-.

VIJAY BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 28-8-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chhotey Lal Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nav Manak Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.
(Transferee)

(3) Sellers.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 17th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 19—N.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2 Bigha & 7 Biswa No. 858 situated at Devpur Distt. Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Lucknow on 19-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

THE SCHEDULE

An undeveloped plot of land measuring 2 Bighas 7 Biswas No. 858 M. which is situated at Devpur Distt. Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Sarla Devi Mathur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hitesh Kumar Sharma Advocate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th August 1976

Ref. No. 25—H/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One house situated at Moh. Civil Lines, Distt. Bijnore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Bijnore on 20-9-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storied house situated at Moh. Civil Lines, Distt. Bijnore.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 17-8-1976
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Kishore Chand Trehan

(Transferor)

(2) Shri Vinod Dhaon The Honry. Secy. Rivera Sahkari Garh Nirman Samiti.

(Transferee)

(3) Shri Sri Kishore Trehan

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th August 1976

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A plot bearing No. 41 situated at Rai Prayag Narain Road, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—246 GI/76

Date : 17-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shambhoo Nath Mukerjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kartar Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Kartar Singh.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st August 1976

Ref. No. 57—K/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D—14/99 situated at Terhi Neem, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 28-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

House No. D—14/99 Terhi Neem, Varanasi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-8-1976

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Ashok Kumar Yadav.

(Transferor)

(2) Shri Akhilesh Chandra Arya & Ors.

(Transferee)

(3) Shri Ashok Kumar Yadav.

(Person in occupation of the property)

(4) Shri Ashok Kumar Yadav.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st August 1976

Ref. No. 65—A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D—37/129 and D—37/132 situated at Moh. Badadeo, City Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 19-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D—37/129 & D—37/132 which is situated at Moh. Badadeo, City Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-8-1976

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Sheo Narain Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Avtar Tripathi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 17th August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 100—R.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 84 with land situated at Tagore Town, Allahabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Allahabad on 14-1-1976,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house No. 84, with land measuring 875 sq. yds. which is situated at Tagore Town, Allahabad.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 17-8-1976

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Raja Yadvendra Vikram Singh & Others.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 169D(I) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Rani Padma Kumari Devi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 21st August 1976

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref. No. 101—R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. A single Kothi (Anand Bhawan) situated at Village
Noorpur, P.O. Payagpur, Distt. Bahraich,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer
at Bahraich on 14-1-1976,
for an apparent consideration which is less than the fair mar-
ket value of the aforesaid property and I have reason to be-
lieve that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single Kothi known as Anand Bhawan situated at village
Noorpur, P.O. Payagpur Distt. Bahraich.

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons namely :—

Date : 21-8-1976
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Kanhaiya Lal & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Prasad & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Kanhaiya Lal etc.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st August 1976

Ref. No. 102—R/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C—No. 9/127 situated at Moh. Habibpura, City Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 23-1-1976. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. C—9/127, situated at Habibpura, Varanasi.

A. S. BISEN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons; namely :—

Date : 21-8-1976

Seal

FORM ITNS—

(1) Bharat Sewak Samaj Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st August 1976

Ref. No. 129 S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 23 situated at Moh. Ahilyabainagar Colony, Mauja Nagwa, Parg. Dehat Amanat Distt. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 23-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Shoo Narain Pd. Sonker & others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 23 which is situated at Moh. Ahilyabainagar Colony, Mauja Nagwa, Pargna Dehat Amanat Distt. Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 21-8-1976
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Sheo Kumari Devi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Annapurna Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller.

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections if any, to the acquisition of the said property shall be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 27th August 1976

Ref. No. 66—A/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land with house No. B—1/61 situated at Mauja Nagwa, Pargna Dehat Amanat, Varanasi and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Varanasi on 4-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A single storeyed house No. B—1/61 situated at Mauja Nagwa, Pargna Dehat Amanat, Distt. Varanasi.

A. S. BISEN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act. to the following persons, namely :—

Date : 27-8-1976

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bharat Sewak Samaj Sahkari Girah Narman Samiti,
Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjun Pd. Sonkar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 27th August 1976

Ref. No. 67—A/IAC(Acq.).—Whereas, I, A. S. BISEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 24 situated at Ahilyabai Nagar Colony, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Varanasi on 27-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—
22—246GI/76

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, situate at Ahilyabai Nagar Colony, Village Nagwa Pargna Dehat Amanat Distt. City Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 27-8-1976
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Shoo Kumari Devi & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vindhya wasini Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Seller.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 27th August 1976

Ref. No. 68--B/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. plot No. 222/Y with house situated at Mauja Nagwa Pargna Dehat Amanat, Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 4-1-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957)

A plot no. 222/Y measuring 1.46 Acre with a house, situated at Mauja Nagwa, Pargna Dehat Amanat, Teh. and District Varanasi.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 27-8-1976

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION
NOTICE

STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 18th September, 1976

F.11/2/76-E.I.(B).—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in the Services and posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI), HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, TRIVANDRUM and at selected Indian Missions abroad on 22nd March, 1977 in accordance with the Rules published by the Cabinet Sectt. (Dep't. of Personnel and Administrative Reforms), in the Gazette of India, dated the 18th September, 1976.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 11).

2. The Services and posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Services and posts are given below :—

- | | |
|---|------|
| (i) Indian Foreign Service (B)—(Grade II of the Stenographers' Sub-cadre); | 11** |
| (ii) Railway Board Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the Select List of the grade); | * |
| (iii) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade C (for inclusion in the select list of the Grade); | 20** |
| (iv) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade C; | 4** |
| (v) Posts of Stenographers in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Stenographers' Service/Central Secretariat Stenographers' Service/Armed Forces Headquarters Stenographers' Service. | * |

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

NOTE.—Some departments/offices of the Government of India making recruitment through the examination will require only English Stenographers and appointments to posts of Stenographers in these departments/offices on the results of this examination will be made only from amongst those who are recommended by the Commission on the basis of the Written Test and Shorthand Tests in English (cf. para 3 of Appendix I to the Rules).

4. A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered. He is advised to indicate as many preferences as he wishes to so that having regard to his rank in the order of merit, due consideration can be given to his preferences, when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

NOTE :—Ex-servicemen admitted to the examination under Rule 6(C) will be eligible to compete only for vacancies reserved for ex-Servicemen in Grade C of the Railway Board Secretariat Stenographers Service and their preferences for other Services and posts, if any, will be ignored.

5. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi (110011), on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order, or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commissioner's Office. The amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1977. APPLICATIONS ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE STENOGRAPHERS' EXAMINATION, 1977 WILL NOT BE ENTER-TAINED.

6. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 15th November, 1976, (29th November, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 15th November, 1976) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

7. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the complete application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

8. If any candidate who took the Stenographers' Examination held in 1976 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1976 Examination, his candidature for the 1977 examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, as in the case of a candidate not admitted to the examination vide para 3 of Annexure I provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's Office on or before 22nd February, 1977.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTER-TAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 12.00 (Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January 1964, but before 26th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-Serviceman as defined below.

"Ex-Serviceman" means a person, who has served in any rank (whether as a combatant or as non-combatant) in the Armed Forces of the Union (viz. Naval, Military or Air Forces of the Union) including the Armed Forces of former Indian States but excluding the Assam Rifles, Defence Security Corps, General Reserve Engineer Force, Jammu & Kashmir Militia, Lok Sahayak Sena and Territorial Army, for a continuous period of not less than six months after attestation as on 15th November, 1976, and—

(i) has been released, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency or has been transferred to the reserve pending such release, or

(ii) has to serve for not more than six months as on 15th November, 1976 for completing the period of service requisite for being entitled to be released or transferred to the reserve as aforesaid.

3. A refund of Rs. 3.00 (Re. 100 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained, except as provided above and in para 8 of the Notice nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 5 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate wishing to take the examination at an Indian Mission abroad and exercising the option to answer paper (ii) Essay and paper (iii) General Knowledge, and take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 3 of Appendix I to the Rules may be required to appear at his own expense, for the Stenography Tests at any Indian Mission abroad where necessary arrangements for holding such tests are available.

2. (i) The application form and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in is liable to be rejected.

NOTE.—CANDIDATES SHOULD CLEARLY SPECIFY IN COLUMN 12 OF THE APPLICATION FORM THE LANGUAGE IN WHICH THEY WISH TO ANSWER THE QUESTION PAPERS ON ESSAY AND GENERAL KNOWLEDGE AND TAKE THE STENOGRAPHER TESTS, *VIDE* PARAGRAPH 3 OF APPENDIX I TO THE RULES OF THE EXAMINATION. THE OPTION ONCE EXERCISED SHALL BE TREATED AS FINAL AND NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE SAID COLUMN SHALL BE ENTERTAINED. IF NO ENTRY IS MADE IN THE SAID COLUMN IT WILL BE ASSUMED THAT THE PAPERS WILL BE ANSWERED AND THE SHORTHAND TESTS TAKEN IN ENGLISH.

(ii) The completed application form, and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application, received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 15th November, 1976.

All candidates, whether already in Government Service or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to obtain the permission of Head of their Office/Department before they are finally admitted to the examination. They should send their applications direct to the Commission after detaching the 2 copies of the form of certificate attached at the end of the application form and submit the said forms of certificate immediately to their Head of Office/Department with the request that one copy of the form of certificate duly completed may be forwarded to the Secretary, Union Public Service Commission, New Delhi as early as possible and in any case not later than the date specified in the form of certificate.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/Certified copy of Certified of Age.
- (iii) Attested/Certified copy of certificate of Education qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/Certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/Certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission, where applicable (See para 5 and 6 below).

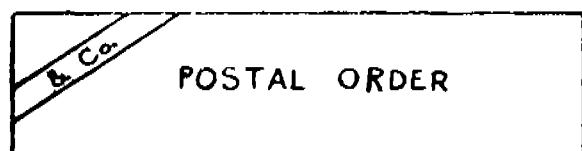
NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATION ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR SHORT HAND TESTS ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON

AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF JUNE, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4, 5 and 6 :—

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced and mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE :—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 12.00 Rs. 3.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative as the case may be, in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "051, Public Service Commission—Examination fees." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an India University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth or only shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A CANDIDATE WHO HOLDS A COMPLETED SECONDARY SCHOOL LEAVING CERTIFICATE NEED SUBMIT AN ATTESTED/CERTIFIED COPY OF ONLY THE PAGE CONTAINING ENTRIES RELATING TO AGE.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised school preparing students for the Indian School Certificate examination, (iii) the higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must, submit a certificate of age in the form prescribed under Note 3 below para 3(iii) from the Principal/Headmaster of the school concerned and no other certificate as evidence of age will be required.

NOTE 4.—In the case of candidates who are already in permanent Government Service the entries in their Service Book may be accepted as proof of the date of birth and educational qualification.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e. University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualification. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE 1.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE 2.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries regarding the result of the S.S.L.C. examination.

NOTE 3.—A candidate who has passed the 10th Class of (i) a recognised Higher Secondary School, (ii) a recognised School preparing students for the Indian School Certificate Examination, (iii) the Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education Pondicherry or (iv) Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic, must submit a certificate of educational qualification in the form prescribed below from the Principal/Headmaster of the school concerned.

The form of certificate to be produced by—the candidate, [cf: Note 3 under para 3(ii) and Note 3 above].

This is to certify that

(1) Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of Shri _____ has passed _____ class of this school which is the penultimate class of the course for Higher Secondary School/Indian School Certificate Examination/Higher Secondary Course of Sri Aurobindo International Centre of Education, Pondicherry/Technical Higher Secondary School of the Delhi Polytechnic*.

(2) His/Her* date of birth as recorded in the Admission Register of this School is _____ This has been verified from the Transfer Certificate/Statement made on behalf of the student at the time of his/her* admission to the school*.

(Signature of Headmaster/Principal*) _____

(Name of the School) _____

Date _____

Place _____

*Strike out whichever is not applicable.

(iv) Two copies of photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. X 7cm. approximately) photograph one of which should be passed on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraphs 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other Officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate, if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district, in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____ son/daughter* of _____ of village/town* _____ in District/Division* _____ of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____ Caste/Tribe* which is recognised as a Scheduled Caste/Tribe* under :—

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950)* the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950* the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951* the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*.

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971].

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes, Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967.*

the Constitution (Goa, Daman, and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and/or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* of District/Division* of the State/Union Territory* of

Signature _____

Designation _____

(with seal of office)

State/Union Territory*

Place.....

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

†Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/** Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

** (Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(D) (ii) or 6(D) (iii) and/or remission of fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 26th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(D)(iv) or 6(D)(v) and/or remission of fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 6(D)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(D)(vii) or 6(D)(viii) and/or remission of fee under paragraph 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services, claiming age concession under Rule 6(D)(ix) or 6(D)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director-General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operation during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out which ever is not applicable.

(vi) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(D)(xi) or 6(D)(xii) should produce, an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director-General Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

(vii) An ex-serviceman claiming age concession under Rule 6(c), and/or remission of fee under para 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force /Naval authorities as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

6. A candidate belonging to any of the categories referred to in para 5(i), (ii) and (iv) above, seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

7. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India, Cabinet Secretariat (Deptt. of Personnel and Administrative Reforms), for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

8. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

11. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Copies of pamphlet containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C Block' Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counters of the Publications Branch, Udvog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

13. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

14. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, SHAHJAHAN ROAD, NEW DELHI-110011, AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—Communications not containing the above particulars may not be attended to.

15. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 14 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CAN NOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.